Page 11

खेल

सोन वर्षा वाणी

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

Page 10

देश

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

भारत के लिए सबसे मैच खेलने वाली हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने लिया सन्यास

अन्नामलाई छोड़ेंगे तमिलनाडु में पद? क्या भाजपा के पुराने यार ने बढ़ा दी दरार

शुक्ल पक्ष, रोहिणी, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • बुधवार • 02 अप्रैल 2025 • वर्ष 27 • अंक 111 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 92,840	₹1,05,000

आज का इतिहास

1933 : भारतीय क्रिकेटर प्रिंस रणजीत सिंहजी का गुजरात के जामनगर में निधन।

2011 : भारतीय क्रिकेट टीम ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को हराकर आईसीसी विश्व कप 2011 का खिताब जीता।

न्यूज बाइट्स

सुप्रीम कोर्ट ने की सांसद महुआ मोइत्रा की याचिका खारिज

नई दिल्ली (ए.)। उच्चतम न्यायालय ने भारत के वित्तीय बाजारों में पारदर्शिता की मांग करने वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा की जनहित याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने भारत के वित्तीय बाजारों में पारदर्शिता और निवेशक जागरूकता के लिए अंतिम लाभार्थी मालिकों (यूबीओ) के विवरण के साथ-साथ वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के पोर्टफोलियो होल्डिंग्स का सार्वजनिक किया जाना अनिवार्य करने की मांग वाली सुश्री मोइत्रा की जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

दीनदयाल जन आजीविका योजना (शहरी) ने बदली हजारों बेघरों की जिंदगी

पटना (नि.सं.)। बिहार में दीनदयाल जन आजीविका योजना शहरी) को सफलतापूर्वक लागू किया गया है, जिसके तहत राज्य के 129 नगर निकायों में आश्रय गृह बनाए गए हैं, जहां 4303 बेघर लोग सुरक्षित रूप से रह रहे हैं। नगर विकास एवं आवास मंत्री जिवेश कुमार ने बताया कि बिहार की राजधानी पटना में एक अक्टूबर 2024 को आर ब्लॉक, शेखपुरा, सैदपुर (वार्ड नं. 48), मैकडोवेल गोलंबर (वार्ड नं. 43, राजेंद्र नगर), गायघाट और छोटी पहाड़ी में इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया, जिसे छह महीने के लिए और आगे बढ़ाया जाएगा। फिलहाल इन आश्रय गृहों में 325 लोग रह रहे हैं।

आज लोकसभा में पेश होगा वक्फ संशोधन बिल

नई दिल्ली (ए.)। वक्फ संशोधन बिल बुधवार को लोकसभा में पेश किया जाएगा। कल दोपहर 12 बजे इसे सदन में पेश किया जाएगा। लोकसभा में इस बिल पर लगभग 8 घंटे चर्चा होगी। हालांकि विपक्ष ने 12 घंटे की चर्चा की मांग की थी। लेकिन ऐसा न होने के कारण विपक्ष ने सदन से वॉकआउट करने की बात कही है। लोकसभा में 542 सांसदों में से 240 सदस्य बीजेपी के हैं वहीं एनडीए के कुल सांसदों की संख्या 293 है। बिल को पास करने के लिए 272 का नंबर होना जरूरी है। विपक्ष की बात करें तो कांग्रेस के पास 99 सांसद हैं। वहीं विपक्ष की कुल संख्या 233 है। शिरोमणि अकाली दल और आजाद पार्टी के पास एक-एक सांसद हैं।

4476 पैक्स और व्यापार मंडल को गेहूं खरीद के लिए 208 करोड़ कैश क्रेडिट सहकारी बैंकों द्वारा मिला

औरंगाबाद समेत कई जिलों में गेहूं की खरीद शुरू

- रैयत और गैर रैयत दोनों तरह के किसान गेहूं बेच सकते हैं। धान की तरह गेहूं बेचने के लिए अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं की गई है।

निज संवाददाता | पटना

बिहार में एक अप्रैल से किसानों से गेहूं की खरीद शुरू हो गयी है। रबी मौसम 2025-26 में किसानों से दो लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य है। इनमें 1.5 लाख टन गेहूं पैक्स और व्यापार मंडल के माध्यम से खरीद होगी, जबकि 50 हजार टन गेहूं भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से खरीद होगी। किसानों को गेहूं का मूल्य 2425 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा। यह राशि पिछले साल की तुलना में 150 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। गेहूं खरीद होने के 48 घंटे के अंदर किसानों को राशि भुगतान का लक्ष्य है। गेहूं खरीद के लिए खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग और सहकारिता विभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार मंगलवार को गया के नगर प्रखंड चंदौती के चूरी पैक्स में गेहूं खरीद कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। राज्य के 4476 पैक्स और व्यापार मंडल को गेहूं खरीद के लिए चयन कर 208 करोड़ कैश क्रेडिट सहकारी बैंकों द्वारा दिया जा चुका है। रैयत और गैर रैयत दोनों तरह के किसान गेहूं बेच सकते हैं। धान की तरह गेहूं बेचने के लिए अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं की गई है। सहकारिता विभाग के अनुसार, किसानों को लाभ दिलाने के लिए पिछले वर्ष पोर्टल पर आवेदन देने वाले किसानों को स्वतः इस बार भी गेहूं बिक्री के लिए अनुमति दे दी गई है। ऐसे किसानों को फिर से आवेदन देने की आवश्यकता नहीं है। राज्य के 20 उच्च गेहूं उत्पादक क्षमता वाले जिलों को गेहूं खरीद के लिए चिह्नित किया गया है। इनमें पटना, औरंगाबाद, गया आदि शामिल है।

राज्य में पहले दिन 369 मीट्रिक टन गेहूं खरीद

पहले दिन 369 मीट्रिक टन खरीद हुई है। खरीद की प्रक्रिया 15 जून तक चलेगी। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने गया जिले के नगर प्रखंड चुरी पैक्स में गेहूं अधिप्राप्ति का शुभारंभ किया। वहीं, सहकारिता सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने पटना जिले के बिहटा प्रखंड के पुरुषोत्तमपुर पैनाठी पैक्स एवं नौबतपुर नगर पंचायत पैक्स में अधिप्राप्ति कार्य शुरू किया। इसके बाद राज्य के 4574 पैक्सों और व्यापार मंडलों एवं एफसीआई के 151 क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद शुरू हुई है। मंगलवार की शाम पांच बजे तक भारतीय खाद्य निगम ने 195.36 मीट्रिक टन और पैक्सों-व्यापार मंडलों ने 172.98 मीट्रिक टन गेहूं खरीदे। गेहूं बेचने वाले किसानों को भुगतान की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गयी है। सरकार ने निर्देश दिया है कि 48 घंटे के अंदर किसानों को गेहूं का भुगतान कर दिया जाए। इस बार न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीद हो रही है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 150 रुपये अधिक है। इस वर्ष दो लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें डेढ़ लाख एमटी का लक्ष्य पैक्सों और व्यापार मंडलों को और शेष 50 हजार एमटी का लक्ष्य एफसीआई को दिया गया है।

बिहार में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत शिक्षकों को मिली अहम जिम्मेदारी

निज संवाददाता | पटना

बिहार में आज से नए शिक्षण सत्र की शुरुआत हो गई है। इसे लेकर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) एस. सिद्धार्थन ने शिक्षकों को कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। प्राथमिक और मिडिल स्कूल के बच्चों की पढ़ाई को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए शिक्षकों को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। इसमें न केवल पहली कक्षा में प्रवेश लेने वाले बच्चे शामिल हैं, बल्कि वे छात्र भी हैं जो नई कक्षा में प्रोन्नत हुए हैं। शिक्षा विभाग ने निर्देश दिया है कि नए छात्रों को स्कूल से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। कक्षा 1 में दाखिला लेने वाले बच्चों के लिए ऐसा माहौल तैयार किया जाए, जिससे वे स्कूल में सहज महसूस करें और पढ़ाई के प्रति रुचि विकसित कर सकें। पहले सप्ताह में गतिविधियों को रुचिकर बनाया जाए ताकि छोटे बच्चे स्कूल में खुशी-खुशी पढ़ाई शुरू कर सकें। विद्यालयों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि ग्राम पंचायत के मुखिया, वार्ड सदस्य और जीविका समूहों के सहयोग से क्षेत्र के हर बच्चे का नामांकन हो। किसी भी बच्चे का दाखिला स्कूल में छूटने नहीं पाए। राज्य सरकार ने अप्रैल माह में ही सभी छात्रों को किताबें, कॉपी, पेंसिल और पोशाक की राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की है। सरकार ने घोषणा की है कि अगले 15 दिनों के भीतर कक्षा 1 से 8 तक के सभी छात्रों को पोशाक की राशि और किताबें उपलब्ध करा दी जाएंगी। शिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि इनका वितरण समय पर हो और सभी बच्चे स्कूल में इसका लाभ उठा सकें। साथ ही लाइब्रेरी में नई किताबें भी जोड़ी जा रही हैं, जिससे छात्रों की पढ़ने की आदत विकसित हो सके। अप्रैल माह में राज्यभर के स्कूलों की बुनियादी संरचनाओं का सर्वेक्षण कराया जाएगा। इसमें स्कूल की चहारदीवारी, शौचालय, पीने के पानी की व्यवस्था, टंकी और समरसेबल पंप, अतिरिक्त कक्षा कक्ष आदि की स्थिति का आकलन किया जाएगा। शिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि सभी छात्रों को मार्च और अप्रैल में पोशाक की राशि दी जा चुकी है। अब छात्रों के पास चार सेट यूनिफॉर्म खरीदने के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है, इसलिए बिना यूनिफॉर्म के स्कूल आना अब स्वीकार्य नहीं होगा। सभी शिक्षकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि बच्चे अनिवार्य रूप से यूनिफॉर्म में ही स्कूल आएं।

पिछली कक्षा का कराया जाएगा रिविजन

शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि कक्षा 2 से 8 तक के सभी छात्रों के लिए अप्रैल माह में रिविजन कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इस दौरान छात्रों की पिछली कक्षा की पढ़ाई को दोहराया जाएगा। गणित, विज्ञान और रीडिंग पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए गए हैं। अप्रैल के अंत में सभी छात्रों की रिविजन परीक्षा ली जाएगी, जिसके लिए प्रश्न पत्र ई-शिक्षा कोष के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे।

यूनिफॉर्म पहनना अनिवार्य

सरकार ने यह भी कहा है कि सभी छात्रों को मार्च और अप्रैल में पोशाक की राशि दी जा चुकी है। अब छात्रों के पास चार सेट यूनिफॉर्म खरीदने के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है, इसलिए बिना यूनिफॉर्म के स्कूल आना अब स्वीकार्य नहीं होगा। सभी शिक्षकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि बच्चे अनिवार्य रूप से यूनिफॉर्म में ही स्कूल आएं।

विक्रमशिला यूनिवर्सिटी में जल्द शुरू होगी पढ़ाई

नालंदा (नि.सं.)। नालंदा विश्वविद्यालय के बाद एक और प्राचीन विश्वविद्यालय को जीवंत किया जा रहा है। बिहार के भागलपुर जिले में स्थित प्राचीन विक्रमशिला विश्वविद्यालय के खंडहरों के पास एक नए आधुनिक कैंपस का निर्माण किए जाने की योजना है। विक्रमशिला विश्वविद्यालय बनने के बाद बिहार को एक और सेंट्रल यूनिवर्सिटी मिल जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल के बाद इस पर काम तेजी से किया जा रहा है। हालांकि, नए विक्रमशिला विश्वविद्यालय के लिए अभी जमीन अधिग्रहण का काम चल रहा है, लेकिन इसका शैक्षणिक सत्र जल्द ही शुरू होने की संभावना है। बिहार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने पिछले सप्ताह भागलपुर जिले के कहलगांव स्तित विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए प्रस्तावित जगह का दौरा किया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह साइट देखने यहां आए थे। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

सरहुल पर्व पर सीएम हेमंत सोरेन की सौगात दो दिन का राजकीय अवकाश घोषित

निज संवाददाता | रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के आदिवासी समाज के महापर्व सरहुल के अवसर पर एक ऐतिहासिक घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने राज्य में 2 दिन के राजकीय अवकाश की घोषणा की है। यह निर्णय आदिवासी समाज के इस महत्वपूर्ण पर्व को और अधिक सम्मान देने के उद्देश्य से लिया गया है। हेमंत सोरेन ने मंगलवार खुद सोशल मीडिया साइट 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर पोस्ट करके इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा, पिछले कई वर्षों से सरहुल पर 2 दिन के राजकीय अवकाश की मांग उठ रही थी। आदिवासी समाज के इस महान पर्व के महत्व को देखते हुए, मैंने इस वर्ष से 2 दिन का राजकीय अवकाश घोषित किया है। सीएम ने आगे लिखा, झारखंड की संस्कृति और परंपराओं की गौरवशाली धरोहर को हम हमेशा सहेजते आए हैं और आगे भी सहेजते रहेंगे।

हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना सोरेन संग लिया सरना मां का आशीर्वाद

निज संवाददाता | रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को विधायक कल्पना सोरेन के साथ आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर, करमटोली, रांची में आयोजित सरहुल पूजा महोत्सव में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और राज्य के सर्वांगीण विकास, सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। इसके साथ ही उन्होंने परिसर में सखुआ का पेड़ लगाकर प्रकृति से जुड़ने का संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपनी परंपराओं और संस्कृति को संरक्षित रखने के साथ उन्हें और मजबूत करना है, जैसा कि हमारे पूर्वजों ने किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, "हमारे पर्व और त्योहार हमारी परंपरा, सभ्यता और आस्था से जुड़े होते हैं।

10 वर्षों में रिकॉर्ड 1.46 करोड़ शौचालयों का हुआ निर्माण

- खुले में शौच मुक्त हुआ बिहार, 8 लाख और शौचालय का होगा निर्माण
- लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान से ग्रामीण अपशिष्टों का हो रहा निपटान
- ग्रामीण इलाकों में डोर-टू-डोर कचरा उठाव के लिए एक लाख से अधिक रिक्शों का हो रहा इस्तेमाल

निज संवाददाता | पटना

ग्रामीण इलाकों में शौचालय निर्माण और स्वच्छता के क्षेत्र में बिहार ने बड़ी सफलता हासिल की है। राज्यभर में वर्ष 2014 से अब तक करीब 10 सालों में 1 करोड़ 46 लाख से अधिक व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत किया गया है। आंकड़े बताते हैं कि बिहार सरकार के ग्रामीण विकास विभाग का यह अभियान पूरे राज्य में सफल रहा है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सात निश्चय-1 के तहत शौचालय निर्माण घर का सम्मानश् की लक्ष्य प्राप्ति के लिए लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान प्रथम चरण (वर्ष 2014-15 से 2019-20) में राज्य के 122.15 लाख परिवारों के लिए व्यक्तिगत शौचालय बनवाए गए। इस अभियान में राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय की सुलभता एवं उपयोग की निरंतरता को प्रोत्साहित करने के लिए सभी श्रेणी के परिवारों को 12 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया। इसके साथ ही लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत अब तक 9 हजार 824 सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण कराया गया है। वहीं, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान द्वितीय चरण (वर्ष 2021-22 से 2025 26) के तहत 24.70 लाख शौचालयों का निर्माण किया गया है। इस तरह पिछले 10 वर्षों में एक करोड़ 46 लाख से अधिक व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण हुआ है। बिहार को पूर्ण स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से केंद्र प्रायोजित स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं राज्य वित्त संपोषित लोहिया स्वच्छता योजना को राज्य सरकार द्वारा समेकित करते हुए लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान का संचालन किया जा रहा है।

बिहार विधानसभा ने 24 समितियों के सभापतियों की लिस्ट की जारी

पटना (नि.सं.)। बिहार विधानसभा में गठित विभिन्न समितियों के लिए सभापतियों की नियुक्ति कर दी गई है। इसमें सत्तारूढ़ भाजपा और जदयू के साथ-साथ विपक्षी राजद और कांग्रेस के विधायकों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनकी नियुक्ति बिहार विधानसभा चुनाव तक के लिए की गई है। भाजपा के विधायकों को प्राक्कलन समिति, आचार समिति और याचिका समिति का सभापति बनाया गया है। इससे पार्टी को विधानसभा में विभिन्न मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लेने में प्रभावी भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा। राजद के छह विधायकों को भी विभिन्न समितियों का सभापति नियुक्त किया गया है। इसमें तेज प्रताप यादव को गैर सरकारी विधेयक और संकल्प समिति की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा लोक लेखा समिति और पुस्तकालय समिति का सभापति भी राजद विधायक को बनाया गया है।

पटाखा फैक्ट्री का बॉयलर फटा, 18 मजदूरों की मौत

एजेंसी | अहमदाबाद (गुजरात)

दीपक ट्रेडर्स नाम की यह पटाखा फैक्ट्री खूबचंद सिंधी की है। वह इस फैक्ट्री में विस्फोटक लाकर पटाखे बनवाते थे। गुजरात के बनासकांठा के नजदीक डीसा में मंगलवार सुबह 8 बजे पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मध्य प्रदेश के 18 मजदूरों की मौत हो गई। 3 की हालत गंभीर है। वहीं, 5 मजदूर मामूली रूप से घायल हैं। फैक्ट्री डीसा तहसील के धुनवा रोड पर है। मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। विस्फोट के दौरान मजदूर फैक्ट्री में काम कर रहे थे। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूरों के अंग 50 मीटर दूर तक बिखर गए। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले हैं। फायर ब्रिगेड को आग पर काबू पाने में 5 से 6 घंटे लगे। 2 दिन पहले ही मजदूरी के लिए आए थे हादसे के शिकार सभी मृतक और घायल मजदूर मध्य प्रदेश के हरदा जिले के हंडिया गांव के रहने वाले हैं। फैक्ट्री से मिली जानकारी के मुताबिक सभी 2 दिन पहले ही मजदूरी के लिए यहां आए थे और पटाखे बनाने का काम कर रहे थे। फिलहाल, मृतकों की पहचान की जा रही है। 3 लोग 40 प्रतिशत से अधिक जल गए डीसा एसडीएम नेहा पांचाल ने बताया कि घटना में घायल सभी लोगों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल 3 लोगों का इलाज चल रहा है। ये 40 प्रतिशत से अधिक झुलस गए हैं। उन्होंने कहा कि हादसे को लेकर प्रशासन की ओर से जांच जारी है। पटाखे बेचने का लाइसेंस था, बनाने का नहीं दीपक ट्रेडर्स नाम की यह पटाखा फैक्ट्री खूबचंद सिंधी की है। वह इस फैक्ट्री में विस्फोटक लाकर पटाखा बनवाते थे। हालांकि अब तक की जांच में पता चला है कि कंपनी मालिक के पास केवल पटाखे बेचने का लाइसेंस है, बनाने का नहीं, इसलिए स्थानीय पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

गर्म दूध से जलकर तीन साल की बच्ची की मौत

निज संवाददाता | कैमूर

कैमूर के भैंसहट गांव में दर्दनाक घटना सामने आई है। गर्म दूध से झुलसी 3 वर्षीय बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृत बच्ची की पहचान मनोज यादव की बेटी प्रिया कुमारी के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों ने सदर अस्पताल भभुआ के चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पिता मनोज यादव का कहना है कि बच्ची को भर्ती करने के बाद कोई डॉक्टर देखने नहीं आया। बाद में एक डॉक्टर ने कई तरह के इंजेक्शन लगा दिए, जिससे बच्ची की मौत हो गई। हालांकि, कैमूर के सिविल सर्जन डॉक्टर चंदेश्वरी रजक ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि बच्ची 65 प्रतिशत जल चुकी थी। 50 प्रतिशत से अधिक जलने पर स्थिति गंभीर हो जाती है। डॉक्टरों की टीम लगातार बच्ची की निगरानी कर रही थी। सिविल सर्जन ने बताया कि बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रेफर भी किया गया था। लेकिन परिजन उसे दूसरे अस्पताल नहीं ले गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पताल में कोई गलत इंजेक्शन नहीं दिया जाता और न ही कोई डॉक्टर किसी मरीज की जान लेना चाहता है।

बिहार में बनेगा दो हाई सिक्योरिटी जेल

निज संवाददाता | पटना

बिहार में दो बड़ी लूटकांड को लेकर पुलिस मुख्यालय ने बड़ी जानकारी साझा करते हुए बताया कि इन अपराधों में ऐसे युवा शामिल हैं, जो बड़े अपराधियों से प्रेरित हैं और उन्हें अपना आयडल मान रहे हैं। आरा के तनिष्क शोरूम और दानापुर के तनिष्क शोरुम में ऐसे ही युवाओं की संलिप्ता सामने आई है। उन्होंने बताया कि तनिष्क लूट कांड की साजिश पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जेल से बैठकर शेरू सिंह और चंदन सिंह गिरोह ने अंजाम दिया। इनके वार्ड से टेक्निकल डिवाइस भी मिले हैं। इन्हें भी रिमांड पर लिया जाएगा। एडीजी ने कहा कि तनिष्क वाले मामले में सात अपराधी मौके पर थे। इसके अलावा करीब 10 और थे। जिसमें तीन को गोली लगी। इनमें एक की मौत हो गई, दो घायल हैं। अभी भी तीन फरार हैं। इसके अनुसंधान में जो नहीं पकड़े गए हैं। उनपर पहले से ही चार्जशीटेड हैं। जीवा ज्वेलरी शॉप और तनिष्क शोरुम लूट को लेकर पुलिस ने खुलासा करते हुए कहा कि आज के युवा अपराधियों से इंस्पायर्ड होकर अपराध की तरफ बढ़ रहे हैं।

बिहार में लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व चैती छठ

नहाय-खाय के साथ बिहार में लोकआस्था का महापर्व चैती छठ शुरू

निज संवाददाता | पटना

बिहार में लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व चैती छठ नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। आस्था के महापर्व चैती छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान नहाय-खाय से शुरू हो गया है। चैती छठ व्रत पूर्वांचल एवं उत्तर भारत के अलावा पूरे देश में संयम एवं पवित्रता के साथ मनाया जाता है। यह महापर्व नवरात्रि की तर्ज पर साल में दो बार मनाया जाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार चैत्र मास में प्रथम तथा कार्तिक मास में दूसरी बार छठ महापर्व बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश समेत पूरे भारत में मनाया जाने वाला सबसे लोकप्रिय पर्व है। चैती छठ के पहले दिन छठव्रतियों ने नहाय-खाय के संकल्प के तहत स्नान करने के बाद अरवा भोजन ग्रहण कर इस व्रत को शुरू किया। महापर्व के दूसरे दिन श्रद्धालु पूरे दिन बिना जलग्रहण किये उपवास रखने के बाद सूर्यास्त होने पर पूजा करते हैं और उसके बाद एक बार ही दूध और गुड़ से बनी खीर खाते हैं तथा जब तक चांद नजर आये तब तक पानी पीते हैं। इसके बाद से उनका करीब 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है।

बिहार के सभी डिग्री महाविद्यालयों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद

- नए सत्र से उच्च माध्यमिक विद्यालयों व इंटरमीडिएट महाविद्यालयों में होगा 11वीं में नामांकन

निज संवाददाता | पटना

नए शैक्षणिक सत्र 2025-27 से प्रदेश के सभी डिग्री महाविद्यालयों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी तरह बंद हो गई है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अधीन संचालित 1,006 उच्च माध्यमिक विद्यालयों और इंटरमीडिएट महाविद्यालयों में इंटरमीडिएट (11वीं एवं 12वीं कक्षा) की पढ़ाई के लिए छात्र-छात्राओं का नामांकन होगा। इसमें वैसे संबद्ध डिग्री महाविद्यालय भी शामिल हैं, जहां इंटरमीडिएट खंड पूरी तरह से अलग है। शैक्षणिक सत्र 2024-2026 के तहत 11वीं कक्षा में डिग्री महाविद्यालयों में नामांकन की व्यवस्था पिछले वर्ष ही खत्म हो गई थी।बीते वर्ष सिर्फ 12वीं कक्षा में शैक्षणिक सत्र 2023-2025 के विद्यार्थी रह गए थे, जिसका इंटरमीडिएट परीक्षाफल 25 फरवरी को घोषित किया जा चुका है। शिक्षा विभाग के मुताबिक, राज्य में 537 डिग्री महाविद्यालय हैं। इनमें 266 अंगीभूत महाविद्यालय हैं, जबकि सरकार से संबद्धता प्राप्त 271 डिग्री महाविद्यालय हैं। इस सत्र से अब सिर्फ उच्च माध्यमिक विद्यालयों एवं इंटरमीडिएट महाविद्यालयों में 11वीं एवं 12वीं कक्षा की पढ़ाई होगी। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति,1986 लागू होने के पहले राज्य में इंटरमीडिएट की शिक्षा पूरी तरह विश्वविद्यालय का हिस्सा हुआ करती थी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

बाइक चोरी मामले में अभियुक्त गिरफ्तार

बोधगया| बोधगया थाना पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी की गई बाइक भी बरामद हुई है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि 30 मार्च को एक व्यक्ति ने डायल-112 पर सूचना दी थी। उसने बताया कि उसका मोटरसाइकिल खटाल के पास खड़ा था। एक युवक उसे चुराकर भाग रहा है। सूचना मिलते ही डायल-112 की टिकारी टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से आरोपी को पकड़ लिया गया। उसके पास से चोरी की गई बाइक भी बरामद हुई। गिरफ्तार युवक की पहचान नीतीश कुमार के रूप में हुई है।

ईद पर जामा मस्जिद में की अमन की दुआ

बोधगया| बोधगया बाजार स्थित जामा मस्जिद में सोमवार सुबह ईद उल फितर की नमाज अदा की गई। सैकड़ों लोगों ने एक साथ नमाज पढ़ी। देश-दुनिया में अमन और चैन की दुआ मांगी। सुबह 9 बजे से ही लोगों का आना शुरू हो गया था। चांद दिखने के बाद ईद का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी। रमजान इस्लामी कैलेंडर का 9वां महीना होता है। इसमें 30 दिन तक रोजा रखा जाता है। दिनभर उपवास रखते हैं और शाम को इफ्तार के साथ रोजा खोलते हैं।

कांग्रेस नेता बोले-बच्चों को स्कूल जाने से रोकेगा ऑटो व ई- रिक्शा बंदी का आदेश

गया। बिहार पुलिस मुख्यालय (यातायात प्रभार) ने 24 मार्च 2025 को एक आदेश जारी किया। इसमें 1 अप्रैल से स्कूली बच्चों और छात्रों के परिवहन में ऑटो रिक्शा और ई रिक्शा के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। इस फैसले से बच्चों, अभिभावकों, स्कूल प्रबंधकों और बेरोजगार ऑटो-ई रिक्शा चालकों में भारी नाराजगी है। राज्य के सरकारी और निजी स्कूलों में पढ़ने वाले अधिकतर बच्चे गांव, मुहल्लों और संकरी गलियों से स्कूल जाते हैं। ऐसे में ऑटो और ई रिक्शा ही उनके लिए सबसे सस्ता और आसान साधन है। कांग्रेस नेताओं ने इस आदेश को तुगलकी फरमान बताया है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रवक्ता प्रो. विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, मिथिलेश सिंह, प्रद्युम्न दुबे, दामोदर गोस्वामी, शिव कुमार चौरसिया, श्रीकांत शर्मा, टिंकू गिरी, मोहम्मद समद, साधु शरण सिंह, रामाश्रय सिंह और संजय सिंह ने इस आदेश का विरोध किया। नेताओं ने कहा कि राज्य के 50 प्रतिशत से ज्यादा छात्र रोजाना ऑटो और ई रिक्शा से स्कूल जाते हैं। इन वाहनों पर रोक लगने से अब केवल बड़ी गाड़ियों का विकल्प बचेगा। ये गाड़ियां केवल 20 प्रतिशत बड़े स्कूलों के पास ही उपलब्ध हैं। बाकी छोटे स्कूलों और ग्रामीण इलाकों के बच्चों को पैदल स्कूल जाना पड़ेगा। सरकार ने यह कदम राज्य में बढ़ती ऑटो और ई रिक्शा दुर्घटनाओं के कारण उठाया है।

आरओबी बनने से रोजी- रोजगार की समस्या

गया| शहर के पावरगंज मोहल्ला स्थित बागेश्वरी गुमटी पर आरओबी का निर्माण होना है। इसको लेकर मां बागेश्वरी मैरेज हॉल के प्रांगण में स्थानीय लोगों की एक बैठक हुई। इसमें आरओबी बनने से स्थानीय लोगों को होने वाली समस्या को लेकर गहन चर्चा की गई। लोगों ने कहा कि आरओबी का निर्माण जनहित में एक अच्छा कदम है। लेकिन स्थानीय लोगों के लिए अभिशाप बनकर रह जायेगा। वक्ताओं ने कहा कि आरओबी बन जाने से स्थानीय लोगों को भारी नुकसान सहना पड़ेगा। साथ ही रोजी-रोजगार की समस्या उत्पन्न हो जायेगी। आरोप लगाया गया है कि अब आरओबी का टेंडर होने जा रहा है। लेकिन अभी तक मोहल्ले के लोगों को इसकी जानकारी नहीं दी गई है। बैठक में ललन प्रजापति, सागर, राज कुमार, प्रभु साव आदि थे।

गया में भारतीय कायस्थ महासभा का आयोजन

गया। चैती चित्रगुप्त पूजा के बहाने अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का आयोजन हुआ, लेकिन असली चर्चा का केंद्र पूर्व डिप्टी मेयर मोहन श्रीवास्तव का राजनीतिक भविष्य बना। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व गृह मंत्री सुबोधकांत सहाय समेत कई दिग्गजों ने समाज की एकजुटता पर बल देते हुए मोहन श्रीवास्तव को विधानसभा में भेजने की खुली अपील की। इस मौके पर बड़ी संख्या में कायस्थ समाज के पुरुषों और महिलाओं की भागीदारी देर रात तक बनी रही।

कायस्थ राजनीति में हाशिए पर क्यों: महासभा में मौजूद नेताओं ने कहा कि कायस्थों का इतिहास हर क्षेत्र में अतुलनीय रहा है। देश को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान रहा। जितनी हस्तियां कायस्थों की झोली में है उतनी कहीं भी नहीं है। लेकिन अब ऐसा नहीं है। खासकर राजनीति में। वर्तमान में केंद्र सरकार में एक भी कायस्थ मंत्री नहीं है, जबकि अतीत में ऐसा कभी नहीं हुआ। यह कायस्थ समाज की उपेक्षा का प्रमाण है और अब इसे बदलने का वक्त आ गया है। वक्ताओं ने समाज को राजनीति में आगे लाने की पुरजोर वकालत की। मंच से साफ संदेश दिया गया कि इस बार फूल नहीं, सिर्फ कुल की बात होगी।

'मोहन' के समर्थन में लहर पैदा करने की कोशिश: महासभा में भाग लेने पहुंचे नेताओं ने स्पष्ट कर दिया कि अब कायस्थ समाज को अपने राजनीतिक भविष्य के लिए खुद लड़ना होगा। मुजफ्फरपुर से कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मुकुल श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव और मनीष वर्मा इंदु सिन्हा समेत कई नेताओं ने मंच से एकजुटता का संदेश दिया। सभी ने कहा कि इस बार कायस्थ समाज को अपने वोटों की ताकत दिखानी होगी। मोहन श्रीवास्तव को विधानसभा भेजने की मांग तेज करते हुए नेताओं ने कहा कि अगर गया नगर विधानसभा में 8 बार से जीत रहे विधायक को हराकर मोहन को विजयी बनाया जाता है, तो वे मंत्री पद के भी दावेदार होंगे। इससे कायस्थ समाज को उसका राजनीतिक हक मिलेगा।

अब खामोशी नहीं, हक की लड़ाई जरूरी: कार्यक्रम में कांग्रेस के कद्दावर नेता पूर्व गृह मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि कायस्थ समाज को अब खामोशी तोड़नी होगी। आजादी के बाद से लोकसभा, राज्यसभा व विधानसभाओं में कायस्थों की मजबूत मौजूदगी थी, लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह खत्म हो गई। उन्होंने सियासी दलों पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि हमारी अपनी उदासीनता भी इसके लिए जिम्मेदार है। उन्होंने समाज को चेताया कि अगर आप जागरूक नहीं हुए, तो आने वाले समय में राजनीतिक दल आपको पूरी तरह हाशिये पर डाल देंगे। सत्ता, शासन और दलों को हमारी ताकत का एहसास कराना होगा।

कायस्थों की अंतरराष्ट्रीय पहचान, लेकिन राजनीति में उपेक्षा क्यों: सुबोधकांत सहाय ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त के वंशज पूरी दुनिया में अपनी बुद्धिमता से शीर्ष पदों पर पहुंचे हैं। सरकार बेशक किसी की हो लेकिन उसे चलाने वाला कायस्थ ही है। लेकिन भारत में राजनीतिक दल कायस्थों को दरकिनार कर रहे हैं। उन्होंने दो टूक कहा अब समय आ गया है कि कायस्थ समाज अपनी शक्ति पहचाने और एकजुट होकर अपने समाज के नेताओं को जिताने के लिए आगे आए।"

कायस्थों का राजनीतिक शंखनाद: कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि अबकी बार चुनाव में कायस्थ समाज की एकता की परीक्षा होगी। कई नेताओं ने साफ कहा कि अब हमें अपनी जातीय अस्मिता के लिए वोट करना होगा। इस महासभा की शुरुआत भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना से हुई, जिसके बाद समाज की राजनीतिक रणनीति पर खुलकर चर्चा हुई। कार्यक्रम करीब तीन घंटे चला और अंत में कायस्थ समाज के नेताओं और समर्थकों ने एक सुर में कहा— अबकी बार, सिर्फ कुल की सरकार!

वॉलीबॉल कप में दिल्ली वर्ल्ड स्कूल बोधगया की टीम जीती

गया। गया सरकारी पॉलीटेक्निक मैदान में एक दिवसीय ट्यूलिप्स वॉलीबॉल कप का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में 17 वर्ष तक के बालकों की टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले में दिल्ली वर्ल्ड स्कूल बोधगया की टीम ने आनंदा स्पोर्ट्स घुघरीटांड को हराकर खिताब जीता। इस टूर्नामेंट का आयोजन बोधिसत्व फाउंडेशन ने किया। फाउंडेशन के चेयरमैन सह पूर्व खिलाड़ी आर के सिन्हा, वॉलीबॉल कोच राजेंद्र वर्मा और केंद्रीय विद्यालय के प्रशिक्षक विवेका नंद ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। स्थानीय वॉलीबॉल एसोसिएशन की गैरमौजूदगी में यह टूर्नामेंट हर साल निजी स्तर पर कराया जाता है। आयोजकों ने कहा कि वॉलीबॉल को बढ़ावा देने के लिए वे लगातार प्रयास करते रहेंगे।

युवक की संदिग्ध हालात में मौत, हत्या की आशंका

निज संवाददाता। नालंदा

- शादी के बाद से ससुराल में रह रहा था युवक, ससुराल वालों पर गंभीर आरोप

नालंदा जिले के सिलाव थाना क्षेत्र अंतर्गत भुई गांव में मंगलवार को एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान बेन थाना क्षेत्र के धरहरा गांव निवासी धर्मवीर रविदास (38) के रूप में हुई है। वह वर्ष 2008 से अपने ससुराल भुई गांव में रह रहा था। मृतक के पिता विजेंद्र रविदास ने अपनी बहू और पोती के आचरण पर सवाल उठाते हुए हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि उनके बेटे का अक्सर अपनी पत्नी और बेटी से विवाद होता था। सोमवार देर रात पोते का फोन आया कि पिता मां और बहन पर आरोप लगा रहे हैं। उसने यह भी पूछा कि अगर हम पिता की हत्या कर दें तो क्या आप विरोध करेंगे? बाद में रात 10:30 बजे फोन आया कि पिता छत से गिर गए हैं और 12 बजे फिर कॉल कर बताया गया कि उनका शरीर अकड़ गया है। जब परिजन रात करीब 2:30 बजे मौके पर पहुंचे, तो धर्मवीर का शव जमीन पर पड़ा हुआ था।

पुलिस जांच में जुटी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार: मृतक के पुत्र नीरज का कहना है कि पिता घर में झगड़ा कर रहे थे। उन्हें समझा-बुझाकर शांत कराया गया, लेकिन जब वह शौच से लौटकर आया तो पिता मृत अवस्था में पड़े थे। सिलाव थानाध्यक्ष इरफान खान ने बताया कि पुलिस को मंगलवार सुबह सूचना मिली कि एक युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई है। मौके पर पहुंचने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेजा गया। शव पर किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं थे। मृतक के पिता ने बेटे की पत्नी, सास-ससुर, बेटे और बेटी पर हत्या का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

संदिग्ध हालत में युवक का शव बरामद, नहीं हुई पहचान

निज संवाददाता। नालंदा

- बाएं पैर में सियार के नोंचने की आशंका, पहचान में जुटी पुलिस

नालंदा जिले के कल्याण बिगहा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोलावां गांव के सुरभा पईन के समीप मंगलवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। । मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। कल्याण बिगहा थाना प्रभारी सुषमा कुमारी ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों ने शव मिलने की सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पाया कि युवक के शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं हैं। शव का बायां पैर, जांघ के नीचे से खाया हुआ था, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि संभवतः सियार ने शरीर के इस हिस्से को खाया होगा।

एफएसएल टीम ने किया घटनास्थल का निरीक्षण: मौके पर एफएसएल टीम को बुलाकर घटनास्थल की जांच कराई गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पहचान सुनिश्चित करने के लिए पुलिस आसपास के थानों से संपर्क कर रही है और सोशल मीडिया की मदद भी ली जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि शव की पहचान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की विस्तृत जानकारी दी जा सकेगी। फिलहाल, पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी हुई है।

राजगीर में अनोखे पक्षी 'अस्कल' का आसानी से करें दीदार

निज संवाददाता। नालंदा

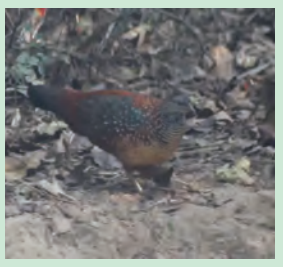

- भारत के बाहर यह कहीं नहीं पाया जाता, बांस और झाड़ियों में बनाते हैं घर

राजगीर वन्यजीव अभयारण्य में घूमने वाले पर्यटकों और पक्षी प्रेमियों के लिए एक खास आकर्षण है 'अस्कल'। एक ऐसा खूबसूरत पक्षी जो सिर्फ भारत में ही पाया जाता है। स्थानीय लोग इसे 'अस्कल मुर्ग' के नाम से जानते हैं, जबकि इसका अंग्रेजी नाम 'स्पर फाउल' है, जो इसके पैरों पर मौजूद विशेष कांटेदार संरचना से आया है। तीतर परिवार से संबंध रखने वाला यह पक्षी अपने आकर्षक रंगों के लिए प्रसिद्ध है। नर अस्कल का सिर हरित-लाल रंग का होता है, पीठ और पंख भूरे-लाल रंग के होते हैं, जिन पर सफेद धब्बे होते हैं, जबकि उदर हिस्सा पीला-सफेद होता है। मादा अस्कल तुलनात्मक रूप से कम रंगीन होती है और अधिकतर गहरे भूरे रंग की होती है। दोनों की पहचान उनके पैरों पर पाई जाने वाली विशिष्ट कांटेदार संरचना से की जा सकती है।

भारत के बाहर यह कहीं नहीं पाया जाता: पर्यावरण संरक्षण से जुड़े और नालन्दा, नुरसराय के निवासी राहुल, जो पक्षियों में विशेष रुचि रखते हैं, उन्होंने बताया कि, "अस्कल भारत के लिए एक स्थानिक प्रजाति है। इसका वितरण मध्य भारत, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड से लेकर देश के दक्षिणी भाग तक फैला हुआ है, पर भारत के बाहर यह कहीं नहीं पाया जाता।" राहुल बताते हैं कि अस्कल पक्षी पथरीले क्षेत्रों, शुष्क वनों और बांस व झाड़ियों से आच्छादित क्षेत्रों में रहना पसंद करता है। "बिहार में इस पक्षी को राजगीर, गया, रजौली और गौतम बुद्ध वन्यजीव अभयारण्य के वन क्षेत्रों में आसानी से देखा जा सकता है। राजगीर वन्यजीव अभयारण्य में इन पक्षियों की संख्या बहुत अधिक है। पक्षी विज्ञानियों के अनुसार, अस्कल का प्रजनन काल मुख्य रूप से मार्च से जून तक होता है। इस दौरान नर पक्षी अपने रंगीन पंखों का प्रदर्शन कर मादाओं को आकर्षित करते हैं। यह पक्षी अधिकतर बीज, कीड़े और छोटे फल खाकर जीवित रहता है।

नालंदा में करंट लगने से अधेड़ की मौत

- शौच के लिए निकले थे, बेटे के साथ ईंट-भट्ठा पर करते थे मजदूरी

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में करंट लगने से एक ईंट भट्ठा मजदूर की मौत हो गई। मामला नालंदा थाना क्षेत्र के कुल गांव स्थित ईंट भट्ठा के समीप की है। मृतक की पहचान नूरसराय थाना क्षेत्र के नोनिया बिगहा निवासी स्वर्गीय भज्जू मांझी के बेटे कृष्णा मांझी (55) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतक के बेटे ने बताया कि वह और उसके पिता कुल गांव स्थित ईंट भट्ठा पर मजदूरी करने का काम करते थे। उसके पिता सोमवार को शौच के लिए भट्ठा के समीप तालाब के पास गए जहां पूर्व से गिरे विद्युत प्रवाहित तार के संपर्क में आने से झुलस कर मौके पर ही मौत हो गई। जब समय बीत जाने के बाद भी वह भट्ठा पर नहीं लौटे तो खोजबीन की जाने लगी। देर शाम शव भट्ठा के समीप तालाब के पास से बरामद हुआ। इसके बाद शव को लेकर घर आ गए। परिजन आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि पानी छूने के दौरान विद्युत प्रवाहित तार के संपर्क में आने से अधेड़ की मौत हो गई। मृतक अपने बेटे के साथ ईंट भट्ठा पर मजदूरी करने का काम करते थे।

क्या बोली पुलिस: वहीं इस मामले में नूरसराय थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि करंट से मौत की सूचना मिलने के उपरांत पुलिस तत्काल मृतक के घर पहुंची, जहां से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। आवेदन मिलने पर जीरो FIR दर्ज कर नालंदा थाना को भेजा दिया जाएगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

100 वर्ष पुरानी शिवलिंग और नंदी की मूर्ति चोरी

निज संवाददाता। नालंदा

- नालंदा में मंदिर के अन्य मूर्तियों को भी किया क्षतिग्रस्त, ग्रामीण बोलें- हमारी आस्था पर प्रहार हुआ है

नालंदा जिले के रहुई थाना क्षेत्र के कथौली गांव स्थित प्राचीन भोला स्थान मंदिर से सोमवार की रात चोरों ने लगभग 100 वर्ष पुरानी पौराणिक शिवलिंग और नंदी की मूर्ति चुरा ली। इस घटना ने स्थानीय लोगों में आक्रोश भर दिया है। मंगलवार सुबह श्रद्धालु जब नित्य पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि शिवलिंग और नंदी जी की प्रतिमा गायब हैं। चोरों ने मंदिर में रखी अन्य मूर्तियों को भी क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया है।

लाखों रुपए में है कीमत: स्थानीय प्रतिनिधि ने बताया कि "ये मूर्तियां हमारे गांव की धरोहर थीं। हमारे पूर्वज पीढ़ियों से इनकी पूजा करते आए हैं। यह हमारी आस्था पर सीधा प्रहार है। रात 10 बजे तक हम लोग मंदिर परिसर में ही थे। 12:00 बजे के बाद शिवलिंग और नंदी महाराज की मूर्ति की चोरी हुई है, जिसकी कीमत लाखों रुपए में है।

DSP बोलें- जल्द होगी चोरों की गिरफ्तारी: घटना की सूचना मिलते ही रहुई थाना की पुलिस और सदर DSP-2 मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मंदिर परिसर की बारीकी से जांच की और आसपास के लोगों से पूछताछ की। DSP संजय कुमार जायसवाल ने बताया की "प्रथमदृष्टया यह किसी बदमाश गिरोह का कारनामा लगता है। हम सभी पहलुओं पर जांच कर रहे हैं और जल्द ही चोरों को गिरफ्तार करेंगे।

11 साल से फरार नक्सली महाराष्ट्र से गिरफ्तार

निज संवाददाता। गया

गया पुलिस और STF की संयुक्त कार्रवाई में 11 वर्षों से फरार नक्सली राजेश यादव उर्फ बिहड़ यादव को महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर लिया गया है। राजेश यादव पर 1 लाख रुपए का इनाम था और वह कई संगीन मामलों में लंबे समय से फरार चल रहा था। पकड़े गए नक्सली से टिकारी अनुमंडल की पुलिस पूछताछ कर रही है। इसकी पुष्टि SDPO एसके चंचल ने की। जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अपर पुलिस अधीक्षक और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, टिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में कोंच थाना पुलिस और STF के अधिकारी शामिल थे।

गिरफ्तार कर बिहार लाया गया: SDPO ने बताया कि तकनीकी निगरानी से मिली लोकेशन के आधार पर पुलिस को सूचना मिली कि राजेश यादव वर्तमान में महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के महाड़ थाना क्षेत्र में छिपा हुआ है। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम वहां पहुंची। जैसे ही पुलिस ने घेराबंदी की, एक संदिग्ध व्यक्ति भागने की कोशिश करने लगा। टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम राजेश यादव उर्फ बिहड़ यादव, निवासी नेवधी, थाना कोंच, जिला गया बताया। इसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर बिहार लाया गया। 2014 में सड़क निर्माण रोकने का आरोपी राजेश यादव की आपराधिक गतिविधियां लंबे समय से जारी थीं। 15 जनवरी 2014 को डुमरिया थाना क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य के दौरान नक्सलियों ने डायनोपैक मशीन में आग लगा दी थी और मजदूरों को जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में राजेश यादव की संलिप्तता पाई गई थी। इस घटना को अंजाम देने के बाद से वह फरार चल रहा था।

राजेश यादव पर कोंच थाने में कई मामले दर्ज हैं: कोंच थाना कांड संख्या-05/14 (15.01.2014) - आईपीसी की धारा 147, 149, 427, 435, 506, 17 सीएलए एक्ट और यूएपीए एक्ट की धाराएं, कोंच थाना कांड संख्या-91/14 (30.06.2014) - उपरोक्त धाराएं, कोंच थाना कांड संख्या-98/14 (14.07.2014) - आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराएं, अलीपुर थाना कांड संख्या-41/14 (24.07.2014) - धारा 121(ए), 384 और 17 सीएलए एक्ट।, पुलिस की इस कार्रवाई से नक्सली सन्गठन के नेटवर्क को तगड़ा झटका लगा है। अन्य फरार नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

नालंदा में चिरागा मेले को लेकर ट्रैफिक रूट में बदलाव

निज संवाददाता। नालंदा

- 12 अप्रैल तक कई रास्तों में गाड़ियों की एंट्री पर रोक, देखें रूट और पार्किंग स्थल

बिहारशरीफ शहर में आगामी चादर जुलूस और प्रसिद्ध चिरागा मेला के मद्देनजर प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष यातायात नियंत्रण योजना जारी की है। अनुमंडल पदाधिकारी, बिहारशरीफ के निर्देशानुसार बड़ी दरगाह में आयोजित होने वाले इस वार्षिक आयोजन के दौरान 1 अप्रैल से 12 अप्रैल 2025 तक कई महत्वपूर्ण मार्गों पर वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा।

प्रतिबंधित मार्ग और वाहन: पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेला अवधि के दौरान शहर के भीतर बड़े व्यावसायिक और सवारी वाहनों जैसे बस, ट्रक, ट्रैक्टर और पिक-अप वाहनों का प्रवेश पूरी तरह निषिद्ध रहेगा। इसके अलावा निम्नलिखित मार्गों पर भी यातायात प्रतिबंधित रहेगा: सोगरा कॉलेज से नदी मोड़ की ओर सभी वाहनों का आवागमन। मणिराम अखाड़ा से नदी मोड़ की दिशा में सभी प्रकार के वाहन। कुमार सिनेमा तिराहा से पुलपर चौक, पोस्ट ऑफिस रोड, गाँधी मैदान होते हुए भरावपर तक का मार्ग। मछली मार्केट, एल.आई.सी. ऑफिस तथा लहेरी थाना से भरावपर की ओर जाने वाले वाहन।

वैकल्पिक मार्ग: यात्रियों और स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए प्रशासन ने वैकल्पिक मार्गों की भी व्यवस्था की है: 1. बिहार थाना से पुलपर की ओर आने वाले वाहन, विशेषकर ऑटो और टोटो, कुमार सिनेमा से धनेश्वर घाट होते हुए भैसासूर की ओर जा सकेंगे। 2. चोरा बगीचा से आने वाले छोटे वाहन लहेरी थाना के पास से साहन कुआँ होते हुए मछली मार्केट की ओर जाएंगे। 3. अस्पताल चौक से भरावपर आने वाले वाहन सरकारी बस स्टैंड के पास से बी-2 मॉल की दिशा में मुड़ सकेंगे।

ड्रॉप गेट और पार्किंग स्थल: मेले में आने वाले दर्शकों के लिए चार विशेष ड्रॉप गेट स्थापित किए गए हैं: कारगिल बस स्टैंड के पास तीनमुहानी पर। सोगरा कॉलेज मोड़। बाबा मणिराम अखाड़ा तिनमुहानी के पास। पी.एम.एस. कॉलेज के बगल से पहाड़पुरा जाने वाले मुख्य मार्ग के मोड़ पर।

वाहनों की पार्किंग के लिए दो प्रमुख स्थान निर्धारित किए गए हैं: सोगरा कॉलेज मैदान, बिहारशरीफ।

फाइनल में भईया विगहा की टीम चैम्पियन

निज संवाददाता। गया

गया जिले के अतरी प्रखंड के पियार गांव के मैदान में सोमवार को महाराणा प्रताप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला भईया बिगहा और घरैया टीम के बीच खेला गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय सचिव सह झारखंड प्रभारी अरविन्द कुमार सिंह शामिल हुए। फाइनल मैच का शुभारंभ उन्होंने टॉस उछाल कर किया। इस बीच खिलाड़ियों से कहा कि आज खेल को केन्द्र व राज्य सरकार प्रमोट कर रही हैं। आप सभी खेल में भी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। खेल में कोई न हारता है न कोई जीतता है, बल्कि सीखता हैं। इसके बाद मैच शुरु हुआ। भईया विगहा की टीम ने घरैया को हराया। इस बीच विजेता टीम को पांच हजार रुपए नकद के साथ शानदार ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। मैच की कमेंट्री प्रवीण दास, गुजर कुमार और निर्भय ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता रविरंजन सिंह ने की। गौरव कुमार आयोजक सह व्यवस्थापक रहे। मौके पर भाजपा प्रखंड अध्यक्ष अरुण सिंह, शक्ति सिंह, टुनटुन सिंह, अमोद सिंह, विवेक दास, नरेश पासवान, लैलून सिंह, दिनेश मांझी, अशोक सिंह, प्रखंड अध्यक्ष बैजनाथ चौधरी, निर्भय कुमार, राजू सिंह और राजू पासवान सिंह आदि मौजूद थे। विजेता टीम को ट्रॉफी देते अतिथि

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

मारपीट में घायल युवक की मौत

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के लक्ष्मीबिगहा गांव में तीन माह पूर्व हुए मारपीट में गंभीर रूप से घायल युवक मिथलेश राजवंशी की मौत इलाज के क्रम में ही हो गई। पीड़ित लक्ष्मीबिगहा गांव निवासी दिलीप राजवंशी ने बताया कि बीते वर्ष 2024 के 31 दिसंबर की शाम को बच्चों के बीच टोपी के धागे खींचने को लेकर बड़ों में झगड़ा हो गया। इसी बीच लक्ष्मीबिगहा निवासी स्व. शिवबालक राजवंशी के पुत्र उमेश राजवंशी व सुरेश राजवंशी, उमेश राजवंशी के पुत्र पवन कुमार व पत्नी गायत्री देवी एवं सुरेश राजवंशी की पत्नी पुतुल देवी के साथ चार अज्ञात लोग हाथों में डंडे और लोहे के रॉड लेकर घर में घुसकर मेरी पत्नी चिंता देवी एवं बच्चों को गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। इसी दौरान बीच-बचाव में आए मेरे पुत्र मिथलेश राजवंशी के सिर पर उमेश राजवंशी ने लोहे के रॉड से मार दिया, जिससे मेरा बेटा मिथलेश तड़पकर नीचे गिर गया। वहीं जब मैं अपने बेटे को बचाने गया, तो उक्त लोगों ने मेरे साथ भी जमकर मारपीट की और गले में रहे एक भर के सोने के चैन को छीन लिया। वहीं मेरे बेटे मिथलेश को मरा हुआ समझ सभी लोग भाग खड़े हुए। वहीं आसपास के लोगों की मदद से ई-रिक्शा पर सवार होकर रजौली अस्पताल पहुंचा, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल नवादा रेफर कर दिया गया। वहीं सदर अस्पताल नवादा से भी मिथलेश को पावापुरी अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं पावापुरी अस्पताल से भी गंभीर रूप से घायल मिथलेश को पटना रेफर किया गया। वहीं पटना के कंकड़बाग स्थित नमन हॉस्पिटल में घायल मिथलेश के सिर का ऑपरेशन किया गया, जिसमें 9 जनवरी तक 25 से 30 लाख रुपए खर्च हो चुका था। उक्त घटनाक्रम का फर्द ब्यान कंकड़बाग थाना में पदस्थापित पीएसआई पवन कुमार सिंह के द्वारा लिया गया। फर्द ब्यान के आलोक में रजौली थाना में कांड संख्या 44/25 में प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। किंतु घायल मिथलेश राजवंशी के हालत सुधरने के बावजूद और बिगड़ती चली गई। अंततः तीन माह बाद 31 मार्च को इलाजरत मिथलेश राजवंशी की मौत हो गई। मारपीट में घायल मिथलेश राजवंशी की मौत के बाद रजौली थाना के अपर थानाध्यक्ष सह एसआई अजय कुमार ने शव को कब्जे में लेकर नवादा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम हेतु भेजा दिया है। इस बाबत थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि मारपीट में गंभीर रूप से घायल होने की घटना को लेकर प्राथमिकी दर्ज करते हुए दो लोगों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था। वहीं मिथलेश राजवंशी की मौत होने पर आरोपियों के विरुद्ध हत्या के प्रयास का केस हत्या के केस में बदल गया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल नवादा भेजा गया। वहीं पुलिस आरोपियों के गिरफ्तारी को लेकर अग्रतर कार्रवाई में जुटी हुई है।

राजीव कुमार बने प्रदेश सचिव

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। प्रखंड क्षेत्र के अमावां पूर्वी पंचायत के बड़हर गांव निवासी राजीव कुमार उर्फ भोला को बिहार पदेश जनता दल (यू.) के मीडिया सेल के प्रदेश सचिव बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी है। वहीं राजीव कुमार से दर्जनों जदयू कार्यकर्ता मिलकर एवं दूरभाष के माध्यम से बधाइयां दे रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार जदयू के मीडिया सेल के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्य कार्यकारिणी सदस्य मनीष कुमार मंडल द्वारा विस्तार करते हुए राजीव कुमार को मीडिया सेल के प्रदेश सचिव बनाया गया है। इसमें राजीव कुमार के अलावे अन्य 15 लोग शामिल हैं। बधाई देने वालों में एमएलसी प्रतिनिधि दीपक कुमार मुन्ना, जदयू के रजौली प्रखंड अध्यक्ष कारू सिंह समेत दर्जनों लोग शामिल रहे।

ज्ञान गंगा कोचिंग सेंटर में सम्मान समारोह

हिसुआ (नवादा) (नि.सं.)। मैट्रिक परीक्षा में छात्रों ने अच्छे अंक लाकर काफी खुश हैं। इनके खुशी और हौसलाअफजाई के लिए परिजन और शिक्षकों द्वारा उन्हें प्रोत्साहित कर सम्मानित किया जा रहा है। मंगलवार को हिसुआ बीच बाजार तैलिक ठाकुरबाड़ी के समीप स्थित ज्ञान गंगा कोचिंग सेंटर द्वारा भी सम्मान समारोह आयोजित कर अपने विद्यार्थियों को सम्मानित किया। निदेशक प्रो॰ सुदेश लाल ने बताया कि ऐसे तो हमारे कोचिंग शिक्षकों के प्रयास और छात्रों की मेहनत से प्रतिवर्ष जिले के अन्य कोचिंग संस्थाओं से अच्छा अंक लाते हीं हैं। इस वर्ष भी छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए हम सभी को गौरवांवित किया है। कोचिंग के आयशा कुमारी ने जहां हिसुआ प्रखंड टॉप रहकर 467 अंक लाया है, वहीं आलिया प्रवीण ने 451, आकृति कुमारी 450,संभावी कुमारी 448, आयुष कुमार 441, सैफ अली अख्तर 430,अर्चना कुमारी 429, आकृति कुमारी 429, पीयूष कुमार 421,सौम्या कुमारी 412,शोएब आलम 405, ऋतु राज 404, सुजीत कुमार 401 समेत अन्य छात्रों ने अच्छे अंक से पास किया है। कोचिंग के छात्रों को इस सफलता पर उन्हें कोचिंग में सम्मान समारोह आयोजित कर पाठ्य सामग्रियां एवं मेडल देकर हौसलाअफजाई किया गया। शिक्षक अनिकेत कुमार, शिवशंकर पाण्डेय, शंकर कुमार, कमलेश कुमार एवं कृष्णकांत पांडे ने उपस्थित सभी छात्रों को आगे की उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया। कोचिंग द्वारा सम्मानित होने पर छात्र एवं उनके अभिभावक काफी खुश दिखे। इस मौके पर ज्ञान गंगा पब्लिक स्कूल के प्राचार्य सुधीर कुमार एवं शिक्षक जितेंद्र ने बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हें आगे की पढ़ाई में मेहनत करने की बात कही।

निःशुल्क बस सेवा की हुई शुरुआत

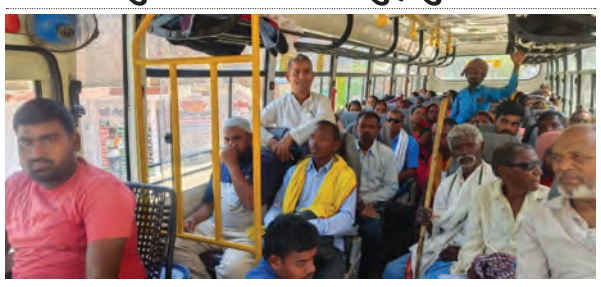

कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)। ग्राम निर्माण मण्डल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा के सौजन्य से प्रखण्ड के महुडर पंचायत अंतर्गत विभिन्न अनुसूचित जाति, जनजाति बाहुल्य गांवों में हो रहे जैविक आधारित सब्जियों एवं फलों तथा अनाजों की बिक्री को लेकर प्रत्येक मंगलवार को साप्ताहिक हाट तक ले जाने के लिए निःशुल्क बस सेवा की शुरुआत मंगलवार को किया गया। उक्त निःशुल्क बस सेवा की शुरुआत गोविंदपुर के विधायक मोहम्मद कामरान के निजी सहयोग से किया गया। राजद के प्रखण्ड अध्यक्ष कैलाश प्रसाद यादव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम निर्माण मण्डल के पहल से महुडर पंचायत के आदिवासी एवं अनुसूचित जाति बाहुल्य दनियां, झरनवां, रानीगदर, भिखोमोह, रजवरिया आदि गांवों में 400 किसानों के द्वारा जैविक आधारित सब्जी एवं फल की खेती की जा रही है। परंतु उक्त गांवों में सड़क की असुविधा रहने एवं गरीबी क्षेत्र होने के कारण यहां के ग्रामीणों को कौआकोल मुख्यालय बाजार तक आने जाने में परेशानी होती थी। जिसके बाद विधायक ने प्रत्येक मंगलवार को इन क्षेत्रों के ग्रामीणों के लिए अपने स्तर से निःशुल्क बस सेवा की शुरुआत किया। ताकि लोग बाजार जाकर अपने उत्पादों को उचित दाम पर बेच सकें एवं जरूरत के सामान बाजार से खरीद कर वापस सुरक्षित अपना घर लौट सकें। मौके पर लखन यादव, मुजफ्फर अंसारी आदि मौजूद थे।

चैती छठ व्रत की हुई शुरुआत

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में मंगलवार को नहाय खाय के साथ चार दिवसीय चैती छठ व्रत शुरू हो गया। सभी छठ व्रती स्नान ध्यान कर पवित्र ढंग से भगवान भास्कर का प्रसाद बनाया। श्रद्धालुओं व छठव्रतियों ने चावल, दाल, कदू के अलावा अन्य प्रकार व्यंजन को प्रसाद के तौर पर बनाये। छठव्रती सबसे पहले अपने प्रसाद ग्रहण कर फिर परिवार इष्ट मित्रों को प्रसाद खिलाने का क्रम चला। चार दिवसीय महापर्व में बुधवार को लोहंडा होगा। गुरुवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा। शुक्रवार के सुबह में उगते सूर्य को अर्घ्य प्रदान करने के साथ इस महापर्व की समाप्ति हो जायेगी।

रजौली अनुमंडल अस्पताल बना दलालों का अड्डा

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

अनुमंडलीय अस्पताल रजौली के इर्द-गिर्द इन दिनों बिचैलिए सक्रिय हैं, जो स्वास्थ सेवा की बदहाल स्थिति का फायदा उठाकर मरीजों को बहला फुसलाकर निजी नर्सिंग होम में इलाज कराने के लिए ले जाते हैं। जहां उनके जिंदगी से खिलवाड़ करने के साथ जमकर आर्थिक शोषण किया जाता है। सरकारी अस्पताल जानकर गरीब मरीज यहां इलाज कराने आते हैं। जहां पर दलालों की सक्रियता एवं सरकारी स्वास्थ्य कर्मी की मिलीभगत से निजी नर्सिंग होम में दाखिल करा दिया जाता है। जिसके कारण यह कहना गलत नहीं होगा कि सरकारी व्यवस्था सिर्फ दिखावे की रह गई है। इसके कारण गरीब जनता को निःशुल्क मिलने वाली स्वास्थ सेवा के लाभ से वंचित रहना पड़ता है। जबकी इसी कार्य के लिए तैनात आशा व जीएनएम मोटी रकम लेकर अनुमंडलीय अस्पताल के इर्द-गिर्द मंडराते अवैध नर्सिंग होम के दलालों के हाथ में दे देते हैं।

प्रसव के लिए आई महिलाओं एवं उनके परिजनों का हो रहा शोषण :

अनुमंडलीय अस्पताल में नॉर्मल डिलीवरी के साथ-साथ छोटे ऑपरेशन से प्रसव कराया जा रहा है। वहीं बीते तीन माह पूर्व जब कुछ चिकित्सकों एवं कर्मियों का वेतन बंद किया गया था, तो एक गर्भवती महिला का सिजेरियन से प्रसव करवाया गया था। वहीं ग्रामीण महिलाओं को सुविधा मिलता देख विभाग ने स्वास्थ्यकर्मियों के बंद वेतन को चालू कर दिया। वहीं रजौली में सिजेरियन की सुविधा उपलब्ध होने पर आसपास के लोगों में खुशी का माहौल था। किंतु कुछ चिकित्सक समेत स्वास्थ्यकर्मियों के बंद वेतन के चालू होने के बाद जरूरतमंद महिलाओं को भी नवादा सदर अस्पताल रेफर कर दिया जाता है। साथ ही उनके परिजनों से चिकित्सकों द्वारा कहा जाता है कि यहां सिजेरियन के लिए उचित व्यवस्था नहीं है। इसके अलावे परिजनों को स्वास्थ्य सेवा देने के नाम पर इस तरह डराया जाता है कि लोगों का विश्वास सरकारी व्यवस्था से उठ जाता है और यही वो कड़ी होती है, जिसका फायदा निजी क्लिनिक चलाने वाले लोग उठाते हैं। ग्रामीण क्षेत्र से आए गरीब और कम पढ़े लिखे लोग दलालों के चंगुल में फंसने को मजबूर हो जाते हैं।

कुछ फर्जी डिग्री वाले लोग भी काट रहे चांदी :

इस कार्य में कुछ फर्जी डिग्री वाले लोग भी चांदी काट रहे हैं। अनुमंडलीय अस्पताल के अगल-बगल में करीब आधा दर्जन नर्सिंग होम खुले हुए है। जिसमें मान्यता प्राप्त डॉक्टर का बोर्ड तो लगा रहता है। परंतु उनका कोई अता-पता नहीं होता है। सूत्र के मुताबिक गंभीर ऑपरेशन वाले मरीज को निजी क्लिनिक में ले जाया करते है। उसके बाद मरीजों का आर्थिक एवं मानसिक दोहन चालू हो जाता है। गर्भवती महिलाओं के साथ यह कार्य बहुत पहले से ही किया जा रहा है। निम्न स्तर के मरीज को सरकारी अस्पताल में किसी तरह का प्रसव करा दिया जाता है। परंतु जैसे ही ऑपरेशन की समस्या आती है तो यह कार्य तत्काल जीएनएम कर्मी सक्षम चिकित्सालय के पास नहीं भेजकर दलालों के सुपुर्द कर देते हैं। जहां अप्रशिक्षित झोलाछाप चिकित्सकों द्वारा प्रसव के अलावा ऑपरेशन तक किया जाता है। जिसके कारण कई महिलाओं को प्रसव के दौरान काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ती है।

अस्पताल में व्याप्त कुव्यवस्था दूर करने के लिए जिम्मेदार लोग हैं निष्क्रिय :

अस्पताल में एनआरसी के संचालन, पीकू का संचालन, ऑक्सीजन प्लांट का संचालन, प्रसव की सुविधा समेत कई व्यवस्थाओं में कुव्यवस्था व्याप्त है। पुरानी बस स्टैंड निवासी बब्लू पंडित, मनीष सोनी, संतोष कुमार एवं बाभनटोली के रंजीत सिंह समेत अन्य लोगों ने बताया कि अनुमंडलीय अस्पताल में व्याप्त कुव्यवस्थाओं को दूर करने के लिए अस्पताल प्रबंधन एवं स्वास्थ्य विभाग के वरीय पदाधिकारी जिम्मेदार है। वहीं अस्पताल में मरीजों को सुविधा मिले इसके लिए रोगी कल्याण समिति कागजों पर ही गठन होकर रह गया है। रोगी कल्याण समिति के द्वारा नियमित बैठक भी नहीं होती है और ना ही वे अस्पताल भ्रमण कर मरीजों एवं उनके परिजनों से मिलकर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली जाती है। बीते कई माह पूर्व एक्सपायरी दवाई का मामला उजागर होने के बाद डीसीएलआर रजौली के नेतृत्व में अस्पताल में बीडीओ व सीओ समेत कई स्थानीय पदाधिकारी जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को सुपुर्द किए थे। फिर भी अस्पताल में चरमराई व्यवस्था में सुधार नहीं हो सका है।

सिविल सर्जन नवादा ने भी साधी चुप्पी :

अनुमंडलीय अस्पताल में ग्रामीण एवं गरीब परिवार से प्रसव कराने आई महिलाओं एवं उनके परिजनों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार एवं सिजेरियन की सुविधा बंद है को लेकर सवाल पूछे जाने पर सिविल सर्जन नवादा ने सवालों को सुनने के बाद फोन काट दी। वहीं दुबारा फोन करने पर फोन को रिसीव नहीं करके काट दिया गया। जब स्वास्थ्य विभाग के जिले के वरीय पदाधिकारी का यह रवैया है, तो कहना गलत नहीं होगा कि सरकारी अस्पताल में मिलने वाली सुविधा सिर्फ कागजों पर ही परोसा जा रहा है।

टॉप-टेन में शामिल अपराधी को अहमदाबाद से किया गिरफ्तार

निज संवाददाता | वारिसलीगंज (नवादा)।

नवादा जिले के टॉप-टेन में शामिल 50 हजार का ईनामी अपराधी को वारिसलीगंज थाना पुलिस ने गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अपराधी वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के बहरोईचक गांव निवासी देवनंदन यादव का पुत्र सतीश कुमार उर्फ छतीश कुमार है। मंगलवार को पकरीबरावां एसडीपीओ महेश चौधरी ने वारिसलीगंज थाना में प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि 10 सितबंर 2022 को वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के पटेल नगर मुहल्ला निवासी स्व जानकी प्रसाद का पुत्र बृजनंदन प्रसाद ने अपने पट्रोल पंप से बिक्री का एक लाख 24 हजार 800 रूपये लेकर बाइक से अपना घर वापस लौट रहे थे, तभी मीर बिगहा गांव के पास 4-5 की संख्या में रहे अपराधियों ने उनसे रूपये लूटकर फरार हो गया था। इस बाबत पीड़ित के द्वारा वारिसलीगंज थाना कांड संख्या-511/22 दर्ज कराया गया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी कर रही थी। उन्होंने बताया कि पुलिस उक्त अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए उसके घर पर छापेमारी भी किया था। छापेमारी के दौरान पुलिस अपराधी को तो नहीं गिरफ्तार कर सकी, लेकिन लूटी गई मोबाइल को उसके घर से बरामद करने में सफलता हासिल की थी। इसी बीच पुलिस को एह जानकारी मिली कि अपराधी सतीश गुजरात के अहमदाबाद में रह रहा है। सूचना बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त अपराधी को गुजरात के अहमदाबाद से दबोच लिया। एसडीपीओ श्री चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी के द्वारा 14 अक्टूबर 2019 को अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम दिया था, जिसमें पुलिस उसे गिरफ्तार कर जेल भेजने का काम किया था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ के बाद मंगलवार को वारिसलीगंज सीएचसी में मेडिकल जांच करा न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया तथा इस घटना में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी का पूर्व से अपराधिक इतिहास रहा है, उसके विरूद्ध वारिसलीगंज थाना में प्राथमिकी संख्या-340/90 व 165/20 दर्ज है। मौके पर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रूपेश कुमार सिन्हा तथा एसआई प्रभु प्रसाद गुप्ता सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे।

गुमशुदा नाबालिग पहुंची लखीसराय के कवैया थाना

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के अमावां गांव से बीते 14 माह से लापता नाबालिग को पुलिस बलों ने लखीसराय के कवैया थाना परिसर से बरामद की। एसडीपीओ गुलशन कुमार ने बताया कि अमावां गांव से बीते वर्ष 2024 के 21 जनवरी सुबह लगभग 10 बजे स्कूल ड्रेस में बाजार से सामान खरीदने गई थी, जिसके वापस घर नहीं लौटने पर परिजनों द्वारा काफी खोजबीन की गई। खोजबीन के बाद भी गुमशुदा नाबालिग के बारे में कुछ भी जानकारी नहीं मिलने पर पीड़ित परिजन द्वारा रजौली थाना को लिखित आवेदन देकर नाबालिग के बरामदगी की गुहार लगाई गई थी। एसडीपीओ ने बताया कि गुमशुदा नाबालिग लगभग 14 माह बाद लखीसराय के कवैया थाना पहुंची, जहां पुलिस बलों ने जरूरी पूछताछ की। पूछताछ के दौरान नाबालिग ने अपना नानीघर अमावां बताई, जिसके बाद पुलिस पदाधिकारी से मिले सूचना के आलोक में थाना में पदस्थापित एसआई पिंकी कुमारी को पुलिस बलों के साथ कवैया थाना भेजा गया। पुलिस बलों ने नाबालिग को बरामद कर रजौली थाना लाई है। नाबालिग के बरामदगी की सूचना उनके परिजनों को दी गई है। वहीं नाबालिग से पूछताछ करने पर अभी कुछ नहीं बता रही है। एसडीपीओ ने बताया कि बरामद नाबालिग का ब्यान न्यायालय में दर्ज होने के बाद अग्रतर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

महाप्रबंधक ने विभागाध्यक्षों एवं मंडल रेल प्रबंधकों के साथ की बैठक

निज संवाददाता | हाजीपुर (वैशाली)

पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने को मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। इस बैठक में महाप्रबंधक द्वारा पूर्व मध्य रेलवे के वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान प्राप्त प्रमुख उपलब्धियों पर चर्चा की गई। महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने वर्ष 2024-25 में पूर्व मध्य रेलवे द्वारा प्राप्त किए गए परिणामों पर खुशी व्यक्त करते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी।

डॉ. अनुज सिंह ने ईद पर दी मुबारकबाद, समाज में सद्भाव की कामना

निज संवाददाता | नवादा

ईद के अवसर पर नवादा के शिक्षाविद, समाजसेवी, गरीबों का हमदर्द, मॉडर्न शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष डॉ अनुज सिंह ने इस्लाम धर्मालंबियों से मिलकर ईद -उल-फितर की मुबारकबाद दीं। इस कड़ी में उन्होंने नवादा के अलग-अलग जगह पर जाकर लोगों से मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। साथ ही साथ क्षेत्र के अमन चैन की दुआ भी किया। जहां उन्होंने अंसार नगर के जामा मस्जिद में लोगों से मिलकर कहा कि यह त्योहार समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाता है। उन्होंने ईद मना रहे लोगों के सभी प्रयासों में खुशी और सफलता की कामना भी की। जामा मस्जिद के इमाम मौलाना हाजी जोमान अख्तर जमाली से गले मिलकर अमन चैन की दुआ मांगी। इर के मुन्ना कैसर ने डॉ अनुज सिंह को भी ईद की मुबारकबाद देते हुए कहा कि आपका सद्भाव हम सभी लोगों के लिए प्रेरणा है। अल्लाह आपकी दुआ को कबूल करेंगे। लोगों से गले मिलते हुए उन्होंने कहा कि इस दिन का असली उद्देश्य सिर्फ खुशी मनाना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की मदद करना और अपने आस-पास प्यार और भाईचारे का माहौल बनाना भी है।

आपके सभी प्रयासों में खुशी और सफलता मिले। भदौनी में मोहम्मद फैयाज अहमद उर्फ प्यार जी ,नौशाद आलम अंसार नगर ,शकील खान ,जावेद खान आंती, मोहम्मद सलीम

पत्नी का इलाज कराने पहुंचे अनुमंडलीय अस्पताल से कुरियर डिलीवरी बॉय की बाइक की हुई चोरी, प्राथमिकी दर्ज

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

मुख्यालय स्थित अनुमंडलीय अस्पताल में सोमवार की सुबह लगभग 10 बजे कुरियर डिलीवरी बॉय अपने पत्नी का इलाज करने पहुंचे और बाइक को अस्पताल के गेट पर लगाकर अंदर चिकित्सक के कक्ष में चले गए। वहीं जब थोड़े देर बाद बाहर आकर देखा तो बाइक अपने जगह पर नहीं लगा हुआ था। पीड़ित सिरदला थाना क्षेत्र के नवाबगंज गांव निवासी नंदलाल साव के पुत्र सुनील कुमार ने बताया कि वह कुरियर डिलीवरी बॉय है एवं सोमवार को उसकी पत्नी की तबियत ज्यादा खराब हो गई थी। वह अपनी बाइक हीरो स्प्लेंडर प्लस संख्या बीआर27आर0720 पर सवार होकर अपनी बीमार पत्नी के साथ सुबह 10 बजे अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे। साथ ही बाइक को अस्पताल परिसर के अंदर वाले गेट के समक्ष लगाकर चिकित्सकीय परामर्श लेने पत्नी के साथ अंदर चले गए। इस दौरान अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक ने उनकी पत्नी को जरूरी दवाइयां दी एवं स्लाइन करने की बात कही। पीड़ित डिलीवरी बॉय ने कहा कि जब उनकी पत्नी को स्लाइन लगाकर नर्स चली गई, तो वे बाहर बाइक को देखने आए। क्योंकि विगत कुछ दिनों पूर्व भी अस्पताल परिसर से बाइक चोरी की घटना हुई थी एवं अक्सर बाइक चोरी की घटना की खबरें समाचार पत्रों में पढ़ने को मिलते रहता था। इसलिए डिलीवरी बॉय के मन में संदेह था कि उनकी बाइक भी कहीं चोर उड़ा न ले जाए। जब वे बाहर आए तो गेट के पास लगा बाइक नहीं था, तो उन्होंने आसपास काफी खोजबीन की और घटना की सूचना अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मियों को दी।स्वास्थ्यकर्मियों ने उन्हें थाना को सूचना देने को कहा गया। पीड़ित युवक ने बताया कि वह अपने बाइक के जरिए ही प्रतिमाह 12 से 14 हजार रुपए कमाता है एवं बाइक चोरी होने से उसका काम भी छूट जाएगा।

पुलिस द्वारा कोर्ट के एफिडेविट मांगने पर एसडीपीओ ने लगाई फटकार :

वहीं जब पीड़ित युवक थाना परिसर पहुंचे तो ओडी में रहे पुलिस पदाधिकारी से नहीं मिलकर, एक जूनियर पुलिस पदाधिकारी से मिलकर घटना का जिक्र किया। जूनियर पुलिस पदाधिकारी द्वारा पीड़ित को कोर्ट से एफिडेविट के साथ लिखित आवेदन देने की बात कही गई। इससे मायूस युवक ने एसडीपीओ रजौली को इसकी शिकायत की। एसडीपीओ द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए रजौली थाना में फोन करके फटकार लगाई गई, तब जाकर पीड़ित द्वारा लिखित आवेदन लिया गया। वहीं थाना में ओडी में रहे पदाधिकारी इस प्रकरण से बिल्कुल अंजान थे कि कोई बाइक चोरी को लेकर शिकायत दर्ज कराने पहुंचा है।

अनुमंडलीय अस्पताल एवं इंटर विद्यालय परिसर बना हॉट स्पॉट :

मुख्यालय स्थित अनुमंडलीय अस्पताल एवं रजौली इंटर विद्यालय परिसर के अलावे प्रखंड परिसर बाइक चोरों के लिए सेफ जोन बना हुआ है। क्योंकि रजौली में बाइक चोरी की ज्यादातर घटना इन्हीं जगहों से होती है। हालांकि अनुमंडलीय अस्पताल में सीसीटीवी कैमरे के अलावे गार्ड की तैनाती भी है। उसके बावजूद बाइक चोरी की घटना थमने का नाम नहीं ले रहा है और न ही चोरों की शिनाख्त तक हो पा रही है। यदि बाइक चोर पकड़े जाते हैं, तो निःसंदेह बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश हो पाएगा। बाइक चोरी की घटना से परेशान आमलोगों को रजौली पुलिस बलों से काफी उम्मीदें हैं।

उड़ीसा से आ रहा कंटेनर काराखुट में हुआ दुर्घटनाग्रस्त

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के चितरकोली पंचायत के काराखुट मोड़ के समीप सोमवार की दोपहर 3 बजे उड़ीसा से डिजिटल जेनरेटर लेकर आ रहा कंटेनर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वहीं कंटेनर में रखा डिजिटल जेनरेटर सुरक्षित रहा किंतु वाहन पूरी जल गया। सड़क दुर्घटना की खबर थानाध्यक्ष को मिलते ही पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंच घायल कंटेनर चालक को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में ड्यूटी में रही चिकित्सक डॉ. स्नेहल ने बताई कि घायल चालक की पहचान कुंदन कुमार के रूप में हुई है। कंटेनर चालक को मामूली चोटें आई थी, जिसका प्राथमिक इलाज कर जरूरी सुई व दवाई दिया गया है। वहीं थाना के पुलिस बलों ने अग्निशमन कार्यालय को इसकी सूचना दी कि दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर में आग लग गया है। सूचना पाकर फायर ऑफिसर राम अवध सिंह अग्निशमन वाहन लेकर घटनास्थल पर पहुंचे, किंतु अग्निशमन वाहन में पानी बहुत था। जिसके कारण दूसरे अग्निशमन वाहन को बुलाया गया, तब जाकर कंटेनर में लगी आग पर काबू पाया गया। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहाड़ी एवं जंगली क्षेत्रों में लगी सड़क के नजदीक पहुंच गई है। वहीं कंटेनर के पलटने से डीजल टैंक फट गया था और आग के कारण कंटेनर वाहन संख्या एनएल01एजे0019 पूरी तरह जल गया है। आग बुझने के बाद पुलिस बल दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क के किनारे करने में जुट गए, ताकि वाहनों के आवागमन सुचारू रूप से हो।

भूमि सर्वेक्षण शिविर का औचक निरीक्षण

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

जिले के विभिन्न भूमि सर्वेक्षण शिविर का औचक निरीक्षण मंगलवार को भूमि सर्वेक्षण विभाग के अधिकारियों ने किया।इस दौरान कौआकोल, रोह के अलावा पकरीबरावां प्रखंड के स्थित भूमि सर्वेक्षण शिविर का राजस्व पदाधिकारी सह कानूनगो अशोक कुमार झा व कृष्णकांत चौबे ने की।निरीक्षण के दौरान कानूनगो मधु कुमारी, दिलीप कुमार गुप्ता, अमीन लिपिक सियाराम दास समेत अन्य अधिकारी शामिल रहे। अधिकारियों ने कहा भूमि सर्वेक्षण का कार्य हो रहा है। रैयतों को आप सभी पूर्णरूपेण सहयोग करें। सभी पंजी को अद्यतन व संधारण करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा भूमि सर्वेक्षण में पीएस में इंट्री में तेजी लाने की बात कही गई। इस कार्य में किसी भी प्रकार से कोताही नहीं बरतना है। आप सभी अपना जबाबदेही को समझें। सरकार द्वारा निर्धारित समय सीमा का भी ख्याल रखना होगा। इसके अलावा अन्य दिशा-निर्देश दिया गया।

बरौली स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापिका को दी गई भावभीनी विदाई

निज संवाददाता | नरहट (नवादा)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरौली के प्रधानाध्यापिका शोभा कुमारी का सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिवार की ओर से मंगलवार को विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संजय कुमार भारती ने किया। वक्ताओं ने सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापिका शोभा कुमारी का कार्य काल की प्रशंसा की। बताया जाता है कि शोभा कुमारी 1988 में बरौली स्कूल में पहला जोवाईनिंग लिया था। नॉकरी के दौरान कई जगहों पर ट्रांसफर हुआ लेकिन फिर घूम फिर कर जहां से जोवाईनिंग लिये थे उसी बरौली विद्यालय से 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त हो गए। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार की ओर से सेवानिवृत्त एच्एम शोभा कुमारी को फूलमाल, अंग वस्त्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त एचएम ने अपने सम्बोधन में विद्यालय परिवार की सराहना की। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी एवं सभी शिक्षकों ने कार्यकाल के दौरान पूर्ण सहयोग दिया इसके लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त करती हूं। इस मौके प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जय राम शर्मा, उपाध्यक्ष बीरेंद्र पासवान, सदस्य अनिल कुमार, प्रफुल कुमार, बीआरपी श्रीकांत कुमार, एचएम सुरेंद्र प्रसाद, पूर्व सेवानिवृत्त शिक्षक बीरेंद्र कुमार उर्फ बद्री सिंह, प्रभारी एचएम उमाशंकर राय समेत विद्यालय के शिक्षक आदि मौजूद थे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

चंद्रशेखर-श्याम नारायण की शहादत पर संकल्प सभा

आरा|जेएनयूएसयू के पूर्व अध्यक्ष चंद्रशेखर और श्याम नारायण यादव की 28वीं पुण्यतिथि पर रविवार को संकल्प सभा आयोजित की गई। आयोजन भोजपुर आइसा और इंकलाबी नौजवान सभा के बैनर तले श्री टोला स्थित भाकपा माले जिला कार्यालय में हुआ। सभा की शुरुआत उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण और दो मिनट के मौन श्रद्धांजलि से हुई। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले जिला सचिव जवाहर लाल सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर सिर्फ छात्र नेता नहीं थे, वे क्रांतिकारी चेतना और संघर्ष के प्रतीक थे। जेएनयू छात्रसंघ के अध्यक्ष रहते हुए शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय के मुद्दों को मजबूती से उठाया। संघर्ष विश्वविद्यालय की सीमाओं से बाहर निकलकर साम्राज्यवाद, पूंजीवाद, सांप्रदायिकता और जातिगत उत्पीड़न के खिलाफ जनआंदोलन में बदल गया।

एक से टोल दरें बढ़ीं, अब कार से पटना जाना हुआ और महंगा

आरा। आरा/बक्सर सासाराम, मोहनिया, आरा और बक्सर के लोगों को पटना जाने पर अब टोल प्लाजा पर अब ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। नेशनल हाईवे-922 पर कुल्हड़िया टोल प्लाजा से गुजरने पर पहले से ज्यादा टोल देना होगा। नई दरें एक अप्रैल मंगलवार रात 12 बजे से लागू हो गई हैं। स्काईलार्क इंफ्रा इंजीनियरिंग प्रा. ली. के प्रबंधक सुधीर सांगवान ने बताया कि कार, जीप, भान और लाइट मोटर वाहन के लिए अब 100 की जगह 105 रुपये फ़ास्टटैग से कटेंगे। चौबीस घंटे में एक फेरा करने पर 160 रुपये देने होंगे। एलसीवी और मिनी बस के लिए सिंगल जर्नी पर 170 रुपये और रिटर्न पर 255 रुपये लगेंगे। दो एक्सेल वाली बसों के लिए 360 रुपये सिंगल और 540 रुपये रिटर्न जर्नी का टोल तय हुआ है। तीन एक्सेल कमर्शियल वाहनों को अब 390 रुपये सिंगल और 590 रुपये रिटर्न देना होगा। चार से छह एक्सेल वाले वाहनों के लिए 565 रुपये सिंगल और 845 रुपये रिटर्न टोल लगेगा। सात एक्सेल वाहन के लिए अब 685 रुपये सिंगल और 1030 रुपये रिटर्न देना होगा। पहले यह दर 660 रुपये थी।टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के दायरे में चलने वाले नन कमर्शियल छोटे वाहनों के लिए मासिक पास अब 340 की जगह 350 रुपये में बनेगा। टोल दरों में यह बढ़ोतरी हर श्रेणी के वाहनों पर लागू की गई है।

मस्जिदों में अदा हुई ईद की नमाज, जेल में भी जश्न

आरा। शहर समेत पूरे जिले में सोमवार को ईद उल फितर का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। सुबह मुस्लिम समाज के लोगों ने ईदगाह और मस्जिदों में नमाज अदा की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। कई मोहल्लों में ईद मिलन का आयोजन भी हुआ। घर-घर जाकर सेवइयां खिलाई गईं और बधाइयों का सिलसिला चला। शहर की खानकाह मस्जिद, चमन मस्जिद कसाब टोला, भलुहीपुर मस्जिद, रौजा मोहल्ला, तरी मोहल्ला मदरसा वहीदिया मस्जिद, मेहरु मस्जिद, वलीगंज मस्जिद, खेतारी मोहल्ला, बड़ी मस्जिद, सराय की मस्जिद, धर्मन मस्जिद, दूध कटोरा मस्जिद, मिल्की, ख्वाजा साहब की मस्जिद, ईदगाह मौला बाग, चिक टोली की मस्जिद, कर्मन टोला मस्जिद और कलेक्ट्रेट तालाब की मस्जिद समेत कई मस्जिदों में नमाज अदा की गई। ईद के मौके पर आरा जेल में भी खास इंतजाम किए गए थे। जेल प्रशासन ने मुस्लिम बंदियों के लिए नमाज पढ़ने की व्यवस्था की थी। सुबह बंदियों ने नमाज अदा की। इसके बाद एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी। मिठाइयों और खाने-पीने का भी इंतजाम किया गया था। जेल अधीक्षक निरंजन पंडित ने बताया कि बंदी इस पर्व को लेकर काफी उत्साहित थे। सभी ने मिलकर ईद का त्योहार मनाया।

कोर्ट के पास फरार अपराधी गिरफ्तार, हथियार हुए जब्त

आरा। टाउन थाना क्षेत्र में सिविल कोर्ट के पास बाइक स्टैंड से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर कई गंभीर मामले में फरार चल रहा एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी ओम प्रकाश उर्फ ओम है। वह मूल रूप से पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के डुमरी गांव का रहने वाला है। फिलहाल वह कोईलवर प्रखंड के सकड्डी गांव में अपने मामा के घर रह रहा था। उसके पास से एक कट्टा और दो कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।एसपी राज ने बताया कि 18 जनवरी 2025 को इब्राहिमनगर निवासी छड़-सिमेंट दुकानदार प्रकाश महतो पर फायरिंग हुई थी। वह बाल-बाल बच गया था। इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज हुई थी। ओम प्रकाश का नाम भी इसमें शामिल था। पुलिस पहले ही विशाल और कुंदन को जेल भेज चुकी है।ओम प्रकाश की तलाश 21 जनवरी 2025 को गीधा थाना क्षेत्र के मटियारा में क्रिकेट खेलने गए छात्र सिद्धार्थ को गोली मारने के मामले में भी थी। 19 जनवरी 2025 को कोईलवर के कुल्हड़िया रेलवे ओवरब्रिज पर डुमरी निवासी धर्मेंद्र राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पकड़ा गया ओम प्रकाश मृतक धर्मेंद्र राय का भाई है। पुलिस के अनुसार हत्या की यह वारदात आपसी रंजिश और प्रतिशोध में किया गया था। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में टाउन थाना के थानाध्यक्ष देवराज राय, अपर थानाध्यक्ष अरविंद कुमार आदि थे।

दो लुटेरे समेत 8 की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी

आरा। तनिष्क आभूषण शोरूम में लूट की घटना में पुलिस अन्य सदस्यों को भी दबोचने में जुट गई है। अभी तक चार लुटेरों, रिसीवर एवं प्रश्रय देने वालों समेत 15 की गिरफ्तारी हो चुकी है। जबकि, लूटकांड में संलिप्त अररिया का चुनमुन झा मुठभेड़ में मारा जा चुका है। पश्चिम बंगाल के जेल में बंद मास्टर माइंड वैशाली जिले के मंझौली निवासी चंदन कुमार उर्फ प्रिंस तथा बक्सर के शेरू सिंह के विरुद्ध कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट निर्गत हो चुका है। अब भी दो लुटेरों समेत आठ फरार बताए जाते हैं, जिनकी भी गिरफ्तारी को टीम लगी हुई है। अभी तक पुलिस एवं एसटीएफ की टीम सोना से भरा दो बैग समेत पांच सौ ग्राम अतिरिक्त सोना बरामद कर चुकी है। लेकिन, तीसरा थैला अभी भी लुटेरों के पास है, जिसमें आधे से अधिक सोना बताया जा रहा है।

धान के खेत में छिपाए थे हथियारः टाउन थाना के धनुपरा के पास से बरामद कांड में प्रयुक्त पिस्टल और दो कारतूस के मामले में पुलिस ने अलग से एक प्राथमिकी की है। प्राथमिकी में पकड़े गए अररिया के सूरज मंडल, वैशाली के सुमित उर्फ प्रिंस, अमित कुमार तथा अभिमन्यू उर्फ खेदू उर्फ पगला समेत छह को नामजद किया गया है। भागने के दौरान एक पिस्टल धनुपरा एवं दूसरा पिस्टल आरा-छपरा फोरलेन से सटे दियारा स्थित धान के खेत में छिपाए थे। दूसरा पिस्टल बरामद नहीं हो सका है। इधर,सोमवार को दूसरे दिन भी पटना से आई एसटीएफ की टीम व जिला पुलिस अररिया जिला के सूरज मंडल के अलावा वैशाली के सुमित कुमार उर्फ प्रिंस राजपुत,नितिन कुमार, अभिमन्यू कुमार उर्फ पगला, अमित कुमार एवं प्रीतम उर्फ छोटू समेत सात से पूछताछ करती रही। सभी का स्वीकारोक्ति बयान लिया गया। बाद में जेल भेजा गया।

आरा में 23 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव

आरा। वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव समारोह समिति की बैठक बैंक कॉलोनी अहिरपुरवा बाईपास रोड स्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल सिंह शकरवार के आवासीय कार्यालय में हुई। बैठक में तय हुआ कि हर साल की तरह इस बार भी 23 अप्रैल को विजयोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय कुंवर सेना के अध्यक्ष निर्मल सिंह शकरवार ने की। संचालन वार्ड पार्षद प्रयाग यादव ने किया।समारोह की शुरुआत बाबू कुंवर सिंह रमना मैदान स्थित पार्क में घुड़सवार मूर्ति पर माल्यार्पण से होगी। इसके बाद हाथी, घोड़ा, ऊंट और बैंड-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए आरा रेलवे प्रांगण पहुंचेगी। वहां कुंवर सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण किया जाएगा। सुबह 11 बजे सभा का आयोजन होगा। इसमें वीर कुंवर सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा की जाएगी। शाम 4 बजे हाथी, घोड़ा और ऊंट दौड़ प्रतियोगिता के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। समारोह में राष्ट्रीय और प्रांतीय स्तर के नेता, सांसद, विधायक, मंत्री, शिक्षाविद, राजघराने के युवराज और महाराज शामिल होंगे। इन्हें समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

तनिष्क शोरूम में आग, दूसरे घरों की छत पर कूदे ग्राहक

निज संवाददाता। आरा

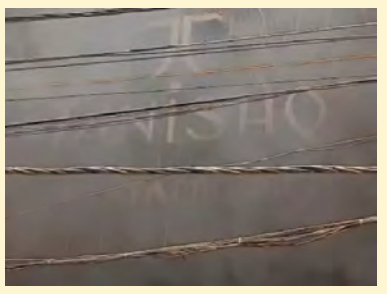

- अंदर 40 स्टाफ थे, धुआं भरने के बाद जान बचाकर भागे, 10 बाइक जलीं

आरा में मंगलवार को तनिष्क शोरूम में भीषण आग लग गई। आग शोरूम के बेसमेंट में लगी थी। बताया जा रहा है कि गार्ड के बैठने के लिए चेयर स्टैंड बनाया जा रहा था, उसकी वेल्डिंग से निकली चिंगारी से आग लगी। जिस वक्त आग लगी शोरूम में 40 कर्मचारी और ग्राहक भी मौजूद थे। कर्मचारियों ने बताया- 'अंदर कस्टमर्स भी थे। हम उन्हें गहने दिखा रहे थे। धुआं भरने लगा तो हम डरकर भागे।' शोरूम में मौजूद ग्राहक ने बताया- 'गेट से धुआं उठ रहा था। हम छत की ओर भागे और पड़ोस वाली छत पर कूदकर नीचे आए।' आग से बेसमेंट में खड़ीं 10 बाइक जलकर राख हो चुकी हैं। 22 दिन पहले इसी शोरूम में 10 करोड़ की लूट हुई थी।

शोरूम की छत से दूसरे के घरों की छत पर कूदेः आग लगने के वक्त शोरूम में मौजूद ग्राहक उमेश कुमार सिंह ने कहा- 'मैं अपने परिवार के साथ मंगलसूत्र खरीदने आया था। हमने अपनी दो बाइक (होंडा शाइन और अपाचे) बाहर सड़क पर पार्क की। शोरूम वालों ने कहा गाड़ी बेसमेंट में पार्क कर दीजिए।' 'बेसमेंट के अंदर वेल्डिंग का काम चल रहा था। उसी से गाड़ी में आग लगी और फैल गई। दुकान में धुआं फैल गया। हम लोग छत पर भागे। वहां से दूसरे मकान पर कूदकर किसी तरह जान बचाई।'

स्टाफ बोला- धुआं भरने के बाद भागेः सेल्समैन राहुल ने बताया- 'सभी स्टाफ अपने-अपने फ्लोर पर कस्टमर्स से डील कर रहे थे। इसी बीच धुआं-धुआं हो गया और हालात खराब हो गए। जैसे-तैसे शोरूम से निकलकर बाहर आएं।' प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- 'शोरूम के बेसमेंट में वेल्डिंग का काम चल रहा था। इसी बीच चिंगारी निकलने से बेसमेंट में खड़ी कार में आग लग गई।' 'धीरे-धीरे आग बेकाबू हो गई और पूरे बेसमेंट को चपेट में ले लिया है। आग लगने के कारण धुआं पूरे शोरूम के अंदर फैल गया।'

2224 लीटर शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के नया भोजपुर थाना पुलिस ने सर्फ के पैकेटों के बीच छिपाकर ले जाई जा रही 2224.08 लीटर शराब बरामद की है। वहीं पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने की। बताया गया कि टीम ने एक लाल रंग की ट्रक (नंबर UP12AT8786) को रोका। ट्रक चंडीगढ़ से पटना की ओर जा रही थी। पहली नजर में ट्रक में सिर्फ सर्फ के पैकेट दिखाई दिए। लेकिन गहराई से जांच करने पर सर्फ के पैकेटों के नीचे शराब की खेप मिली। पकड़े गए आरोपियों में एक पंकज कुमार (20) है। वह वैशाली जिले के कुतुपुर का रहने वाला है। दूसरा आरोपी सोमिन है, जो उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के शेरपुर लोहरा का रहने वाला है। दोनों के खिलाफ नया भोजपुर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शराब किसे पहुंचाई जानी थी। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।

ट्रक में तीन फीट तक रखा था भूसीः डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने बताया तस्करों द्वारा मिनी ट्रक में तीन फीट के लेयर में पहले भूसी रखा गया था उसके बाद चारो तरफ सर्फ का पॉकेट के बीच छुपा कर रखा गया था।पहले तस्करों द्वारा स्कैनर को चकमा दिया गया।लेकिन पुलिस को मिली गुप्त सूचना के कारण भोजपुर थाना के पास पकड़े गए।

साइबर ठगों ने एफ आई आर से नाम हटाने का दिया झांसा

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर की एक महिला से साइबर अपराधियों ने 5000 रुपए ठग लिए। जालसाजों ने ऑनलाइन एफआईआर की कॉपी डाउनलोड कर महिला का मोबाइल नंबर निकाला और केस से नाम हटाने का झांसा देकर पैसे ऐंठ लिए। पीड़िता ने जब पैसे देने के बावजूद कोई राहत नहीं पाई, तो उसने डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी से संपर्क किया। एसडीपीओ को मिली सूचना के बाद उन्होंने तत्काल जांच शुरू की। फोन-पे के जरिए किए गए ट्रांजैक्शन से पता चला कि रकम एक मीरा कुमारी नामक महिला के खाते में गई, जिसका नंबर झांसी (यूपी) का निकला। फिलहाल वह नंबर बंद आ रहा है, और पुलिस आरोपी को ट्रेस करने में जुटी है।

केस से नाम हटाने का झांसा देकर पैसे ऐंठेः एसडीपीओ ने बताया कि इससे पहले भी ऐसे दो-तीन मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें पीड़ितों को केस से नाम हटाने का झांसा देकर पैसे ऐंठे गए। उन्होंने कहा कि एफआईआर से नाम हटाने की प्रक्रिया कानूनी होती है, जिसमें न्यायालय की अनुमति आवश्यक होती है। किसी पुलिस अधिकारी या वकील की ओर से पैसे मांगे जाने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। एसडीपीओ ने अनुसंधानकर्ता को निर्देश दिया कि अगर महिला निर्दोष है, तो जल्द से जल्द उसके पक्ष में कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही उन्होंने जनता से अपील की कि कोई भी पुलिसकर्मी या दलाल पैसे की मांग करे, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें।

सब्जी लेकर नहीं आया पति तो डांसर ने दी जान

निज संवाददाता। आरा

- शव के पास रोती मिली 2 साल की बेटी, 3 साल पहले की थी लव मैरिज

भोजपुर में पति से परेशान होकर डांसर पत्नी ने रविवार की रात जहर खाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार की सुबह 2 साल की बेटी की रोने की आवाज सुनकर मृतका की मौसी कमरे में पहुंची तो देखा उसकी मां का शव बेड पर पड़ा है। उसके मुंह से झाग आ रहा था और बच्ची रो रही थी। मृतका की मौसी ने दामाद पर जहर देने का आरोप लगाया है। घटना आयर थाना क्षेत्र के श्रीपुर गांव की है। मृतका की पहचान प्रियंका देवार (18) के रूप में की गई, जो छत्तीसगढ़ के भलपहाड़ी के रहने वाले सिकंदर देवार की बेटी थी। प्रियंका ने तीन साल पहले आयर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव के रहने वाले लक्ष्मण शर्मा से शादी की थी। घटना की सूचना मिलने के बाद आयर थाने की पुलिस मौके पहुंची और शव का पोस्टमॉर्टम करवाया। इसके साथ ही मामले की जांच में जुट गई। वहीं, प्रियंका की मौत के बाद पति लक्ष्मण फरार है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

प्रोग्राम के दौरान ही लक्ष्मण ने प्रियंका को पसंद किया थाः प्रियंका की मौसी कौशिला ने बताया कि 'हमलोग श्रीपुर के रहने वाले अशोक राम की पत्नी के नाम से मुस्कान थिएटर चलाते हैं। पांच साल पहले यानी 2020 में प्रियंका छत्तीसगढ़ से डांस प्रोग्राम करने के लिए श्रीपुर आई थी। यहां किराए के मकान में रहकर बिहार, दिल्ली समेत अन्य राज्यों में डांस करने जाती थी। 2020 में श्रीपुर गांव में एक डांस प्रोग्राम कर रहे थे। इस प्रोग्राम में लक्ष्मण आया है और प्रियंका को पसंद किया था।'

'प्रियंका खुद की कमाई से घर चलाती थी'ः कौशिला के मुताबिक, प्रियंका खुद कमाती थी और परिवार चलाती थी। लक्ष्मण और प्रियंका जिस किराए के मकान में रहते थे, उसका किराया भी प्रियंका ही देती थी। बेटी होने के बाद से लक्ष्मण प्रियंका के साथ कम रहता था। अमूमन रात को अपने घर चला जाता था। इस बात को लेकर अक्सर प्रियंका और लक्ष्मण के बीच झगड़ा होता था।

'पति सब्जी लेकर नहीं आया तो प्रियंका से हुआ था झगड़ा'ः कौशिला ने बताया कि 'रविवार की रात भी प्रियंका और लक्ष्मण के बीच झगड़ा हुआ था। इसकी वजह थी कि लक्ष्मण बाजार से सब्जी लेकर नहीं आया था। सुबह जब दो साल की जिया रो रही थी, तब हम लोग उसके कमरे में गए। घटना की सूचना लक्ष्मण को दी। लक्ष्मण पहुंचा तो प्रियंका को मृत देखकर घर से भाग गया।' आयर थानाध्यक्ष राजीव ने बताया कि 'प्रियंका के घर के लोगों की ओर से सूचना मिली थी। शव का सदर में पोस्टमॉर्टम कराया गया। पीड़ित परिवार की ओर से शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलती है तो उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।'

गांवों तक होगा जनसुराज पार्टी का विस्तार

निज संवाददाता। बक्सर

जिले के बोक्सा पंचायत में 31 मार्च 2025 को जन सुराज विस्तार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 550 से अधिक लोगों की भागीदारी रही, जो इस अभियान के बढ़ते प्रभाव और लोगों के बढ़ते समर्थन को दर्शाता है। इस आयोजन का उद्देश्य जन सुराज के विचार और पांच संकल्पों को आम जनता तक पहुंचाना और संगठन को गांव स्तर पर और अधिक मजबूत करना था। मुख्य वक्ता तथागत हर्ष वर्धन ने बिहार में बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आज बिहार को एक नई दिशा देने के लिए मजबूत नीति और दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। उन्होंने जन सुराज को केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि बिहार के सुनहरे भविष्य की नींव बतायी। अरुण कुशवाहा (पूर्व मुखिया) ने ग्राम स्तर पर जन सुराज के विस्तार पर बल देते हुए कहा कि यह आंदोलन गांव, गरीब और वंचितों की आवाज को सशक्त करने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि जब तक गांवों का विकास नहीं होगा, तब तक बिहार प्रगति नहीं कर सकता। जिला महिला अध्यक्ष अंशु श्रीवास्तव ने महिलाओं की भागीदारी को आवश्यक बताते हुए कहा कि बिहार की महिलाएं जब एकजुट होंगी, तो बदलाव निश्चित रूप से आएगा। महिला सशक्तिकरण के बिना किसी भी राज्य की उन्नति संभव नहीं है। इसी प्रकार प्रदेश कर समिति सदस्य बजरंगी मिश्रा और राज्य कार्य समिति सदस्य धनजी पांडेय ने भी अपने विचार रखते हुए जन सुराज के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान 175 नए लोगों ने जन सुराज की सदस्यता ली, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि इस आंदोलन के प्रति लोगों में जागरूकता और समर्थन तेजी से बढ़ रहा है। उपस्थित जनसमुदाय में इस अभियान को लेकर जोश और विश्वास देखा गया। कार्यक्रम में 550 से अधिक लोगों की भागीदारी ने जन सुराज की बढ़ती स्वीकार्यता को सिद्ध किया। 175 नए सदस्यों के जुड़ने से संगठन को और अधिक मजबूती मिली। इस दौरान जन सुराज के पाँच संकल्पों की जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया गया और गांव स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया। इस सफल आयोजन के बाद जन सुराज अभियान को और अधिक गति देने की योजना बनाई गई है। कार्यक्रम के आयोजकों, अरुण कुशवाहा (पूर्व मुखिया) और करुणानिधि दुबे (बक्सर संगठन सचिव) ने बताया कि आने वाले समय में और भी पंचायतों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस आंदोलन से जुड़ सकें। कार्यक्रम के समापन पर वक्ताओं ने कहा कि जन सुराज केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का एक बड़ा माध्यम है।

भोजपुर में 5 घंटे कटेगी बिजली

निज संवाददाता। आरा

- 315 केवीए ट्रांसफार्मर का चलेगा काम, भीषण गर्मी में समय से पहले निपटा लें काम

आरा शहर के महादेवा, मठिया, हॉस्पिटल रोड इलाके में 5 घंटे बिजली कटी रहेगी। आज मंगलवार की सुबह 11 बजे से शाम 4 तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। कनीय विद्युत अभियंता, आरा द्वारा बताया गया कि मठिया पर 315 kva ट्रांसफार्मर का काम किया जाएगा, ताकि आने वाले दिनों में निर्बाध बिजली दिया जा सके।

काम पूरा होते ही शुरू होगी सप्लाईः साथ ही इस क्षेत्र के सभी पोल और जर्जर तार की भी मरम्मती की जाएगी, ताकि बिजली उपभोक्ताओं को बिजली से संबंधित कोई भी समस्या न हो। इसके लिए सभी बिजली उपभोक्ताओं से सूचना देकर अपील की गई है बिजली से जुड़ा कार्य को समय से पहले निपटा ले। क्योंकि शहर के इन इलाकों में बिजली नही रहेगी। उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए होने वाली परेशानी को लेकर खेद प्रकट करते हुए सहायक अभियंता ने कहा की काम खत्म होने के साथ जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल करने की कोशिश की जाएगी ।

इन इलाकों में बिजली आपूर्ति रहेगी बाधितः महादेवा के आसपास के क्षेत्रों यथा मठिया, महादेवा, बिस्कुट गली,बघवा गली ,महाजन टोली, KB सहाय गली,हॉस्पिटल रोड, आरण्य निवास गली, डॉक्टर सतीश गली,आदि के आस पास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

डाक पार्सल वाहन से 777 लीटर शराब की तस्करी

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के चौंसा चेक पोस्ट पर उत्पाद पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने एक डाक पार्सल लिखी बोलेरो पिकअप से 777.6 लीटर अवैध शराब बरामद की है। साथ ही एक मारुति सुजुकी कार से 110.08 लीटर शराब भी जब्त की गई है। बोलेरो से बरामद शराब ऑफिसर चॉइस ब्रांड की है। इसमें 180एमएल की 4320 बोतलें शामिल हैं। कार से कुल 100 बोतलें मिली हैं। पुलिस ने इस मामले में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। बोलेरो से पकड़े गए तस्कर की पहचान वैशाली के एक व्यक्ति के रूप में हुई है। वह पहले भी शराब तस्करी में पकड़ा जा चुका है। चौंसा चेक पोस्ट प्रभारी दिलीप सिंह के अनुसार यह तस्कर 16 अक्टूबर को भी 1837 लीटर शराब के साथ पकड़ा गया था।

यूपी से बिहार में लाई जा रही थी खेपः कार से पकड़े गए दो तस्करों में एक इटाढ़ी थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी सोमारू यादव है। वह कार चला रहा था। दूसरा तस्कर नगर थाना क्षेत्र के गजाधरगंज निवासी अजीत कुमार गोड है। यह शराब की खेप यूपी से बिहार में लाई जा रही थी। पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। डाक पार्सल लिखी वाहन का चालक यूपी से शराब लेकर पटना की तरफ डिलीवरी देने जा रहा था।

पवन सिंह का नाम सुनते ही भड़कीं अक्षरा सिंह

निज संवाददाता। आरा

- मंच से कहा-सामने आओ, पीछे से तो कुत्ते भौंकते हैं, मैं शेरनी का कलेजा रखती हूं

भोजपुर में एक कार्यक्रम के दौरान भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह दर्शकों पर भड़क गईं। अक्षरा सिंह पिछले रविवार को हिंदू नव वर्ष के दौरान बखोरापुर पहुंची थीं। वे अपने साथी सिंगर के साथ मंच पर थीं। तभी दर्शकों में से किसी ने पवन सिंह का नाम लेकर हूटिंग शुरू कर दी, जिसके बाद अक्षरा सिंह को गुस्सा आ गया।

पवन सिंह का नाम लेने पर भड़कीं अक्षराः इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। जहां अक्षरा सिंह के कार्यक्रम में मौजूद लोग पवन सिंह का नाम लेकर हूटिंग कर रहे हैं। इसके बाद उन्होंने पहले अपने साथ परफॉर्म कर रहे साथी कलाकार को रोका। फिर पीछे बैठे लोगों को अपनी ओर आने का इशारा किया। इसके बाद कार्यक्रम में पीछे दर्शक दीघा में बैठे लोगों की तुलना कुत्ते से कर दी। एक्ट्रेस ने कहा, 'ऐसे लोग हर समाज में मिल जाते हैं, जिनसे कहीं न कहीं भेंट (मुलाकात) हो ही जाती है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं की पूरा का पूरा भोजपुर मुझे प्यार नहीं करता।'

पवन और अक्षरा कभी दोस्त हुआ करते थेः बता दें कि पवन सिंह और अक्षरा सिंह एक दूसरे के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। दोनों की कई फिल्में भी हिट रहीं। दर्शक इन दोनों की जोड़ी को खूब पसंद भी करते थे। जानकारी के मुताबिक, दोनों काफी समय तक रिलेशनशिप में भी थे। दोनों के बीच नजदीकी इतनी हो गई थी कि भोजपुरी फिल्मी इंडस्ट्री में इनकी शादी तक की बाते होने लगीं, लेकिन 2018 में पवन सिंह ने अक्षरा को बिना बताए ज्योति सिंह से शादी कर ली थी। ज्योति सिंह शादी के बाद पवन सिंह के साथ उनका ब्रेकअप हो गया। ब्रेकअप के बाद पवन सिंह और अक्षरा सिंह के बीच इतना मनमुटाव हो गया कि अब दोनों एक दूसरे के धुर विरोधी बन गए। अक्षरा सिंह कई मौकों पर पवन सिंह पर बड़े आरोप लगाती रही हैं। उन्होंने यहां तक कहा था कि पवन ने मेरा करियर बर्बाद कर दिया। वहीं, पवन सिंह ने भी अक्षरा पर उनके प्राइवेट वीडियो सोशल मीडिया पर लीक करवाने का आरोप लगाया था।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

हथियार लहराने वाला काबू

पीरपैंती। पीरपैंती बाजार जाने वाले सड़क पर दुलदुलिया मोड़ के पास बाइक और साइकिल की टक्कर में साइकिल सवार दुलदुलिया के शिवन महलदार और बाइक सवार छोटी दिलौरी के रूपेश कुमार जख्मी हो गए। सूचना पर डायल 112 की टीम पहुंची और दोनों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दोनों को मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया।

दुर्व्यवहार के आरोप में 4 शिक्षकों पर केस दर्ज

नारायणपुर| एसएस हाईस्कूल मौजमा की छात्रा ने दुर्व्यवहार का आरोप लगा चार शिक्षकों-चेतन परदेशी, लड्डू गोपाल, धनंजय कुमार व मनोज कुमार पर केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीरपैंती | चैती नवरात्र पर प्रखंड के विभिन्न मंदिरों में मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप ब्रह्मचारिणी की भक्तों ने पूजा-अर्चना की। वहीं मंदिरों में दुर्गा सप्तशती पाठ से इलाका गूंज रहा है। ईशीपुर बाराहाट स्थित ऐतिहासिक योगीवीर पहाड़ी पर दुर्गा मंदिर, झामर स्थित प्रसिद्ध मनोकामनानाथ मंदिर, बघुवाटोला, शेरमारी बाजार बुढ़िया काली मंदिर सहित अन्य जगहों के दुर्गा मंदिरों में माता की आराधना की।

बिना हेलमेट वाले बाइक सवारों से वसूला जुर्माना

पीरपैंती। इशीपुर और पीरपैंती पुलिस ने सोमवार को विभिन्न जगहों पर बाइक चेकिंग अभियान चलाया। पीरपैंती थानाध्यक्ष नीरज कुमार के नेतृत्व में बाइक के कागजात, हेलमेट, डिक्की की जांच की गई। कागजात और हेलमेट पहनकर नहीं चलने वाले 6 बाइक चालकों से छह हजार रुपए जुर्माना वसूला गया। वहीं इशीपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने 19 बाइक सवारों से 19 हजार रुपए जुर्माना वसूला।

पुरुषार्थ करना ही मानव का धर्म, बिना परिश्रम कुछ नहीं मिलता : अमृत आनंद

धरहरा। चैती नवरात्र पर श्रीराम कथा का आयोजन हुआ। कथा सुनने के लिए सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालु पंडाल में पहुंचे। संगीतमय रामकथा में कथावाचिका सुप्रिया जी महाराज और अमृत आनंद जी महाराज ने प्रभु श्रीराम के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। कथावाचकों ने कहा कि जहां भगवान श्रीराम की कृपा होती है, वहीं रामकथा संभव होती है। राम की कृपा वहीं होती है, जहां उनके भक्त रहते हैं। उन्होंने बताया कि प्रभु ने मानव शरीर बनाया है। पुरुषार्थ करना मानव का धर्म है। बिना परिश्रम कुछ नहीं मिलता। रामकथा से जीवों की पीड़ा दूर होती है। कथा श्रवण से सभी का कल्याण होता है। कथा में बताया गया कि भगवान भक्ति के अधीन होते हैं। सच्चे भक्त की श्रद्धा के आगे भगवान भी विवश हो जाते हैं। भक्त जिस रूप में उन्हें याद करता है, भगवान उसी रूप में दर्शन देते हैं। मानस व्यास द्वारा सुंदरकांड की कथा और हनुमानजी की श्रीराम के प्रति अटूट भक्ति का वर्णन भी किया गया। कथा से पहले वरिष्ठ पंडित दानी पांडे, बालों सिंह और विकास कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि रामकथा से वातावरण शुद्ध होता है। केवल कथा सुनना ही नहीं, उससे मिलने वाली सीख को जीवन में अपनाना भी जरूरी है। आयोजन में संजय सिन्हा, लल्लू सिंह, सुकेश सिंह, मुन्ना पांडे, नीरज पांडे और राहुल पांडे मौजूद रहे।

कॉलेजों की संबद्धता की जांच के लिए अब तक विवि ने कमेटी नहीं बनाई

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह और सीनेट बैठक पूरी हो चुकी है। अब विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने कई अहम जिम्मेदारियां हैं। सबसे जरूरी काम अतिथि शिक्षकों के सेवा विस्तार को लेकर सेलेक्शन कमेटी बनाना है। इसके बिना शिक्षकों को मानदेय नहीं मिल सकता। साथ ही, संबद्धता के लिए आवेदन करने वाले 14 कॉलेजों की जांच के लिए निरीक्षण समिति बनाना भी जरूरी है। साल 2023 में विश्वविद्यालय ने 109 अतिथि शिक्षकों को 11 माह का सेवा विस्तार दिया था। यह कार्यकाल 19 दिसंबर 2024 को समाप्त हो गया। इस दौरान 17 अंगीभूत कॉलेजों में करीब 100 अतिथि शिक्षक कार्यरत थे। इन शिक्षकों की सीसीआर रिपोर्ट कॉलेजों से मंगाई गई थी, जो भेज दी गई। नियमानुसार, सेवा विस्तार के लिए सेलेक्शन कमिटी बननी चाहिए थी। लेकिन तत्कालीन प्रभारी कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी ने 7 जनवरी को कमिटी की स्वीकृति से पहले ही सेवा विस्तार दे दिया।

32 लॉकर तोड़ने वाले मास्टरमाइंड की ट्रेन से कटकर मौत, हरियाणा पुलिस कस्टडी में मुंगेर लाई थी

निज संवाददाता। मुंगेर

अंबाला कोआपरेटिव बैंक में 32 लॉकर तोड़कर 10 करोड़ के जेवर लूटने वाले मास्टरमाइंड मिथुन बिंद की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। मिथुन को हरियाणा पुलिस पूछताछ के लिए मुंगेर लाई थी। सोमवार अहले सुबह वो पुलिस कस्टडी से बाथरुम के वेंटिलेटर से कूदकर भागा था, जिसके बाद से पुलिस उसे ढूंढ रही थी। देर शाम भागलपुर-जमालपुर रेलखंड के अकबरनगर स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पर उसकी डेड बॉडी मिली। हाथ पर 5 साल के बेटे के नाम का टैटू देखकर शव की पहचान हो पाई। जिस तरह से शव मिला है, उससे आशंका जताई जा रही है कि उसने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दी है। स्थानीय लोगों ने बताया- 'ट्रेन के लोको पायलट ने हॉर्न बजाया फिर भी वो अचानक ट्रेन की इंजन के आगे कूद गया, जिससे उसके सिर के टुकड़े हो गए और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।'

32 लॉकर तोड़े थे, 25 में रखे थे जेवर और अन्य सामानः मिथुन बिंद हरियाणा के अंबाला की कोआपरेटिव बैंक में हुए लूट का मुख्य आरोपी था। 25 सितंबर 2023 को अंबाला सिटी के बलदेव नगर थाना एरिया में नारायणगढ़ रोड स्थित को-ऑपरेटिव बैंक में बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में वारदात को अंजाम दिया था। चोरों ने पहले बैंक की दीवार को तोड़ा, उसके बाद कटर से स्ट्रॉन्ग रूम को काटा। 32 में से 7 लॉकर खाली थे, बचे 25 लॉकर में जेवर समेत अन्य सामान था।

8 दिन की रिमांड पर लेकर पहुंची थी टीमः इसी मामले को लेकर हरियाणा पुलिस 30 मार्च को मिथुन को 8 दिन की रिमांड पर मुंगेर लेकर आई थी। उसकी निशानदेही पर रविवार को एक ज्वेलर राहुल कुमार को गिरफ्तार किया था। ज्वेलर पर लूट का लगभग 600 ग्राम सोना चांदी खरीदने का आरोप है। अभी तक पुलिस उससे सोना चांदी बरामद नहीं कर पाई है। हरियाणा पुलिस मिथुन को वापस सोमवार को हरियाणा ले जाने वाली थी।

भाई का UP पुलिस ने किया था एनकाउंटर

बाथरूम का वेंटिलेटर खोलकर भागा था मिथुनः हरियाणा पुलिस उसे साथ लेकर मुंगेर के हवेली खड़गपुर पहुंची थी। पुलिस असरगंज के लदौआ मोड़ स्थित एक होटल में रुकी थी। टीम में SI संजीव कुमार सहित पांच सदस्य शामिल थे। सोमवार की अहले सुबह पहली मंजिल पर स्थित शौचालय का वेंटिलेटर खोल कर मिथुन वहां से कूद कर फरार हो गया था।

भाई का UP में एनकाउंटर उसी दौरान मिथुन पकड़ा गयाः हरियाणा के अंबाला के बलदेव नगर थाना क्षेत्र में सितंबर 2023 में को-ऑपरेटिव बैंक के लॉकर तोड़कर 10 करोड़ के ज्वेलरी की लूट हुई थी। इस केस में मिथुन बिंद और उसका भाई सोविंद बिंद आरोपी थे। हरियाणा पुलिस ने यूपी पुलिस से मिथुन बिंद को रिमांड पर लिया था। पिछले साल दिसंबर में लखनऊ एसटीएफ ने एनकाउंटर में एक आरोपी सोविंद बिंद को मार गिराया था। उसी दौरान यूपी पुलिस ने मिथुन बिंद को भी गिरफ्तार किया था।

लखनऊ बैंक लूट में भी आरोपी था मिथुन का भाई, पुलिस एनकाउंटर में हुआ ढेरः 22 दिसंबर 2024 को लखनऊ में इंडियन ओवरसीज बैंक में 42 लॉकर काटकर लाखों के गहनों की लूट हुई थी। इस केस में यूपी पुलिस ने 23-24 दिसंबर को एनकाउंटर में 2 अपराधियों को मार गिराया था। इनमें सोविंद बिंद भी शामिल था।

शव यात्रा में शामिल होने गए युवक की मौत, तेज रफ्तार बाइक ने रौंदा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में बहन के ससुर की शव यात्रा में शामिल होने गए युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना, बांका जिला के धौरया थाना क्षेत्र स्थित चांदनी चौक के समीप हुई। मृतक की पहचान, भागलपुर के जगदीशपुर हड़वा गांव निवासी मुन्ना शाह (26) के रूप में की गई है। घटना को लेकर मृतक के परिजनों ने बताया कि" मृतक के बहन की ससुर के मृत्यु हो गई थी इसी के शव यात्रा में शामिल होने के लिए पीछे- पीछे अपने बनहोई के साथ बाइक से जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक सवार युवक ने रौंद दिया जिससे कि हाथ टूट गया। वहीं, युवक के सिर में गंभीर चोट आई। इस हादसे में मृतक के बनहोई शिव कुमार को भी आंशिक रूप से चोट आई है। परिजनों ने उसे स्थानीय रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया जहां पर प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया, जहां देर रात करीब 11:30 बजे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

डेढ़ साल पहले हुई थी शादीः मुन्ना की शादी डेढ़ साल पहले हुई थी। 5 महीने के एक बेटी भी है। इधर, घटना के बाद से पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर पुलिस ने बाइक को जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। बताया जा रहा है कि दूसरे बाइक सवार भी घटना में घायल है, जिनका इलाज निजी क्लीनिक में कराया जा रहा है।

भागलपुर में तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बच्चे को रौंदा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में मंगलवार को एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने आदित्य कुमार (05) को रौंद दिया। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। बच्चे को गंभीर चोट लगी है। पूरा मामला सबौर थाना क्षेत्र के मामलखा गांव का है। आदित्य, अपने पिता को ढूंढने के लिए घर से बाहर मेन रोड होते जा रहा है। इसी दौरान घोघा की तरफ से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उसे रौंद दिया। आदित्य गंभीर रूप से घायल हो गया। चीखने-चिल्लान की आवाज सुनकर मौके पर मौजूद लोगों स्कॉर्पियो को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। घटना को लेकर घायल की फुआ पिंकी देवी ने बताया कि पिता को ढूंढने के आदित्य घर से बाहर निकला था। इसी दौरान तेज रफ्तार से आए वाहन ने उसे रौंद दिया। गाड़ी को लोगों ने पकड़ा, जिसके बाद घायल को उसी वाहन के जरिए मायागंज अस्पताल लाया गया है।

शिक्षक का ऋण समाज नहीं चुका सकता : विधायक

मुंगेर। सरस्वती शिशु मंदिर लल्लू पोखर में सोमवार से तीन दिवसीय आचार्य कार्यशाला शुरू हुई। उद्घाटन दीप मंत्र और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक प्रणव कुमार, विद्यालय के सचिव डॉ. राकेश मोहन, संकुल प्रमुख संजय कुमार सिंह, जिला सहसंचालक विनेश और प्रधानाचार्य जयंत कुमार चौधरी ने किया। विधायक ने कहा, शिक्षक ऐसा पुष्प गढ़ते हैं जो देश के विकास में सहायक होता है। समाज शिक्षक के कार्य का ऋण कभी नहीं चुका सकता। संकुल प्रमुख संजय कुमार सिंह ने कहा, अभिभावक जिस भरोसे से बच्चों को विद्यालय भेजते हैं, उसे निभाना हमारा कर्तव्य है। सचिव डॉ. राकेश मोहन ने कहा, कार्यशाला से प्रेरणा लेकर विद्यालय को आगे बढ़ाना है।

आज होगी स्नातक सेमेस्टर-3 की परीक्षा

मुंगेर। एमयू सत्र 2023-27 के स्नातक सेमेस्टर-3 की परीक्षा 25 मार्च से चल रही है। परीक्षा 24 केंद्रों पर ली जा रही है। इसके पांचवा दिन की परीक्षा 2 अप्रैल यानी गुरुवार को होगी। जिसमें पहली पाली में एमआईसी विषयों के ग्रुप सी की परीक्षा होगी। इसमें इतिहास, आईआरपीएम, पाली, समाजशास्त्र और उर्दू के पेपर-3 शामिल हैं। दूसरी पाली में ग्रुप डी की परीक्षा होगी। इसमें अर्थशास्त्र, ग्रामीण अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान और संस्कृत के पेपर-3 की परीक्षा ली जाएगी।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ओ-एसी-टी-221 से 222-24-25 (खुली), दिनांक 28.03.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं.:1, केस सं.** : ओ-एसी-टी-221-24-25, **कार्य का नाम:** वरिष्ठ डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में एसएसई/डब्ल्यू/II/अंडाल के तहत अंडाल के रिवर साइड में इनटेक वेल, एक पंप हाउस और अन्य सहायक कार्य के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 1,89,52,436.23, **बयाना राशि :** रु. 2,44,800/-, **कार्य की समापन अवधि:** 09 माह। **क्रम सं.:2, केस सं.** : ओ-एसी-टी-222-24-25, **कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के लिए खुली निविदा: - आसनसोल मंडल - सीतारामपुर - झाझा शाखा में अन्य सहायक कार्यों के साथ जैकेटिंग सहित ब्रिज नंबर 643/अप और डाउन के बीजीएमएल स्टैंडर्ड गर्डर का प्रतिस्थापन। **निविदा मूल्य :** रु. 31,48,26,519.34, **बयाना राशि :** रु. 17,24,100/-, **कार्य की समापन अवधि:** 24 माह। **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 28.04.2025 को 12.00 बजे (क्रम सं. 1 एवं 2 हेतु)। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है। ASN-03/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

एनआईटी सं.: 380_2024-25, 382_2024-25, दिनांक 28.03.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 (वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा के क्षेत्रधिकार हेतु) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं. 1, एनआईटी सं.: 380_2024-25, कार्य का विवरण** : वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा के कार्यक्षेत्र में इन स्थानों में सेस मरम्मत कार्य बाली- बैण्डेल अप मेन लाइन किमी 7.051-7.585, 11.008- 11.968 किमी, 13.768-14.004 किमी, 14.02-15.863 किमी, 17.42-19.179 किमी, बाली- बैण्डेल डाउन मेन लाइन 12.033-12.695 किमी, 12.827-13.382 किमी, 13.762-15.802 किमी, बाली- बैण्डेल अप मेन लाइन 21.587-21.771 किमी, 23.004 24.063 किमी, 24.779-24.819 किमी, 25.329-28.041 किमी और 28.60-38.001 किमी और बाली-बैण्डेल डाउन मेन लाइन-28.598-32.393, 33.058-37.406 किमी। **अनुमानित मूल्य :** रु. 2,34,69,749.75, **बयाना राशि:** रु. 2,67,400/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि :** 12 (बारह) माह। **क्रम सं. 2, एनआईटी सं.: 382_2024-25, कार्य का विवरण** : वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा के कार्यक्षेत्र में लिलुआ में शंटिंग नेक का विस्तार । **अनुमानित मूल्य :** रु. 61,10,083.90, **बयाना राशि:** रु. 1,22,200/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि :** 04 (चार) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 17.04.2025 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान**-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-01/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल, औरंगाबाद।

बिहार सरकार

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-22/2024-25

(केवल ई-टेन्डर पद्धति के अनुसार वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल, औरंगाबाद।
2. निविदा आमंत्रण सूचना निर्गत की तिथि : दिनांक 27.03.2025
3. निविदा अपलोड करने की प्रारंभ तिथि : दिनांक 08.04.2025, 10:00 बजे पूर्वाह्न से। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
4. निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि : दिनांक 12.04.2025, 5:00 बजे अपराह्न तक। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
5. निविदा (तकनीकि बीड) खोलने की तिथि : दिनांक 13.04.2025 अपराह्न 11:00 बजे पूर्वाह्न तक एवं समय (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
6. कार्य की विवरणी :-

ग्रुप सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र मूल्य (रू0 में) (अप्रत्यर्पणीय रूप में मात्र ऑनलाईन भुगतान द्वारा)	बेल्ट्रॉन का प्रोसेसिंग फीस + अन्य कर(रू0 में) (अप्रत्यर्पणीय रूप में मात्र ऑनलाईन भुगतान द्वारा)	कार्य समाप्ति की अवधि (माह में)
1	2	3	4	5	6	7
1	Estimate for Construction of 200mm/ 165mm Drilled Boring- 2 Nos. , Boring chamber , 8 Mtr. RCC staging with switch cum attendent room for placing 10000 litres PVC / HDPE Storage Tank , Installation of 5HP - 3-phase pump-motor - 1 No , 3HP- Single phase pump-motor- 1 No. etc. all complete with necessary accessories for New Fire Hydrant System at Fire Brigade Office premises , Karma Road, Aurangabad town area in Aurangabad District under P.H. Division Aurangabad.	19.210	0.385	5000.00	590.00	04 माह

7. वित्तीय बीड खोलने की तिथि एवं समय : तकनीकि बीड निष्पादन के बाद समय एवं तिथि (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर सूचित की जायेगी)

विस्तृत जानकारी **state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

PR- 23077 (P H E D) 2024-25

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

कार्यपालक अभियंता,
लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल, औरंगाबाद।

ग्रामीण कार्य विभाग
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय कार्य प्रमंडल-औरंगाबाद।

बिहार सरकार

प्रेस विज्ञप्ति सूचना सं0- RWD / 01 / 2024-25

का0अ0 2325 (अ) केन्द्रीय भूमि-अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-104 के अधीन प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्य सरकार एतद् द्वारा आवश्यकतानुसार लोक उद्देश्य के कार्यो तथा आधारभूत सरचना एवं लोक प्रयोजन के परियोजनाओं हेत् रैयतो से भूमि लीज पर प्राप्त करने के लिए बिहार रैयती भूमि लीज नीति 2014 के निर्देशानुसार ग्रामीण कार्य विभाग औरंगाबाद द्वारा PMGSY शीर्ष अन्तर्गत सड़क निर्माण हेत् निजी भूमि की आवश्यकता है।

जिसका विवरण निम्नवत है:-

क्र0 सं0	पथ का नाम	जिला का नाम	प्रखंड का नाम	रैयती भूमि का विवरणी		भूमि का रकवा (डि0)
				खाता नं0	प्लॉट नं0	
1	T04 से सिनुरिया	औरंगाबाद	औरंगाबाद	15	100	0.08 डि0
					101	0.18 डि0

भूमि स्वामि से अनुरोध है कि विज्ञापन प्रकाशित होने के एक सप्ताह के अन्दर ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल औरंगाबाद के कार्यालय में कार्य दिवस में उपस्थित होकर सहमति प्रदान करें।

विस्तृत जानकारी **state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

PR- 23076 (R W D) 2024-25

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग
कार्य प्रमंडल औरंगाबाद।

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या- बी.सी.ई.सी.ई.बी. (डी.सी.ई.सी.ई.)-2025/02 दिनांक- 01.04.2025

डिप्लोमा-सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2025

[पॉलिटेकनिक (अभियंत्रण)/ पारा मेडिकल (माध्यमिक स्तरीय)/ पारा मेडिकल (इंटरमीडिएट स्तरीय)]

1. निम्नांकित पाठ्यक्रम समूहों में नामांकन हेतु आयोजत की जाने वाली डिप्लोमा-सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा [DCECE (PE/PMM/PM)]-2025 में सम्मिलित होने के लिये निर्धारित प्रपत्रों में Online आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं :-
   (क) (i) पॉलिटेकनिक (अभियंत्रण) पाठ्यक्रम समूह (PE): बिहार राज्य के अंतर्गत राजकीय / निजी पॉलिटेकनिक संस्थानों के अभियंत्रण डिप्लोमा पाठ्यक्रमों (ii) पारा मेडिकल (माध्यमिक स्तरीय) पाठ्यक्रम समूह (PMM): बिहार सरकार के विभिन्न अस्पतालों / संस्थानों के पारा मेडिकल ड्रेसर पाठ्यक्रम (iii) पारा मेडिकल (इंटरमीडिएट स्तरीय) पाठ्यक्रम समूह (PM): बिहार राज्य के विभिन्न राजकीय / निजी अस्पतालों / संस्थानों के पारा मेडिकल पाठ्यक्रम।
   (ख) पॉलिटेकनिक (अभियंत्रण) पाठ्यक्रमों के लिये विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, बिहार सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट योग्यता सम्बन्धी अभातशिप (AICTE) के बन्धेज लागू होंगे।
   (ग) पारा मेडिकल [PM] (इंटरमीडिएट स्तरीय) नर्सिंग पाठ्यक्रमों के लिये स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट अर्हता सम्बन्धी नर्सिंग कॉउंसिल ऑफ इंडिया के बंधेज लागू होंगे।
2. Online आवेदन के लिये Registration करने की प्रारम्भिक तिथि **02.04.2025** और अंतिम तिथि **30.05.2025** निर्धारित है।
3. पर्षद के **Website: bceceboard.bihar.gov.in** पर DCECE-2025 की उपलब्ध विवरण पुस्तिका में अभ्यर्थियों के लिए योग्यता/ अर्हता/ संस्थानों/ पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित विस्तृत विवरण एवं आवश्यक निर्देशों को देखा जा सकता है।

Online आवेदन प्रक्रिया / विशेष जानकारी के लिए विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.सी.ई.सी.ई.)-**2025/01** दिनांक 01.04.2025 पर्षद के वेबसाईट bceceboard.bihar.gov.in पर देखें ।

परीक्षा नियंत्रक

Govt. of Bihar

Public Health Engineering Department
Public Health Engineering Division, Aurangabad

SHORT RE-TENDER NIT No -10R3/2024-25 (O&M-PRD)

National Competitive Bidding

(Through e-procurement mode on www.eproc2.bihar.gov.in)

1	Designation and Address of Advertiser	Executive Engineer, Public Health Division, **Aurangabad**
2	Date of issue of Tender Notice	26.03.2025
3	Period of sale (downloading) of tender Bid Document	07.04.2025 to 16.04.2025 up to17:00 Hrs. through www.eproc2.bihar.gov.in
4	Date, time & place of pre-bid meeting	09.04.2025 at 11.30 hrs. hrs in the Office of Executive Engineer P. H. Division, **Aurangabad.**
5	Last date and time of receipt (uploading) of tender	16.04.2025 up to 17:00Hrs on www.eproc2.bihar.gov.in
6	Date and time of opening of technical bid	17.04.2025 at 11:00Hrs on www.eproc2.bihar.gov.in
7	Date and time of opening of financial bid	Executive Engineer, Public Health Division, **Aurangabad**

8. Details of works: Name of Work:- Comprehensive operation and maintenance and Special repair of ward level Piped Water Supply Schemes constructed by the "Panchayati Raj Department" and handed over to PHED for 4 years; excluding the cost of energy charges and operator wages.

Gr. No.	Block	Estimated Cost (in Lakh)	Amount of Earnest Money (in Lakh)	Cost of Tender Document (non-refundable) (in Rs.)	BSEDC Bid Processing Fee (in Rs.)	Time Period of maintenance (in months)
1	2	3	4	5	6	7
2	Navinagar, Barun, Kutumba -Total No of Scheme-715	1544.40	25.45	10000	5900	48 Month

For further details please visit website **state.bihar.gov.in/prdbihar**

PR- 23073 (P H E D) 2024-25

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

Executive Engineer
Public Health Division, Aurangabad.

संक्षिप्त समाचार

5 हजार रुपए के लिए युवक पर जानलेवा हमला

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद के अंबा बाजार में मंगलवार शाम को एक लेनदेन विवाद में युवक पर नुकीले हथियार से हमला कर दिया गया। घायल युवक आकाश कुमार उर्फ रंजन को पहले कुटुंबा रेफरल अस्पताल और फिर गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल रेफर किया गया। घटना की जानकारी देते हुए आकाश ने बताया कि उसने अपने भाई राहुल की शादी के लिए ज्वैलर्स के मालिक अक्षय सोनी से 2।5 लाख रुपए के गहने उधार लिए थे। उसने 2 लाख रुपए चुका दिए थे।

शेष 50 हजार रुपए के लिए दुकानदार लगातार दबाव बना रहा था। इस विवाद में पहले भी दो बार मारपीट हो चुकी थी।

फोन पर गालियां भी दीं- अंबा थाने में पुलिस ने एक महीने में पैसे चुकाने का बांड बनवाया था। आकाश ने 45 हजार रुपए और चुका दिए। मात्र 4-5 हजार रुपए बाकी थे। मंगलवार शाम को दुकानदार का कर्मचारी चंदन सोनी पैसे मांगने आया। आकाश ने धंधा मंदा होने की बात कही। इस बात पर वह चंदन के फोन पर गालियां दीं।

क्या बोली पुलिस- आकाश जब दुकान पर बात करने गया, तो दुकानदार और उसके साथियों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। नुकीले हथियार से वार किए गए, जिससे कई जगह से खून निकलने लगा। थानाध्यक्ष राहुल राज ने कहा कि मारपीट की सूचना मिली है। आवेदन मिलते ही स्वढ्ढकदर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रसव के बाद प्रसूता की बिगड़ी तबीयत, मौत

छपरा, एजेंसी। छपरा के भगवान बाजार थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में चिकित्सकीय लापरवाही से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान मकेर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी देवेंद्र कुमार की पत्नी नेहा देवी के रूप में हुई है। मृतका के परिजनों ने बताया कि नेहा का पांच दिन पहले प्रसव हुआ था।

खून की कमी के कारण उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने ब्लड चढ़ाने की सलाह दी। पहला यूनिट सफलतापूर्वक चढ़ाया गया। दूसरे यूनिट के दौरान अस्पताल कर्मियों ने लापरवाही बरती।

घटना के बाद अस्पताल छोड़कर भागे कर्मी- मृतका के पति देवेंद्र कुमार ने बताया कि स्टाफ ने बार-बार सुई लगाने की कोशिश की। असफल होने पर उन्हें पैसों का इंतजाम करने के लिए बाहर भेज दिया। एक घंटे बाद लौटने पर नेहा की हालत गंभीर थी और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। अस्पताल का समूचा स्टाफ मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना के बाद पहुंची भगवान बाजार थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और फरार अस्पताल कर्मियों की तलाश जारी है।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, चालक की मौत

जमुई, एजेंसी। जमुई में मलयपुर-गिद्धौर मुख्य मार्ग पर एक दुर्दैवी घटना सामने आई। कटौना के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से एक बाइक टकरा गई। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के प्रतापपुर निवासी अशर्फी राम के बेटे विनोद राम (40) के रूप में हुई।

परिजनों ने बताया कि विनोद का खुद का एक ट्रक था। सोमवार की रात वह अपने ट्रक का निरीक्षण करने मलयपुर गए थे। वापसी के दौरान कटौना के पास उनकी बाइक तेज रफ्तार और अंधेरे के कारण सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने घायल विनोद को सदर अस्पताल पहुंचाया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

क्या लोकसभा की तर्ज पर एनडीए में बिहार विधानसभा सीटों का होगा बंटवारा?

पटना, एजेंसी। बिहार में इस साल विधानसभा का चुनाव होना है। बीजेपी के चाणक्य अमित शाह के बिहार दौरे के बाद सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। एनडीए में पांच घटक दल शामिल हैं। विशेषज्ञ भी कह रहे हैं लोकसभा में एनडीए के घटक दलों ने आसानी से समझौता किया था इसलिए फार्मूला लोकसभा वाला हो सकता है। ऐसे सभी दल की इच्छा होती है कि अधिक से अधिक सीट मिले और इसलिए विधानसभा में इस बार प्रेशर अधिक होगा।

सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा: लोकसभा चुनाव में भी पांचों घटक दल थे और 40 लोकसभा सीटों में से 17 बीजेपी, 16 जदयू, पांच लाजपा रामविलास, एक सीट हम और एक सीट उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा को मिला था।अब लोकसभा के तर्ज पर ही बिहार विधानसभा के 243 सीटों का भी बंटवारा होगा। आधिकारिक रूप से भले ही घोषणा नहीं हुई है लेकिन अंदर खाने से जो खबर आ रही है विधानसभा में सीट शेयरिंग का फार्मूला लोकसभा के फार्मूले को ध्यान में रखकर ही किया जाएगा।

जिताऊ उम्मीदवार पर जोर: अमित शाह बिहार दौरे में जहां बीजेपी को और एनडीए के घटक दलों को विजय का मूल मंत्र दिया है तो वही एकजुटता दिखाने की कोशिश भी की है। बिहार में एनडीए के पांचों घटक दल लोकसभा चुनाव में एकजुटता के साथ ताकत दिखाई थी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा को छोड़ दें तो सभी घटक दलों ने लोकसभा में खाता खोला। हालांकि बाद में उपेंद्र कुशवाहा को भी राज्यसभा से एनडीए ने सांसद बना दिया है।

चिराग पासवान को नुकसान: बिहार में पिछले लंबे समय से पांचों घटक दल संयुक्त रूप से अभियान चला रहे हैं। आने वाले समय में विधानसभा स्तर पर भी कार्यक्रम चलेगा। 2020 विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान ने अकेले चुनाव लड़ा था एनडीए से तालमेल नहीं हो पाया था और इसके कारण चिराग पासवान को बहुत नुकसान हुआ। साथ ही जदयू को भी नुकसान हुआ। जदयू पहली बार तीसरे नंबर की पार्टी हो गई और 43 सीटों पर सिमट गई जबकि चिराग पासवान को केवल एक सीट पर ही जीत हासिल हो पाई।

मांझी मांग रहे 40 सीट: चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा इस बार एनडीए में मजबूती से मौजूद हैं और हर मौके पर एकजुटा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। जीतन राम मांझी 2020 में भी एनडीए के साथ थे और उन्हें चार विधानसभा सीटों पर जीत भी हासिल हुई थी। इस बार भी एनडीए के साथ है हालांकि जीतन राम मांझी कई मौकों पर बयान भी दे देते हैं जो चर्चा में रहता है 40 सीटों की डिमांड करते रहे हैं। हालांकि बाद में अपने बयान से मुकर भी जाते हैं।

लोकसभा में एनडीए को मिली थी 40 सीट: पिछले साल लोकसभा चुनाव में एनडीए ने एकजुटता दिखाते हुए 40 में से 30 सीटों पर शानदार जीत हासिल की। चिराग पासवान को 5 सीट मिला था पांचों पर जीत हासिल हुई बीजेपी ने 17 में से 12 सीट तो जदयू ने 16 में से 12 सीट पर जीत हासिल किया हम को एक सीट मिला था।

लोकसभा के फार्मूले पर बंटवारा हुआ तो आपत्ति

अब सवाल यह है कि क्या यदि लोकसभा की तर्ज पर विधानसभा में पांचो घटक दल के बीच सीटों का बंटवारा होता है तो जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा इसके लिए तैयार होंगे या नहीं? क्योंकि उन्हें केवल छह या सात विधानसभा सीट ही मिलेगी।

लोकसभा के फार्मूले से किसे कितना सीट मिलेगा

लोकसभा के फार्मूले पर यदि बिहार में सीटों का बंटवारा हुआ तो 243 सीटों को लोकसभा की 40 सीटों के हिसाब से बांटते हैं तो प्रत्येक लोकसभा सीट पर छह विधानसभा सीट के आसपास बैठता है। ऐसे में बीजेपी को 17 सीट लोकसभा में मिला था तो विधानसभा में 102 सीट होता है, जदयू को 16 सीट मिला था तो विधानसभा में 96 सीट होता है।

जिताऊ उम्मीदवार पर जोर

लोकसभा चुनाव के दौरान भी वीआईपी को लाने की कोशिश हुई थी लेकिन मुकेश सहनी का डिमांड बहुत ज्यादा था और बीजेपी उसके लिए तैयार नहीं हुई। ऐसे तो विधानसभा चुनाव में अभी 6- 7 महीने का समय है और वीआईपी भी एनडीए में आ गई तो उसे भी एनडीए के बड़े घटक दलों को अपने हिस्से से कुछ सीट देना होगा। अमित शाह के बिहार दौरे में जहां भाजपा नेताओं को जीत का मूल मंत्र दिया गया है तो ही एनडीए के घटक दलों को भी जिताऊ उम्मीदवार पर जोर देने और एकजुटता दिखाने की नसीहत दी गई है।

2020 में थे 5 दल

2020 विधानसभा चुनाव में एनडीए में चार दल शामिल थे। बीजेपी और जदयू के बीच लगभग बराबर सीटों का बंटवारा हुआ था। जदयू को 122 सीट मिला था तो बीजेपी को 121 सीट जदयू ने अपने कोटे की सीट में से जीतन राम मांझी की पार्टी को 7 सीट दिया था जबकि भाजपा ने वीआईपी को 11 सीट बाद में वीआईपी एनडीए से बाहर हो गई वहीं चिराग पासवान की पार्टी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी एनडीए में शामिल हो गए।

पांचों दल एकजुटता दिखा रहें

लोकसभा में एनडीए में 5 दल थे और विधानसभा चुनाव में भी पांचों दल अपनी एकजुटता दिखा रहे हैं। एक बार फिर से बीजेपी और जदयू के बीच लगभग बराबर बराबर सीटों का बंटवारा होना तय माना जा रहा है। कुछ सीटों का अंतर हो सकता है और शेष बचे सीटों में शेष तीनों दलों को दिया जाएगा और उसमें भी सबसे बड़ा हिस्सा चिराग पासवान की पार्टी को जाना है।

225 सीट जीतने का लक्ष्य

2020 की तरह चिराग पास इस बार कोई गलती करेंगे इसकी संभावना कम है। बिहार एनडीए ने इस बार 225 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है और राजनीतिक जानकार कह रहे हैं कि सीटों के बंटवारे में कोई विवाद नहीं हुआ तो एनडीए 2010 वाली फिर से विजय पताका फराह सकती है।

ऑटो और ई-रिक्शा से बच्चों को स्कूल ले जाने पर बैन, नीतीश सरकार के फैसले से यूनियन नाराज

पटना, एजेंसी। एक अप्रैल यानी मंगलवार से ऑटो और ई-रिक्शा से स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसे लागू करने के लिए यातायात पुलिस ने तैयारी पूरी कर ली है। मंगलवार से जो भी ऑटो और ई-रिक्शा स्कूली बच्चों को ढोते पाए जाएंगे, उनपर यातायात पुलिस कार्रवाई करेगी। इसके लिए ट्रैफिक एसपी ने कर्मियों को निर्देश जारी किया है।

ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने बताया कि मंगलवार सुबह से ही प्रमुख चौक-चौराहे सहित स्कूलों के समीप यातायात पुलिस की टीम तैनात रहेगी। निर्देश के बावजूद परिचालन करते पाए जाने पर ऑटो और ई-रिक्शा मालिकों पर जुर्माना लगाया जाएगा। राजधानी में नियमों के विपरीत ऑटो और ई-रिक्शा से स्कूली बच्चों को ढोया जा रहा है। उन वाहनों में बच्चों की सुरक्षा के उपाय तो दूर तीन यात्री की सीट पर आठ से 10 बच्चों को ठूंस कर बिठाया जा रहा है।

वहीं, अप्रशिक्षित चालक होने के कारण ऑटो और ई-रिक्शा से लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। पटना में करीब पांच हजार ऑटो और ई-रिक्शा स्कूली सेवा में लगे हैं। कार्रवाई के लिए आयकर गोलंबर, डाकबंगला चौराहा, बोरिंग रोड और दीघा चौराहे के अलावा स्कूलों के समीप यातायात पुलिस मौजूद रहेगी। परिवहन विभाग भी स्थिति पर नजर रखेगा। जुर्माना के अलावा वाहन जब्त भी किए जा सकते हैं।

ऐसे वाहनों के लिए नियम तय- स्कूली बच्चों को ढोने वाले वाहनों के लिए नियम तय हैं। वाहन का रंग पीला और चालक प्रशिक्षित होने के साथ ही बच्चों की सुरक्षा के लिए खिड़की पर ग्रिल लगा होना चाहिए। वाहन में प्राथमिक चिकित्सा किट और आग बुझाने वाले उपकरण अनिवार्य हैं।

यूनियन विरोध में उतरा- ऑटो और ई-रिक्शा से बच्चों को स्कूल नहीं ले जाया जाएगा। इसका फैसला तमाम ऑटो यूनियनों ने लिया है। मंगलवार से कई स्कूल खुल रहे हैं। ऑटो और ई-रिक्शा से बच्चों को स्कूल नहीं ले जाने के आदेश का विरोध तमाम ऑटो यूनियन कर रहे हैं। इसको लेकर ऑटो यूनियन द्वारा बुधवार को गर्दनीबाग में धरना भी दिया जाएगा। ऑटो यूनियन के अजय पटेल ने बताया कि परिवहन विभाग के इस आदेश से ऑटो और ई-रिक्शा चालक की रोजी-रोटी प्रभावित होगी। आदेश के विरोध में हमलोगों ने बच्चे को स्कूल नहीं ले जाने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि इस आदेश से राजधानी समेत जिले के 50 हजार से अधिक स्कूली बच्चे प्रभावित होंगे। ये बच्चे ऑटो या ई-रिक्शा से स्कूल आते-जाते हैं।

बिहार में 62 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को राहत, श्रमिकों की भी बढ़ी मजदूरी

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने 62 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को राहत दी है। आज से स्मार्ट प्रीपेड मीटर वाले उपभोक्ताओं को 25 पैसे प्रति यूनिट सस्ती बिजली मिलेगी। बिहार में 2.12 करोड़ से अधिक बिजली उपभोक्ता है। उसमें से सवा करोड़ ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को 54 पैसे प्रति यूनिट आज से कम भुगतान करना होगा। 31 मार्च 2026 तक यह व्यवस्था लागू रहेगी।

बिजली उपभोक्ताओं को राहत

ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को अभी 50 यूनिट तक 7.42 रुपये प्रति मिनट की राशि का भुगतान करना पड़ता है। वहीं 50 से अधिक यूनिट होने पर 7.96 प्रति यूनिट का भुगतान करना पड़ता है। हालांकि सरकार इस पर सब्सिडी देती है। 50 यूनिट में तो कोई फेर बदल नहीं किया गया है। 50 यूनिट से अधिक खर्च करने वाले उपभोक्ताओं को 54 पैसे कम यानी 7.42 रुपये प्रति यूनिट का भुगतान करना होगा।

प्रीपेड मीटर वाले उपभोक्ताओं के लिए शानदार ऑफर

उधर शहरी घरेलू उपभोक्ताओं को अभी 100 यूनिट बिजली खर्च करने पर 7.42 रुपए प्रति यूनिट के दर से भुगतान करना होता है। 100 यूनिट से अधिक खर्च करने पर 8.95 प्रति मिनट का भुगतान करना होता है। शहरी उपभोक्ताओं के लिए कोई फेर बदल नहीं किया गया है लेकिन प्रीपेड मीटर वाले उपभोक्ताओं को 25 पैसे प्रति यूनिट कम राशि देना होगा। सरकार शहरी और ग्रामीण दोनों उपभोक्ताओं के लिए के लिए सब्सिडी देती है। 2024 -25 में नीतीश सरकार 15343 करोड़ सब्सिडी दे रही है।

6 महीने तक नहीं लगेगा जुर्माना

स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को सरकार पहले से ही राहत दे रही है। अगर ऐसे उपभोक्ता 6 महीने तक लोड से अधिक बिजली की खपत करते हैं तो उन्हें जुर्माना नहीं देना होगा। हालांकि जिन उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर 6 महीने से पुराने हो चुके हैं और वह तय लोड से अधिक की खपत कर रहे हैं तो उन्हें इसके लिए जुर्माना देना होगा।

बिहार में श्रमिकों की बढ़ी मजदूरी:

वहीं बिहार सरकार ने श्रमिकों की मजदूरी भी आज से ?12 बढ़ा दी है और कुशल मजदूरों को प्रतिदिन 412 रुपये के बदले अब 424 रुपये प्रतिदिन मजदूरी मिलेगी। श्रम संसाधन विभाग की ओर से न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 के अंतर्गत बढ़ोतरी की गई है। अर्द्ध कुशल मजदूर को 428 के जगह अब 440 रुपये प्रतिदिन मिलेगा। वहीं कुशल मजदूरों को 521 रुपये की जगह अब 533 रुपये प्रतिदिन मिलेगा अति कुशल श्रमिकों को 636 के जगह 654 रुपये प्रतिदिन मिलेगा।

सहरसा का 72वां स्थापना दिवस

कोसी प्रमंडल का मुख्यालय, लेकिन विश्वविद्यालय की कमी से छात्र परेशान

सहरसा, एजेंसी। सहरसा जिले को स्थापित हुए 72 वर्ष पूरे हो गए हैं। एक अप्रैल 1954 को भागलपुर और मुंगेर के कुछ हिस्सों को मिलाकर इस जिले का गठन किया गया था। 2 अक्टूबर 1972 को इसे कोसी प्रमंडल का मुख्यालय बनाया गया। जिले में सदर अस्पताल, राजकीय पॉलिटेक्निक, महिला कॉलेज और स्कूलों की स्थापना हुई। साथ ही, सरकारी कार्यालय और आवासीय परिसर भी बनाए गए। लेकिन आज तक जिले में एक भी विश्वविद्यालय नहीं है।

मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य नहीं हुआ शुरू- शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिले ने प्रगति की है। दो निजी मेडिकल कॉलेज, सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज और आईटीआई की स्थापना हुई है। पिछले साल सरकारी मेडिकल कॉलेज को मंजूरी मिली। लेकिन अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है।

लालू राज में नहीं बना विश्वविद्यालय- रिटायर्ड प्रोफेसर रामजी प्रसाद (80) बताते हैं कि 1980 के दशक में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ। जगन्नाथ मिश्रा ने विश्वविद्यालय निर्माण की पहल की थी। सहरसा कॉलेज में इसकी आधारशिला भी रखी गई। लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के कार्यकाल में यह विश्वविद्यालय मधेपुरा में स्थानांतरित कर दिया गया।

विकास की नई संभावनाएं- हालांकि, मक्का आधारित उद्योग, मछली और मखाना उत्पादन से जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है। शहर में हवाई पट्टी के विस्तार की योजना है। छोटे विमानों के संचालन से विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

छात्रों को होती है परेशानी

विद्यार्थी विद्याभूषण ने बताया कि बिहार के सभी 9 प्रमंडलों के जिला मुख्यालयों में विश्वविद्यालय है। केवल सहरसा ही ऐसा कमिश्नरी मुख्यालय है, जहां विश्वविद्यालय नहीं है। इससे क्षेत्र के छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विकास की एक अन्य बड़ी बाधा है रेलवे फ्लाईओवर का न होना। दो भागों में विभक्त रेल मार्ग के ऊपर आज तक फ्लाईओवर का निर्माण नहीं हो सका है, जिससे नागरिकों को दैनिक यातायात में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

हालांकि, संपर्क सुविधाओं में सुधार हुआ है। कोसी नदी पर बलुआहा पुल बनने से पश्चिमी क्षेत्रों से जुड़ाव बढ़ा है। 2005 में ब्रांड गेज से जुड़ने के बाद पटना, कोलकाता, दिल्ली और मुंबई के लिए सीधी रेल सेवा शुरू हुई। लेकिन एनएच 107 और उग्रतारा मार्ग का निर्माण पूरा होने पर यातायात और सुगम होगा।

प्रो डॉ गोपाल प्रसाद सिंह कहना है कि लालू की सरकार में विश्वविद्यालय को जब मधेपुरा में स्थानांतरित कर दिया गया। जनता को उसी समय सरकार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए थी। साथ ही, शिक्षकों को आगे आकर अपनी मांग रखनी चाहिए थी। लेकिन उस समय किसी ने इसका विरोध नहीं किया और यहीं वजह है कि आज तक हमारे जिले में विश्वविद्यालय नहीं है।

ललन सिंह ने तेजस्वी पर कसा तंज, कहा- सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र के बाद तेजस्वी यादव का ही स्थान है

पटना, एजेंसी। बिहार में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। इसे देखते हुए प्रदेश में बड़े नेताओं का दौरा जारी है। उनके मिशन बिहार और बयानों पर सिसायत भी घमासान का रूप लेता जा रहा है। शनिवार को बीजेपी के चाणक्य अमित शाह दो दिवसीय पर बिहार आए और पटना और गोपालगंज में हुंकार भरी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अमित शाह पर झूठ बोलकर जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया तो नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के ललन सिंह ने पलटवार कर दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र के बाद तेजस्वी यादव का ही स्थान है।

ललन सिंह से पटना में पत्रकारों ने अमित शाह को लेकर तेजस्वी यादव के बयान पर सवाल पूछा। इस पर तंज कसते हुए ललन सिंह ने कहा कि सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र के बाद तेजस्वी यादव का ही स्थान है। हरिश्चचंद्र बनते रहें और पीठ अपना थपथपाते रहें। अमित शाह ने जो भी कहा है, सत्य कहा है। तेजस्वी यादव को चिंता करने की जरूरत नहीं है वे अपनी चिंता करें। बिहार की जनता तय कर लेगी कि उनका स्थान कहां है। एनडीए के सभी घटक दल मजबूती से साथ हैं और हम लोग एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे और 2025 में बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी।

अमित शाह के दौरे पर लालू यादव का भी बयान आया है। पांच साल में बिहार को बाढ़ की समस्या पर पूर्ण नियंत्रण करने के अमित शाह के बयान पर लालू यादव ने कहा कि बीस सालों से बाढ़ को आमंत्रण दे रहे थे क्या? सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लालू प्रसाद ने लिखा कि एक बार हमे मौके मिले तो बाढ़ नियंत्रण का काम करेंगे। अमित शाह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बिहार में आ रहे हैं। 24 अप्रैल को मधुबनी में उनकी जनसभा प्रस्तावित है। राष्ट्रीय पंचायत दिवस के मौके पर बिहार भर के पंचायत प्रतिनिधि जुटेंगे और मोदी देश को हजारों करोड़ की सौगात देंगे।

डालमिया भारत ने वित्त वर्ष 2025 तक 49.5 एमटीपीए उत्पादन क्षमता का लक्ष्य किया हासिल

निज संवाददाता | कल्याणपुर (रोहतास)

भारत की प्रमुख सीमेंट उत्पादक कंपनी, डालमिया भारत लिमिटेड (डीबीएल) ने वित्तीय वर्ष 2025 तक 49.5 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) उत्पादन क्षमता का महत्वपूर्ण लक्ष्य हासिल कर लिया है। 30 मार्च 2025 से बिहार के रोहतास स्थित रोहतास सीमेंट वर्क्स (आरसीडब्ल्यू) में 0.5 एमटीपीए की अतिरिक्त क्षमता के साथ व्यावसायिक उत्पादन की शुरुआत हो गई है। इस विस्तार के लिए कंपनी ने 96 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिसके बाद इस संयंत्र की कुल उत्पादन क्षमता 1.6 एमटीपीए तक पहुँच गई है। इस कदम के साथ, डालमिया भारत ने पूर्वी भारत में अपनी पकड़ को और मजबूत किया है। कंपनी के दीर्घकालिक विकास लक्ष्य के अनुसार, वर्ष 2031 तक इसका उत्पादन क्षमता 110-130 एमटीपीए तक पहुँचने का लक्ष्य है। इस अवसर पर डालमिया भारत लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, पुनीत डालमिया ने कहा, "पूर्वी भारत में हमारी बढ़त इस क्षेत्र के विकास में हमारे विश्वास और समर्पण को दर्शाती है। इस विस्तार के साथ, हम बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को और अधिक समर्थन देने में सक्षम होंगे और साथ ही क्षेत्रीय आर्थिक तरक्की में भी योगदान करेंगे। मुझे खुशी है कि हम वित्तीय वर्ष 2025 के लिए 49.5 मिलियन टन का उत्पादन लक्ष्य हासिल कर पाए हैं, जो हमारे विस्तार के सफर का एक और अहम पड़ाव है।" डालमिया भारत का पूर्वी भारत में एक मजबूत नेटवर्क है, जिसमें बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा की विनिर्माण इकाइयाँ शामिल हैं। इस विस्तार के बाद कंपनी की क्षमता बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स जैसे सड़क, रेलवे और हवाई अड्डों की बढ़ती मांग को पूरा करने में और अधिक सक्षम होगी। यह पहल नए रोजगार के अवसरों को भी उत्पन्न करेगी, साथ ही क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति प्रदान करेगी। डालमिया भारत ने हमेशा अपने नवाचार, सतत विकास और उच्च गुणवत्ता वाले सीमेंट समाधानों के माध्यम से देश की बढ़ती इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरतों को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

मंत्री दीपिका ने किया क्षेत्र का भ्रमण समस्या के समाधान का दिया भरोसा

जनसंवाद में उठी सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली की बात

- मंत्री के आगमन से ग्रामीणों में उम्मीद की किरण जागी और बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर उनके समक्ष पहुंचे
- मंत्री ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश
- ईद के मौके पर भाईचारे का दिया संदेश
- जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से ली विकास कार्यों की जानकारी

निज संवाददाता | मेहरमा

ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज मंत्री सह महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने मंगलवार को मेहरमा प्रखंड क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर जनता की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का आश्वासन दिया। मंत्री के आगमन से ग्रामीणों में उम्मीद की किरण जाग उठी और बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर उनके समक्ष पहुंचे। मंत्री दीपिका सबसे पहले सुखाड़ी पंचायत के सुखाड़ी गांव पहुंचीं, जहां समाजसेवी सह कांग्रेस कार्यकर्ता मो० राशिद रजा उर्फ डब्लू के आवास पर एक जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को मंत्री के समक्ष रखा। ग्रामीणों ने बताया कि इलाके में सड़कें जर्जर स्थिति में हैं, जिससे आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। बारिश के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है। वहीं, पेयजल संकट भी विकराल बना हुआ है, कई गांवों में हैंडपंप और जलमीनार खराब पड़े हैं, जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ता है। इसके अलावा, बिजली आपूर्ति में भी भारी अनियमितता की शिकायतें सामने आईं। ग्रामीणों ने बताया कि गांवों में लो-वोल्टेज की समस्या बनी रहती है, जिससे किसान और छोटे व्यापारी काफी परेशान हैं। कई जगहों पर ट्रांसफार्मर खराब पड़े हैं, लेकिन समय पर उनकी मरम्मत नहीं होती। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी लोगों ने नाराजगी जाहिर की। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की हालत दयनीय बनी हुई है। डॉक्टरों और जरूरी दवाओं की कमी के कारण मरीजों को मजबूरन महंगे निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समाधान का भरोसा दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित विकास योजनाओं की सूची तैयार कर जल्द से जल्द कार्य पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना सरकार की पहली प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने कहा कि जिन लोगों को अब तक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला है, उनके नाम जल्द से जल्द सूचीबद्ध कर लाभ पहुंचाया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए आवास योजना को लेकर गंभीरता दिखाई और कहा कि कोई भी योग्य व्यक्ति इस योजना से वंचित न रहे। इस दौरान मंत्री ने ईद-उल-फितर के शुभ अवसर पर उपस्थित लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पर्व आपसी भाईचारे और सौहार्द्र का संदेश देता है, जो समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी से मिल-जुलकर त्योहार मनाने और सामाजिक सौहार्द्र बनाए रखने की अपील की। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने मौके पर मौजूद स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से भी बातचीत की और क्षेत्र में चल रही विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर गांव में विकास कार्यों को गति दी जाए और जिन परियोजनाओं में देरी हो रही है, उनकी जवाबदेही तय की जाए। इस दौरान सुखाड़ी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि परवेज आलम, पूर्व मुखिया शेख साबिर अली, मो० अफरोज आलम, मो० नईम सहित कई गणमान्य लोग, ग्रामीण एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे। मंत्री के इस दौरे से क्षेत्र के लोगों में एक नई उम्मीद जगी है कि जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान होगा और विकास की गाड़ी फिर से पटरी पर लौटेगी।

चोरों ने वेंटिलेटर तोड़कर घर में की सेंधमारी लाखों के आभूषण और नगदी लेकर फरार

- बढ़ती चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में दहशत

निज संवाददाता | मेहरमा

स्थानीय थाना क्षेत्र के पिरोजपुर-भगैया मुख्य सड़क के किनारे स्थित सोरेन होटल के सामने खंधार गांव में अज्ञात चोरों ने एक सुनसान घर को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने बड़ी चालाकी से घर के सामने लगे वेंटिलेटर को तोड़कर घर में प्रवेश किया और गोदरेज में रखे लाखों के आभूषण और नगदी लेकर फरार हो गए। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और लोगों में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गृहस्वामी जनार्दन पंडित अपनी पत्नी के साथ रविवार अहले सुबह अपनी पुत्री के घर, बरहेट स्थित तिलभिठ्ठा गांव गए हुए थे। घर खाली होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने सोमवार रात इस वारदात को अंजाम दिया। मंगलवार अहले सुबह गांव के ही एक सगे-संबंधी की नजर जब घर के सामने पड़े वेंटिलेटर पर पड़ी, जो टूटा हुआ था, तो उसे तुरंत चोरी की आशंका हुई। संदेह होने पर उन्होंने जनार्दन पंडित को फोन कर इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही वे अपनी पत्नी के साथ घबराए हुए घर पहुंचे। मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे उन्होंने मुख्य दरवाजे का ताला खोलकर अंदर प्रवेश किया तो वहां का दृश्य देखकर सन्न रह गए। घर के अंदर का सारा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। गोदरेज के दरवाजे खुले हुए थे और एक कमरे की कुंडी तोड़ दी गई थी, जबकि दूसरे कमरे का ताला भी खुला हुआ था। घर में बिखरे सामान और टूटी कुंडी को देखते ही उन्हें समझ में आ गया कि चोरों ने उनकी गाढ़ी कमाई पर हाथ साफ कर दिया है। चोरी हुए सामान की जांच-पड़ताल करने पर पाया गया कि गोदरेज में रखे साढ़े तीन लाख रुपए नगद और हजारों की कीमत के सोने-चांदी के जेवरात गायब थे। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय मुखिया को सूचित किया गया।

इसके बाद तत्काल मेहरमा थाना पुलिस को भी खबर दी गई। चोरी की सूचना मिलते ही थाना के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद साक्ष्यों की जांच-पड़ताल की और गृहस्वामी से पूछताछ की। साथ ही पीड़ित से जल्द से जल्द लिखित आवेदन देने को कहा, ताकि मामले की विधिवत जांच शुरू की जा सके। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर मुख्य सड़क के किनारे ही ऐसी चोरी की वारदात हो सकती है, तो अंदरूनी गांवों में रहने वाले लोग आखिर कितने सुरक्षित हैं? लोगों ने पुलिस की निष्क्रियता पर नाराजगी जताई और कहा कि पुलिस की लचर कार्यशैली के कारण चोरों और अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। बीते कुछ महीनों से इस क्षेत्र में चोरी और आपराधिक घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है, लेकिन पुलिस अब तक अधिकतर मामलों को सुलझाने में नाकाम रही है। कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने पुलिस गश्ती व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। लोगों ने कहा कि अगर पुलिस क्षेत्र में नियमित गश्त करती तो चोरों के हौसले इतने बुलंद नहीं होते। इलाके में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस प्रशासन सुस्त पड़ा है और अपराधी बेलगाम हो गए हैं। इससे लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। अब देखने वाली बात यह होगी कि पुलिस इस मामले में कितनी तेजी से जांच कर चोरों को पकड़ पाती है और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में कितनी सफल होती है। फिलहाल, चोरी की इस बड़ी वारदात के बाद क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है और वे पुलिस से ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पिता ने कुल्हाड़ी से वार कर की पुत्र की निर्मम हत्या

निज संवाददाता | दुमका

जिले के जामा थाना क्षेत्र के तरबंधा गांव में सोमवार देर रात एक हृदयविदारक घटना घटी, जहां एक कलयुगी पिता ने शराब के नशे में धुत होकर अपने ही पुत्र की कुल्हाड़ी से बेरहमी से हत्या कर दी। इस घटना से पूरा गांव सन्न रह गया। पिता और पुत्र के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था, जो इस हद तक बढ़ गया कि अंततः एक निर्दयी हत्या में बदल गया। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गहन जांच में जुट गई है। घटना की सूचना मिलते ही जामा थाना प्रभारी अजीत कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय रमेश राय के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पिता मदन राय की उम्र 50 वर्ष बताई जा रही है। इस घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग इस निर्मम हत्याकांड को लेकर स्तब्ध हैं और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बारे में मृतक की पत्नी पंचवती देवी ने बताया कि सोमवार रात करीब 9 बजे उसके ससुर मदन राय नशे की हालत में घर पहुंचे और पुरानी जमीन विवाद को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। पहले भी इस विवाद को लेकर परिवार में कई बार बहस हो चुकी थी, लेकिन इस बार मामला ज्यादा गंभीर हो गया। झगड़े की आवाज सुनकर गांव के कुछ लोग पहुंचे और उन्होंने किसी तरह मामले को शांत कराया। लोगों के समझाने के बाद ऐसा लगा कि विवाद सुलझ गया है, लेकिन यह शांति ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई। कुछ समय बाद ही मदन राय अचानक घर से कुल्हाड़ी निकाल लाया और रमेश राय पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। कुल्हाड़ी के वार से रमेश गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही खून से लथपथ होकर गिर पड़ा। घायल रमेश को आनन-फानन में इलाज के लिए फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर रांची जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही रमेश ने दम तोड़ दिया। इस हत्याकांड की खबर जैसे ही गांव में फैली, चारों ओर मातम पसर गया। ग्रामीणों की भीड़ रमेश के घर के बाहर जमा हो गई, जहां मृतक की पत्नी और अन्य परिजन बेसुध होकर रो रहे थे।

पोषण को लेकर चलाया जागरुकता अभियान

दुमका (नि.सं.)। एमजी डिग्री कॉलेज रानेश्वर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 1, 3 एवं 5 की ओर से आयोजित विशेष शिविर में मंगलवार को पोषण माह कार्यक्रम के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। पोषण को लेकर विशेष जानकारी ग्रामीणों से साझा किया गया। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम रानेश्वर के रितेश जायसवाल तथा शिकारीपाड़ा प्रखंड से संदीप मंडल ने किशोर की अवस्था से सम्बंधित समस्याओ पर प्रकाश डाला गया। साथ ही सरकार द्वारा बिभिन्न योजनाओ की जानकारी दी गई। हीमोग्लोबिन के बारे मे बिस्तृत जानकारी दी गई ।बी एम आई के बारे मे भी विस्तृत जानकारी दी गई। लड़कियों मे एनीमिया के लक्षण जैसे कामजोरी या चक्कर आना। पढ़ाई या किसी अन्य काम मे ध्यान न लगना।

भव्य कलश शोभायात्रा के साथ श्रीराम कथा का शुभारंभ

निज संवाददाता | ठाकुर गंगटी

प्रखंड क्षेत्र के भगैया गांव में वार्षिक धार्मिक अनुष्ठान के तहत आयोजित श्रीराम कथा के शुभारंभ को लेकर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूब गया। शोभायात्रा में 1101 कलश यात्रियों के साथ झंडा, बैनर, सजीव झांकी, रथ, ढोल-नगाड़े और यजमान, पुरोहित एवं कथावाचक शामिल हुए। पूरे मार्ग में श्रद्धालु भक्तिपूर्ण माहौल में जय श्रीराम के जयघोष के साथ आगे बढ़ते रहे। कलश यात्रा की शुरुआत कथा स्थल बजरंगबली मंदिर परिसर में विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ हुई। पहले पंपसेट के माध्यम से कुएं से जल निकाला गया और उसमें गंगाजल मिलाकर पवित्र किया गया। तत्पश्चात, श्रद्धालु कलश लेकर शोभायात्रा में शामिल हुए, जो विभिन्न गांवों – बिशनपुर, हीरा खुटहरी, बोधराय खुटहरी, कौड़ी खुटहरी, खंधार, मानिकपुर, भगैया बाजार और बड़ी भगैया होते हुए पुनः कथा स्थल पर पहुंचकर समाप्त हुई। वहाँ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कलश की स्थापना की गई। कलश यात्रा के दौरान मार्ग में चार स्थानों पर ग्रामीणों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष सेवा शिविर लगाए गए, जहाँ पेयजल, शरबत और नींबू पानी की व्यवस्था की गई।

शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की धुन पर भक्ति रस में झूमते और नृत्य करते नजर आए। इस दौरान पूरे माहौल में जय श्रीराम, हर हर महादेव और बजरंगबली के गगनभेदी उद्घोष गूंजते रहे। शाम को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ श्रीराम कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश के काशी (बनारसनाथ धाम) से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक परमपूज्य विष्णु पाठक जी महाराज श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम की अलौकिक लीलाओं का रसपान करा रहे हैं। उन्होंने पहले दिन की कथा में श्रीराम जन्म, दशरथ-पुत्र मोह और माता कौशल्या की भक्ति का विस्तार से वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। आयोजन को सफल बनाने में भगैया के यजमान झोरी मंडल, आयोजक समिति के बमबम कुमार मंडल, केदार मंडल, रविंद्र मंडल, गौतम कुमार मंडल, ज्योतिष मंडल, विष्णु मंडल, सुबोध मंडल, प्रेम कुमार, कृष्णा मंडल, विशंभर मंडल सहित बड़ी भगैया और निकटवर्ती गांवों के दर्जनों श्रद्धालु सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

छठ महापर्व को लेकर घाट पर सौंदर्यीकरण और विद्युत व्यवस्था की मांग, ग्रामीणों ने प्रशासन को सौंपा मांग पत्र

निज संवाददाता | मेहरमा

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पत्तिचक-पिरोजपुर स्थित छठ घाट के सौंदर्यीकरण एवं वहां उचित विद्युत व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में गहरी चिंता देखी जा रही है। इसको लेकर पत्तिचक-पिरोजपुर के ग्रामीणों ने स्थानीय प्रखंड प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई है। उनका कहना है कि घाट पर यदि बिजली की समुचित व्यवस्था हो जाए, तो वहां के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को न सिर्फ सुरक्षा का एहसास होगा, बल्कि छठ महापर्व के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं को भी काफी सहूलियत मिलेगी। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल छठ महापर्व के दौरान यहां हजारों श्रद्धालु एकत्रित होते हैं, लेकिन घाट की स्थिति बेहद दयनीय है। न तो वहां पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था है और न ही उचित सौंदर्यीकरण किया गया है, जिससे घाट की स्थिति बदहाल बनी हुई है। इससे सबसे ज्यादा परेशानी छठ व्रतियों को होती है, जो सूर्योदय और सूर्यास्त के समय भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के लिए घाट पर एकत्रित होते हैं। घाट पर रोशनी की कमी और अव्यवस्था के कारण महिलाओं और बुजुर्गों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि यह छठ घाट सीमावर्ती क्षेत्र में आता है, जहां बिहार के भागलपुर जिले के पीरपैंती प्रखंड के बाराहाट क्षेत्र और झारखंड के गोड्डा जिले के मेहरमा प्रखंड के कई गांवों के लोग आस्था के इस महापर्व के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में घाट की बदहाल स्थिति को देखते हुए स्थानीय प्रशासन को अविलंब इस ओर ध्यान देना चाहिए। ग्रामीणों ने कहा कि छठ घाट के सौंदर्यीकरण और वहां पक्के घाट के निर्माण के साथ-साथ शौचालय और पेयजल की उचित व्यवस्था भी की जानी चाहिए, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द ही इस संबंध में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस मांग को लेकर जल्द ही ग्रामीणों द्वारा प्रखंड प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को मांग पत्र सौंपा जाएगा, ताकि छठ महापर्व से पहले घाट को दुरुस्त किया जा सके और सभी श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के छठ पर्व मना सकें। इस मौके पर ललन कुमार शुक्ला, रामू मंडल, विनोद कुंवर, मोहम्मद इरशाद, लालू भगत, मन्नी यादव, मोहम्मद आजाद आलम सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने एकमत होकर यह मांग उठाई कि छठ पर्व से पहले घाट की स्थिति सुधारने के लिए प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

समाजसेवी अरविंद सिंह ने दिव्यांगों को दी वैशाखी

हरिहरगंज (नि.सं.)। समाजसेवी सह मुखिया पति अरविंद सिंह ने पीपरा प्रखंड के तेंदुई पंचायत के तेनुडीह गांव में चलने में असमर्थ दो दिव्यांगों को अपने निजी खर्चे से वैशाखी प्रदान की। 47 वर्षीय सत्येंद्र भुइयां और मल्लू यादव को जब समाजसेवी के हाथों से सहारा मिला, तो उनके चेहरे पर खुशी झलक उठी। इस पुनीत कार्य को देखकर वहां मौजूद ग्रामीणों ने भी अरविंद सिंह की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर अरविंद सिंह ने कहा कि दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं, बल्कि यह सिर्फ शरीर की एक अवस्था है। अगर मन मजबूत हो, तो कोई भी व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि समाज में वैसे दिव्यांग जो शारीरिक रूप से कमजोर हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें चिन्हित कर सहायता पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने इस कार्य को मानवता की सच्ची सेवा बताया और कहा कि आगे भी जरूरतमंदों को सहायता दी जाएगी।

तीन दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का भव्य समापन, श्रद्धालुओं ने भक्ति में डुबकी लगाई

निज संवाददाता | मसलिया (दुमका)

मसलिया प्रखंड क्षेत्र के गुमरो पंचायत अंतर्गत जेरूवा गांव स्थित नाग मंदिर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का समापन मंगलवार को भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के राजनगर निवासी बंगला भाषी कृतिनिया नदियानंदो मात्रा के कुंजविलश पाला संकीर्तन ने श्रद्धालुओं को भक्ति की गहरी अनुभूति से सराबोर कर दिया। इस पावन आयोजन में गुमरो, पारबाद, खिलकंदाली, रंगामटिया, नीलकोठी, खेडबोना सहित आसपास के दर्जनों गांवों के भक्तों की भारी उपस्थिति देखी गई। श्रद्धालु तीन दिनों तक चले संकीर्तन में श्री कृष्ण की लीलाओं को संगीतमय प्रस्तुति के माध्यम से सुनकर भाव-विभोर हो गए। समापन के अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन समिति के प्रमुख गौउर चंद्र पंडित ने श्रोताओं की सुविधा के लिए उत्तम व्यवस्था की थी। पंडाल, बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल की सुविधा सहित अन्य आवश्यक प्रबंध किए गए थे, ताकि भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही थी। गौउर चंद्र पंडित ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन बीते शुक्रवार को विधिवत शुभारंभ किया गया था। गुमरो के पुरोहित सुबोध चंद्र झा के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सीमावर्ती पंचायत बास्कीडीह के मोहलीडीह गांव से बाबा दुबे को आमंत्रित कर सिर पर धारण कर जुलूस के रूप में लाया गया और बाबा दुबे को नाग मंदिर में स्थापित किया गया। इसके बाद तीन दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ हुआ। इस दौरान भक्तगण हरिनाम संकीर्तन में लीन रहे और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। रविवार, सोमवार और मंगलवार को कृतिनिया नदियानंदो मात्रा ने अपनी विशेष शैली में संकीर्तन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को श्री कृष्ण की विभिन्न लीलाओं से परिचित कराया। भगवान श्री कृष्ण के जन्म, बाल लीलाओं, गोवर्धन पूजा, रासलीला एवं अन्य भक्तिमय प्रसंगों को संगीतमय प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। भक्तगण कभी नृत्य करते तो कभी कृष्ण भक्ति में मग्न होकर कीर्तन में लीन हो जाते। पूरे आयोजन में चारों ओर हरिनाम की गूंज सुनाई दे रही थी।

वित्तीय वर्ष 2024-2025 में बीएसएल का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

निज संवाददाता | बोकारो

वित्तीय वर्ष 2024-2025 में बीएसएल ने प्रोडक्शन, डिस्पैच तथा टेक्नो-इकोनॉमिक पैरामीटर्स में कई नए कीर्तिमान बनाकर अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ हॉट मेटल उत्पादन (4 फर्नेस परिचालन से), एसएमएस-न्यू से क्रूड स्टील, टोटल क्रूड स्टील तथा सीआर सेलेबल के उत्पादन में कीर्तिमान बने हैं, साथ ही समग्र ऊर्जा खपत, कोक रेट, सीडीआई रेट तथा अन्य टेक्नो-इकोनॉमिक पैरामीटर्स एवं ग्रेन्यूलेटेड स्लैग के डिस्पैच में भी नए रिकॉर्ड बने। बोकारो स्टील प्लांट ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 में प्रमुख उत्पादों में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्ज की है। इस कड़ी में वित्तीय वर्ष 2024-2025 चार फर्नेस परिचालन से हॉट मेटल के उत्पादन में 5.0%, टोटल क्रूड स्टील के उत्पादन में 4.7% तथा टोटल सी आर सेलेबल स्टील में 8.7% की वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में दर्ज की है। बी एस एल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ बोकारो स्टील प्लांट के शीर्ष प्रबंधन ने बीएसएल की इस शानदार उपलब्धि पर मंगलवार को संयंत्र के विभिन्न विभागों का दौरा कर अधिकारियों, कर्मियों एवं संविदा कर्मियों समेत पूरे टीम बीएसएल को बधाई दी तथा नए वित्तीय वर्ष में अपने प्रदर्शन के स्तर को और आगे ले जाने, साथ ही सेफ़्टी और गुणवत्ता पर फोकस करने का आह्वान किया।

रामनवमी के अवसर पर भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ आयोजित

निज संवाददाता | ठाकुरगंगटी

प्रखंड क्षेत्र के तेतरिया माल पंचायत अंतर्गत कजरेल गांव में रामनवमी चैती दुर्गा पूजा के अवसर पर वार्षिक धार्मिक कार्यक्रम के तहत भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ प्रारंभ हुई। इस दौरान वृंदावन से पधारी कथा वाचिका किशोरी कृष्ण नंदिनी ने प्रथम दिन लोगों को धुंधकारी और गौकर्ण की कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि पौराणिक काल में आत्मदेव नामक एक ब्राह्मण थे उसकी पत्नी धुंधली थी। उसे कोई संतान नहीं था, वे संतान की प्राप्ति के लिए जगह-जगह भटक रहे थे। एक दिन आत्मदेव को एक ऋषि मुनि ने एक फल दिया और कहा कि यह फल वह अपनी पत्नी धुंधली को खिला दे। जब आत्मदेव ने वह फल लाकर के पत्नी को दिया तो उन्होंने उस फल को स्वयं नो खाकर गौ माता को खिला दिया। जिससे कि गौ माता ने जो बच्चे को जन्म दिया तो वह मनुष्य का रूप बन गया। सिर्फ कान गाय के आकार का था इसलिए उसका नाम गोकर्ण रखा गया।वहीं धुंधली ने गर्भवती होने का झूठा नाटक किया और अपनी बहन के पुत्र को ले लिया और उसका नाम धुंधकारी रखा एवं सारी संपत्ति उस धुंधकारी को दे दिया। धुंधकारी काफी व्यभिचार निकल गया। दुनिया के सभी गलत कार्यों को किया करता था। गलत कार्यों में लिप्त रहते एक दिन सभी धन संपत्ति नष्ट हो गया। दुखी होकर पिता आत्मदेव घर छोड़कर वन को चले गए। धुंधली गुस्से में कुएं में डूब कर मर गई और धुंधकारी को एक दिन गलत प्रवृत्ति के लोगों ने मार डाला। मुक्ति नहीं मिलने के कारण धुंधकारी इधर-उधर भटकता था। गोकर्ण संत प्रवृत्ति के निकल गए।एक दिन रात्रि में आकर धुंधकारी गोकर्ण को डराने लगा। जब कमंडल से गंगा जल छिड़क कर आचमन किया तो धुंधकारी प्रकट हो गया और कहा कि मैं तुम्हारा भाई हूं मुझे मुक्ति नहीं मिली है। मुझे भागवत कथा सुनाओ तब मुझे मुक्ति मिलेगी। इस प्रकार उस समय से भागवत कथा की महत्व बढ़ती चली गई। कथा के बीच-बीच में भजन भी होती है भजन में हजारों श्रद्धालु ताली बजाकर झूम उठते हैं दर्जनों श्रद्धालु नृत्य भी करने लगते हैं। कथा का प्रसंग के अनुसार झांकी भी दिखाई जाती है प्रथम दिन राधा कृष्ण की झांकी दिखाई गई। चैती दुर्गा पूजा समिति के व्यवस्थापक सह जिला परिषद सदस्य पूर्व चेयरमैन निरंजन कुमार पोद्दार, अध्यक्ष पारसनाथ चौधरी, उपाध्यक्ष विनोद शाह, सचिव निरंजन पासवान, उप सचिव अर्जुन यादव, कोषाध्यक्ष घनश्याम पोद्दार, उप कोषाध्यक्ष प्यारेलाल रजक, आमंत्रित सदस्य फूलचंद कुमार, सदस्य शशिकांत भारती, दशरथ ठाकुर, विवेक पासवान, राहुल पोद्दार, मिथुन ठाकुर, शिवम पासवान, वीरेंद्र ठाकुर, प्रदीप ठाकुर, पुजारी यजमान पंकज चौधरी, पूर्व पुजारी गुलाबी पोद्दार, पुरोहित अविनाश पांडे, शंभू ठाकुर, रोशन पोद्दार, सौरभ पोद्दार, अभिरंजन कुमार, दीपन पोद्दार, निकलेश कुमार, हरि पोद्दार, प्रियरंजन कुमार, दिलराज, गिरिराज, मनोज पोद्दार, समीर सुमन, मुकेश चंद्र निराला, जगन्नाथ पासवान, राजेंद्र श्रीवास्तव, देवराज टेंट के प्रदीप जायसवाल सहित संपूर्ण ग्रामीण सहयोग कर रहे हैं। कथा में कजरेल गांव, तेतरिया माल, अमरपुर, भगैया, चपरी, मानिकपुर सहित कई पंचायत के दर्जनों गांवों और निकटवर्ती साहिबगंज जिले के मंडरो आदि प्रखंड के कई गावों के सैकड़ो श्रद्धालु एवं पड़ोसी राज्य बिहार के भागलपुर जिले के पीरपैंती आदि प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गांवों के हजारों श्रद्धालु भाग ले रहे हैं।

धूमधाम से मनाई गई चैती काली पूजा

रामगढ़ (नि.सं.)। जिले के रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत अमडापहाड़ी, आमपाड़ा, कुप्पी सहित अन्य गांवों में मंगलवार को भक्तिभाव के साथ चैती काली पूजा का आयोजन किया गया। यह पूजा हर वर्ष चैत्र माह में धूमधाम से की जाती है, जिसमें स्थानीय ग्रामीण और श्रद्धालु मां काली की उपासना कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। सुबह से ही गांवों के काली मंदिरों में विशेष तैयारियां की गई थीं। मंदिर के पुजारियों ने विधिवत रूप से पूजन-अर्चन किया। देवी को फूल, फल, पकवान, मिष्ठान, धूप-दीप और अगरबत्ती अर्पित किए गए। ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार पूजा संपन्न कराई। मां काली की विशेष पूजा के दौरान पूरे माहौल में भक्तिमय संगीत और मंत्रोच्चारण गूंज रहा था। पूजा के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें फल, मिठाई और पकवान शामिल थे। इस दौरान भक्तों ने मां काली की स्तुति कर अपने परिवार और गांव की सुख-समृद्धि और शांति की प्रार्थना की।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

आज के दौर में रंग-भेद का लोग हो रहे शिकार

नस्ल और रंग के आधार पर भेदभाव पूरी दुनिया में चिंता का विषय है। भारतीय समाज भी इससे मुक्त नहीं है। सदियों से इस तरह के भेदभाव में महिलाएं कुछ ज्यादा ही निशाने पर होती आई हैं। दुख की बात है कि न केवल शिक्षित लड़कियां, बल्कि बड़े ओहदे पर आसीन महिलाएं भी इससे बच नहीं पाई हैं। भारतीय स्त्रियां रंग-रूप को लेकर जीवन भर चुभने वाली टिप्पणियों का सामना करती हैं। जबकि यह हकीकत है कि हजारों-लाखों महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और संघर्ष से हर क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। केरल की मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन उनमें से एक हैं। हालांकि अपने सांवले रंग को लेकर समाज के पूर्वाग्रह से वे नहीं बच सकीं। सोशल मीडिया के एक मंच पर पिछले दिनों उन्हें अपने बारे में अभद्र टिप्पणी पढ़ने को मिली। स्वाभाविक रूप से यह उन्हें नागवार गुजरी। उन्होंने लिखा कि किसी ने मेरे मुख्य सचिव के कार्यकाल की तुलना मेरे पति के कार्यकाल से करते हुए लिखा कि यह उतना ही काला है, जितना मेरे पति गोरे थे। मगर मुझे अपने काले रंग से कोई दिक्कत नहीं। मुझे यह रंग पसंद है। उचित ही उनकी इस प्रतिक्रिया के बाद विमर्श शुरू हो गया है। हम बेशक आधुनिक कहलाने में गर्व महसूस करते हों, लेकिन स्त्रियों के प्रति, खासकर उनके रंग-रूप को लेकर सोच आज भी नहीं बदली है। उनकी सफलता को रंग-रूप के चश्मे से देखना विकृत मानसिकता का परिचायक है। यह निराशाजनक है कि किसी महिला की योग्यता को उसके पति के रंग से परखा जाए। शारदा मुरलीधरन ने किसी व्यक्ति की अनुचित और अरुचिकर टिप्पणी का जवाब देकर पूर्वाग्रहों पर कठोर प्रहार किया है। हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखने के बाद उसे हटा दिया था, लेकिन बाद में कुछ शुभचिंतकों के यह कहने पर लिखा कि इस विषय पर सामाजिक विमर्श होना चाहिए। इसका सकारात्मक पहलू यह है कि रंग के मुद्दे पर शारदा के लिखे विस्तृत जवाब का बड़ी संख्या में लोगों ने स्वागत किया है। इससे पता चलता है कि कुछ लोग बेशक संकीर्ण सोच रखते हों, लेकिन समाज बदल रहा है।

महाराष्ट्र से लेकर यूपी तक न्याय की ये कैसी कोशिश

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट को एक बार फिर तल्ख टिप्पणी करनी पड़ी है। हैरत की बात है कि देश की शीर्ष अदालत के बार-बार कहने के बावजूद, महाराष्ट्र से लेकर यूपी तक बुलडोजर के जरिये कथित इंसाफ की कोशिश जारी है, जबकि कानून इसकी इजाजत नहीं देता। सुप्रीम कोर्ट ने जिस घटना पर कहा कि यह उसकी अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है, वह प्रयागराज की है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि नोटिस देने के 24 घंटे के भीतर उनके मकान गिरा दिए गए। इसी तरह, महाराष्ट्र के मालवण में एक कबाड़ व्यापारी के घर पर ++ बुलडोजर चलाने के मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय नगर परिषद को नोटिस जारी किया है। लेकिन सबसे ज्यादा चौकाती है नागपुर की घटना, जहां हाल में घटी हिंसा के आरोपियों के घर नगर निगम ने ध्वस्त करा दिए। हर जगह पुलिस-प्रशासन के काम करने का तरीका एक जैसा दिखता है। जिस भी मामले से बड़े जनसमुदाय की भावनाएं जुड़ी होती हैं, उनमें फटाफट आरोपियों की संपत्ति की नाप-जोख शुरू हो जाती है। एक दिन नोटिस जारी होता है और अगले दिन बुलडोजर पहुंच जाता है अपील करने तक का मौका नहीं दिया जाता, जो हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। नागपुर मामले में ही बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने आरोपियों की प्रॉपर्टी के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगा दी, लेकिन जब तक आदेश आता, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। प्रशासन का तर्क है कि निर्माण अवैध था। लेकिन, क्या बिना उचित सुनवाई के कार्रवाई करना वैध है? जो अवैध निर्माण बरसों से खड़ा है, जिस पर किसी अथॉरिटी की नजर नहीं जाती, अचानक वह इतना खतरनाक हो जाता है कि आनन-फानन में बुलडोजर चलाना पड़ता है। ऐसी ही तेजी सारे अवैध निर्माणों के खिलाफ क्यों नहीं दिखती? और इससे भी बड़ा सवाल है कि इतना बड़ा अवैध निर्माण हो कैसे जाता है?

बिहार की राजनीति में छोटी छोटी पार्टियां ला सकती हैं बड़ा बदलाव

(कमलेश पांडे)

भारतीय इतिहास में चंपारण आंदोलन के बाद महात्मा गांधी जिस तरह से पूरे देश में चमके और सम्पूर्ण क्रांति के बाद जयप्रकाश नारायण जिस तरह से समूचे राष्ट्र में लोकप्रिय हुए, उससे यहां की सियासी हवा को समझा जा सकता है। भारतीय राजनीति में बिहार को सियासी प्रयोगशाला समझा जाता है। यहां पर कई ऐसे दिग्गज राजनेता हुए, जिसे चुनावी मौसम विज्ञानी तक करार दिया गया। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम अग्रगण्य है। चूंकि बिहार विधानसभा 2025 के लिए अक्टूबर-नवम्बर में चुनावी होने हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण चुनावी साल भी है, जिसके दृष्टिगत सभी राजनीतिक दल अपने अपने समीकरण बनाने में जुट गए हैं। यूँ तो राज्य में कुल 243 सीटें हैं और दो बड़े गठबंधन हैं। जिनमें भाजपा और जेडीयू आदि की भागीदारी वाला एनडीए अभी सत्ता में है और कांग्रेस व आरजेडी आदि की भागीदारी वाला महागठबंधन विपक्ष में है। वहीं, दोनों ही गठबंधन में कुल 10 महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टियां हैं, जो जाति-धर्म-क्षेत्र के आधार पर या फिर कहें कि खुद को सत्ता में बनाए रखने की संभावनाओं के आधार पर भारी उलटफेर करती रहती हैं, जिससे भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े दलों का सियासी कद भी उनके सहयोगियों की जिद्द के समक्ष बौना नजर आता है। यहां की राजनीति में जदयू सुप्रीमो व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन में उलटफेर का ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है कि बिहार के कई सारे सियासी रिकॉर्ड को उन्हें ध्वस्त कर अपने नाम कर लिया है। वहीं, नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री व राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की सियासी हनक से प्रेरणा लेते हुए कई ऐसे राजनीतिक दल अस्तित्व में आए हैं, जो अपने अपने इलाकों में अच्छे-खासे सक्रिय नजर आ रहे हैं और किसी भी प्रतिद्वंद्वी के सियासी भविष्य को मटियामेट करने लायक व्यापक प्रभाव रखते हैं। इनमें नवस्थापित जनसुराज पार्टी के सर्वेसर्वा प्रशांत किशोर के अलावा पुष्पम प्रिया, असदुद्दीन ओवैसी और आरसीपी सिंह आदि की पार्टी प्रमुख है, क्योंकि ये नेता ना तो लालू यादव-कांग्रेस के खेमे से जुड़े हैं और ना ही नीतीश कुमार-बीजेपी के खेमे में हैं। इसलिए यह समझा जा सकता है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में इन नेताओं की पार्टियां किसी तीसरे मोर्चे के रूप में उभर रही हैं, जो पारंपरिक गठबंधनों से अपनी अलग और अलहदा पहचान बनाने की कोशिश में जुटी हुई हैं। कहने का तातपर्य यह कि ये दल स्वतंत्र रूप से अपनी अपनी राजनीतिक गतिविधियों में लगे हुए हैं, जो यदि बिहार विधानसभा की 10-20 प्रतिशत सीटें भी जीतने में कामयाब हो गए तो नीतीश कुमार और लालू प्रसाद का रिमोट कंट्रोल अपने हाथ में रखने में सफल होंगे। भारतीय इतिहास में चंपारण आंदोलन के बाद महात्मा गांधी जिस तरह से पूरे देश में चमके और सम्पूर्ण क्रांति के बाद जयप्रकाश नारायण जिस तरह से समूचे राष्ट्र में लोकप्रिय हुए, उससे यहां की सियासी हवा को समझा जा सकता है। वैसे भी हिंदी पट्टी की राजनीति गैर कांग्रेस और गैर भाजपा राजनीति के लिए मुफीद समझी जाती है, जबकि लंबे समय तक कांग्रेस ने और फिर भाजपा ने इसे मनमाफिक हांका है। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार इसी सियासी दांवपेंच की सफल पैदाइश समझे जाते हैं। हालांकि, बिहार की नई पीढ़ी अब इस तरह की घाती-प्रतिघाती राजनीति से ऊब चुकी है। इसलिए साल 2025 में वहां कुछ नया करिश्मा हो जाए तो कोई हैरत की बात नहीं होगी। आप मानें या न मानें, लेकिन बिहार की राजनीति को पड़ोसी प्रान्त उत्तरप्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश नेपाल व बंगलादेश की राजनीति भी प्रभावित करती है। पाकिस्तान और अरब देशों की सियासत का प्रभाव भी बैक डोर से यहां की राजनीति पर पड़ती है, इसलिए यहां की राजनीति को एकतरफा रूप से प्रभावित करने में कभी लालू प्रसाद सफल हुए तो कभी नीतीश कुमार। अब आगे की लड़ाई उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (भाजपा), पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव (राजद), चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (जनसुराज पार्टी) और युवा तुर्क नेता कन्हैया कुमार (कांग्रेस) के बीच यदि सिमट जाए तो किसी के लिए हैरत की बात नहीं होगी। वैसे भी सम्राट चौधरी का सियासी ग्राफ सबसे ऊपर चल रहा है, क्योंकि आरएसएस और भाजपा, दोनों को उनमें अपना सियासी भविष्य दिख रहा है। नीतीश कुमार के स्वाभाविक विकल्प के तौर पर वो उभरे हैं। आपकी सियासी याद तरोताजा कर दें कि बिहार में 2020 के विधानसभा चुनाव में 212 पार्टियों ने हिस्सा लिया था, जबकि 2024 के लोकसभा चुनाव में 96 पार्टियां मैदान में उतरी थीं। यह बात अलग है कि 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में दर्जनों पार्टियां ऐसी थीं, जिन्होंने सिर्फ एक-एक सीट पर ही अपने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं, कई पार्टियों ने 2, 3, 4, 5, 6 उम्मीदवारों को टिकट दिए थे। इससे राजद को परोक्ष लाभ मिला था, जिससे वह मजबूत तो हुई लेकिन सत्ता तक नहीं पहुंच पाई। तब बिहार में एनडीए की सरकार बनी, ब्रेक के बाद अभी भी वहां पर एनडीए की ही सरकार है। क्योंकि 2020 के चुनाव में एनडीए ने 125 और महागठबंधन ने 110 सीटें जीती थीं। लेकिन कुशल सियासी रणनीति वश वर्तमान में एनडीए के खेमे में 129 विधायक हैं, जिनमें बीजेपी के 80, जेडीयू के 45 और जीतनराम मांझी की हम (हम) पार्टी के 4 विधायक हैं। वहीं, विपक्ष के पास 107 विधायक हैं, जिनमें आरजेडी के 77, कांग्रेस के 19 और सीपीआई (एमएल)/सीपीआई (एमए) के 11 विधायक हैं। यहां पर बहुमत के लिए 122 विधायक होना जरूरी है। ऐसे में 45 विधायकों वाले नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री बनना अपने आप में एक सियासी करिश्मा नहीं तो क्या है? बता दें कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), जनता दल (यूनाइटेड), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) आदि के नाम प्रमुख हैं। वहीं, महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अलावा वामपंथी दलों में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन का नाम प्रमुख है। इसी गठबंधन में मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी का नाम भी शामिल है। वहीं, कुछ ऐसी कद्दावर पार्टियां भी हैं जो देखने में भले ही किसी गठबंधन में नहीं हैं।

> *रिमोट कंट्रोल भी भाजपा या कांग्रेस से सहानुभूति रखने वाले किसी बड़े नेता या उनके मित्र उद्योगपति के पास है, जिनमें जनसुराज पार्टी , बहुजन समाज पार्टी , आम आदमी पार्टी , ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन , प्लूरल्स पार्टी ,आप सबकी आवाज, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) आदि का नाम प्रमुख है। ऐसे में समझा जा सकता है कि दोनों गठबंधनों का राजनीतिक भविष्य इन्हीं पार्टियों के कद्दावर उम्मीदवार तय करेंगे।*

किस मुगालते में हैं, आ चुकी है दुनिया में मंदी... कियोसाकी की यह कैसी चेतावनी?

(अमित शुक्ला)

रॉबर्ट कियोसाकी ने कहा है कि दुनिया आर्थिक मंदी में है। उन्होंने लोगों को शिक्षित होने और भ्रामक वित्तीय सलाहकारों से सावधान रहने के लिए प्रोत्साहित किया। जेपी मॉर्गन के मुख्य अर्थशास्त्री ब्रूस कासमैन और अन्य विश्लेषकों ने भी अमेरिका में मंदी की आशंकाओं को बढ़ा दिया है। सही शिक्षा और तैयारी से संकट का सामना किया जा सकता है। जाने-माने लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने एक बार फिर दुनिया में आर्थिक मंदी की चेतावनी दी है। कियोसाकी 'रिच डैड पुअर डैड' किताब के लेखक हैं। उन्होंने कहा है कि दुनिया पहले से ही मंदी में है। उन्होंने यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कही। कियोसाकी 2012 में 'रिच डैड्स प्रोफेसी' लिखने के बाद से ही लोगों को चेतावनी दे रहे हैं। उन्होंने लोगों को सीखने और बदलाव करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही वित्तीय सलाहकारों से सावधान रहने को कहा। कयिोसाकी ने किया लोगों का आगाह रॉबर्ट कियोसाकी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'क्या दुनिया मंदी में है मेरा जवाब है, हां।' उन्होंने कहा कि वह 2012 से ही लोगों को आगाह करने की कोशिश कर रहे हैं। कियोसाकी ने लोगों से पूछा, 'क्या सीखने और बदलाव करने में बहुत देर हो चुकी है' उन्होंने खुद ही जवाब दिया, नहीं। आपके पास समय है और समय हमेशा आपके लिए एक संपत्ति है। कियोसाकी ने फोम यानी 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' (किसी चीज से छूट जाने का डर) की तुलना फोम यानी 'फियर ऑफ मेकिंग मिस्टेक्स' (गलती करने का डर) से की। उन्होंने कहा कि स्कूल फोम का डर पैदा करते हैं। उन्होंने लोगों को यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके खुद को शिक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही, उन्होंने भ्रामक वित्तीय सलाहकारों से सावधान रहने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'सबसे अच्छी और सबसे खराब शिक्षा मुफ्त है।' कियोसाकी ने आगे कहा, तथ्य यह है कि दुनिया मंदी में है। तथ्य यह है कि महंगाई बढ़ रही है। बेरोजगारी भी बढ़ रही है। उन्होंने पाठकों से सोचने के लिए कहा, क्या यह मंदी आपको अमीर बनाएगी या गरीब यह चुनाव आपका है और आपकी शिक्षा का चुनाव मुफ्त हो सकता है। उन्होंने अंत में कहा, ध्यान रखें और इस मंदी को अपने जीवन की सबसे अच्छी चीज बनाएं। यह शक्ति केवल आपके पास है। कियोसाकी के इन विचारों से दुनिया भर में मंदी को लेकर चिंता और बढ़ गई है। मुश्किल दौर से गुजर रही है दुनिया की अर्थव्यवस्था जे.पी. मॉर्गन के मुख्य वैश्विक अर्थशास्त्री ब्रूस कासमैन ने अमेरिका में मंदी की आशंका को बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि 'व्यवसाय-विरोधी नीतियां' इस खतरे को और बढ़ा सकती हैं। कासमैन ने यह भी चेतावनी दी कि अगर शासन पर भरोसा कम होता रहा तो अमेरिका में निवेश पर बुरा असर पड़ सकता है। गोल्डमैन सैक्स और मॉर्गन स्टेनली दोनों ने ही 2025 के लिए अमेरिका के जीडीपी विकास के अनुमान को कम कर दिया है। उनका अनुमान है कि यह 1.5त्न से 1.7 के बीच रहेगा। इसका मतलब है कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था धीमी गति से बढ़ेगी।कियोसाकी की चेतावनी और अर्थशास्त्रियों के बदलते अनुमानों से पता चलता है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था मुश्किल दौर से गुजर रही है। लोगों को अपनी वित्तीय स्थिति को लेकर सावधान रहने और सोच-समझकर फैसले लेने की जरूरत है। कियोसाकी का कहना है कि सही शिक्षा और तैयारी से लोग इस मंदी का सामना कर सकते हैं और इससे लाभ भी उठा सकते हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5688

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं हैं। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5687

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5688

1	2	3	■	4	5	6	■
7			■	8			9
■	10		11	■	■	12	
13		■	14	15	16		■
17		■	18			■	19
	■	20	■	21		22	
23	24		■		■	25	
■		■	26				■

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1918 को इस देश ने खुद को स्वतंत्र किया (3)
4. 1975 को इसदक्षिणी अफ्रीकी राज्य को पुर्तगाल से आजादी मिली (3)
7. हजार हाथियों के बराबर बल होने वाली इस राक्षसी का श्रीराम ने वध किया था (3)
8. असि, खड्ग (4)
10. मिट्टी या अन्य धातु का बना हुआ टोंटीदार लोटा जो पूजा आदि में प्रयुक्त होता है (3)
12. सृष्टि धारक तत्व, नैनिकतापूर्ण (2)
13. किसी धातु को पीट और खींचकर बनाया गया एक तंतु, टेलीग्राम (2)
14. रामभक्त हनुमान का एक नाम (4)
17. जीवन के दिन बिताना (2)
18. निकृष्टतमता, रहितता (3)
21. द्रोणाचार्य का एक नाम यह भी है (4)
23. पति-पत्नी का कानूनी रूप से संबंध विच्छेद (3)
25. क्षण, लम्हा (2)
26. मवेशी (4)

(ऊपर से नीचे

1. पौत्र, पोंछा, बेटे का बेटा (2)
2. अवरोहण करना, धरती पर आना (5)
3. पश्चिम अफ्रीका के उभार पर स्थित देश सेनेगल की यह राजधानी है (3)
4. विवाद समाधान, अंतिम (2)
5. वर्तुल, हॉकी (2)
6. जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो (4)
9. मनोयोग से लगा हुआ, आसक्त, लिप्त (2)
11. देवीशक्ति, श्यामा, सुकरी (3)
12. ईश्वरीय विधान, सृष्टि धारक तत्व (3)
13. दंडविधान (4)
15. जो मन को भाए (2)
16. दानी, प्रदाता, जो स्वेच्छा से धनादि देता हो (3)
19. दीपध्वज, नेत्रांजन, अंजन (3)
20. पवित्र, पुनीत, पापहीन (2)
22. बारह युगों में यह तीसरा है जो पुराणानुसार यह 864000 वर्ष का माना गया है (3)
24. नफा, फायदा (2)

वर्ग पहेली 5687 का हल

अ	ट	ल	बि	हा	री	■	आ
म	न	का	■	ति	■	मा	शा
र	■	र	ह	म	दि	ल	■
ना	ग	■	■	ता	न	पू	रा
थ	र	■	रा	ई	■	आ	ज
■	म	ज	मा	■	लौ	■	स्था
वा	ह	■	नु	क्स	■	घा	न
■	वा	त	ज	■	मी	ना	■

आज का राशिफल

मेष

आज दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपकी जो भी इच्छाएं हैं, वे पूरी होंगी और आपको किस्मत का साथ मिलेगा। कहीं यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। आपको अपने अधिकारियों से बातचीत करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। वरना विवाद हो सकता है, जिससे कानूनी मामले उलझ सकते हैं। अगर आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो झगड़ा हो सकता है।

वृष

आज दिन सफलता और तरक्की से भरा रहेगा। कारोबार में आपको भाग्य का साथ मिलेगा और आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी। राजनीति से जुड़े लोगों को सलाह दी जाती है कि वे कुछ भी नया न करें वरना आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। नया काम शुरू करने से पहले सोच-विचार कर लें, नहीं तो नुकसान हो सकता है।

कर्क

आज सफलता मिलेगी। तरक्की के योग हैं और आपको भाग्य का साथ मिलेगा। आपके जीवनसाथी और व्यापारिक साझेदार आपका सहयोग करेंगे। अच्छे कामों में आपकी रुचि बढ़ेगी। नौकरी करने वाले लोगों को तरक्की मिल सकती है। मन को शांति मिलेगी।आपको कोई भी काम शुरू करने से पहले सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

सिंह

आज दिन बच्चों की तरफ से खुशियां लेकर आएगा और आप उनके करियर को लेकर खुश रहेंगे। आज का दिन अच्छा है। जिन युवाओं ने करियर की शुरुआत की है, उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। शाम और रात का समय मिलना-जुलना में बीतेगा। आपको तरक्की मिलेगी और भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

मिथुन

आज लाभ और तरक्की का दिन है। कार्यक्षेत्र में किसी अधिकारी या व्यापारी से अनबन हो सकती है, इसलिए सावधान रहें। शत्रु आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। आप अपने घर के लिए कोई जरूरी चीज खरीदेंगे, जिससे आपके खर्च बढ़ेंगे। दांपत्य जीवन में खुशहाली रहेगी।

कन्या

आज करियर में लाभ होगा। आपको किसी बड़ी सफलता की खुशी मिलेगी। बड़ी मात्रा में धन लाभ होगा। दिन के दूसरे हिस्से में घर के विवाद सुलझेंगे। बातचीत से समस्याओं का समाधान करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो आपको खुशी होगी।

तुला

आज आज का दिन भाग्यशाली है। आपको सफलता मिलेगी और आपका दिन शुभ होगा। जो काम चल रहे हैं, उनमें सावधानी बरतें। आपको पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। आपके संकल्पित कार्य पूरे होंगे। आज का दिन आराम से बीतेगा। भाग्य का साथ मिलेगा और धन में वृद्धि होगी। कारोबार में भी लाभ होगा। आपको सलाह दी जाती है।

वृश्चिक

आज लाभ होगा और आपके लिए उत्तम संपत्ति के योग बन रहे हैं। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और आप अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर लेंगे। शाम से रात तक आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है। आपको किसी शुभ समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। तरक्की के योग हैं और आपके आनंद में वृद्धि होगी। आपको अपने परिवार के लोगों से हर प्रकार की मदद मिल सकती है।

मकर

आज दिन मिला-जुला रहेगा। मन थोड़ा परेशान रह सकता है, लेकिन शाम तक अच्छी खबर मिल सकती है। व्यापार में तरक्की की कोशिशें शायद सफल न हों, पर समझदारी से काम लेने पर दुश्मनों को हराया जा सकता है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत मिलने की संभावना है। भाग्य का साथ मिलेगा और मन खुश रहेगा। आपकी योजनाएं सफल होंगी।

कुंभ

आज नई डील से अचानक लाभ होगा। आपको तरक्की मिलेगी। घर में आपकी पत्नी या बच्चे की तबीयत खराब हो सकती है, जिसके कारण आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है। महत्वपूर्ण काम करते समय या गाड़ी चलाते समय तनाव न लें। दोस्ती में किसी योजना में शामिल न हों। हर तरह के जोखिम से बचें। आपको अपने परिवार के साथ अपनी सेहत पर भी ध्यान देने की सलाह दी जाती है।

धनु

आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपको हर कार्य में लाभ और सफलता मिलेगी और आपका दिन सुख-समृद्धि से भरा होगा। व्यवसायिक प्रयास सफल होंगे और आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शाम से रात तक कोई कीमती सामान चोरी हो सकता है आप बहुत ही सावधानी के साथ कार्य पूर्ण करें। अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें और दूसरों के साथ फालतू के विवाद से बचने का प्रयास करें।

मीन

आज दिन सफलता और तरक्की से भरा रहेगा। आपको अपने आसपास के वातावरण से लाभ होगा। आपको किसी प्रिय व्यक्ति की मदद करनी पड़ सकती है और आपको काफी दौड़भाग करनी पड़ेगी। रात का समय आनंद में बीतेगा। धन में वृद्धि होगी। आपको परिवार के साथ घूमने का मौका मिलेगा। दिन खुशहाली में बीतेगा। धनु राशि वालों को दूसरों की मदद करने से लाभ होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

फंदे से लटका था मां और बेटे का शव, बेटी की शव तालाब में मिली, पिता गिरफ्तार

निज संवाददाता | गिरिडीह

गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड अंतर्गत लोकाई थाना क्षेत्र के बर्दानी गांव में मंगलवार को एक ही परिवार के तीन लोगों की लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। गांव के एक तालाब के पास मां और बेटे का शव फंदे से लटका हुआ मिला, जबकि बेटी की लाश पानी में उपलाती हुई देखी गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया और आसपास के लोग स्तब्ध रह गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। इस बीच, मृतकों के पति को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ जारी है। मृतकों की पहचान बर्दानी गांव के चारो हेंब्रम की पत्नी रेणु टुडू (28), पुत्र सचित हेंब्रम (8) और पुत्री सरिता हेंब्रम (6) के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि सोमवार रात को चारो हेंब्रम और उसकी पत्नी रेणु टुडू के बीच किसी बात को लेकर तीखा विवाद हुआ था। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों के बीच पहले भी कहासुनी होती थी, लेकिन इस बार विवाद कुछ ज्यादा ही बढ़ गया था। मंगलवार की सुबह जब कुछ ग्रामीण लोकाई थाना क्षेत्र के पनियाय गांव के पास स्थित तालाब की ओर गए, तो वहां का दृश्य देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने देखा कि एक महिला और एक बच्चा पेड़ से लटके हुए हैं और कुछ ही दूरी पर एक छोटी बच्ची की लाश तालाब में उपलाती हुई नजर आई। यह दृश्य देख गांव में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते वहां भीड़ इकट्ठी हो गई। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना मुखिया और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही लोकाई थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पति-पत्नी के बीच देर रात हुए विवाद के बाद ही यह घटना हुई होगी। ग्रामीणों को शक है कि चारो हेंब्रम ने ही अपनी पत्नी और दोनों बच्चों की हत्या कर दी और बाद में इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस इस मामले में अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है और जांच जारी है।

पुलिस ने चारो हेंब्रम को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही खोरीमहुआ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) राजेंद्र प्रसाद भी अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस टीम ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस बीच, पूर्व विधायक राजकुमार यादव और सामाजिक कार्यकर्ता निजामुद्दीन अंसारी भी मौके पर पहुंचे और घटना को लेकर आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने प्रशासन से इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की और दोषियों को जल्द से जल्द सजा देने की अपील की। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और गम का माहौल है। गांव के लोग अभी भी विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि एक ही परिवार के तीन लोगों की इस तरह दर्दनाक मौत हो गई। कई लोग इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। कोई इसे हत्या बता रहा है तो कोई आत्महत्या की आशंका जता रहा है। फिलहाल, पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि यह हत्या थी या आत्महत्या। इस घटना ने पूरे गिरिडीह जिले को झकझोर कर रख दिया है और लोग दहशत में हैं।

दो मालगाड़ियां टकराने से दो लोको पायलट की मौत, चार सीआईएसएफ जवान घायल

निज संवाददाता | साहिबगंज

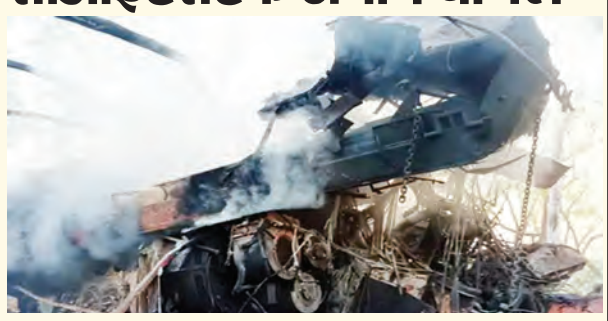

साहिबगंज जिले के बरहेट एमजीआर लाइन पर सोमवार देर रात एक भीषण ट्रेन हादसा हो गया, जिसमें दो मालगाड़ियों की सीधी टक्कर हो गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में दो लोको पायलट की मौत हो गई, जबकि सुरक्षा में तैनात CISF के चार जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा रात करीब तीन बजे हुआ, जब एक मालगाड़ी पहले से पटरी पर खड़ी थी और उसी ट्रैक पर दूसरी मालगाड़ी आ गई, जिससे जबरदस्त टक्कर हो गई। इस टक्कर के बाद कोयला लदी एक ट्रेन में आग लग गई, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, दमकल विभाग और राहत दल मौके पर पहुंच गए और तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। इस भीषण टक्कर में जिन दो लोको पायलटों की मौत हुई, उनमें अंबुज महतो बोकारो जिले के रहने वाले थे, जबकि बीएस मॉल पश्चिम बंगाल के थे। ट्रेन हादसे में घायल हुए चार CISF जवानों का इलाज बरहेट सदर अस्पताल में चल रहा है। मौके पर मौजूद रेलवे और प्रशासनिक अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। टक्कर के बाद कोयला लदी एक मालगाड़ी में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने कई बोगियों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे भारी नुकसान हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे रेलवे ट्रैक भी क्षतिग्रस्त हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू कर दी। हालांकि, कोयला भरे होने के कारण आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस दुर्घटना को लेकर असिस्टेंट लोको पायलट जितेंद्र कुमार ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना से पहले उन्होंने रेलवे कंट्रोल रूम से संपर्क किया था, लेकिन जो जानकारी दी गई थी, वह गलत निकली। जितेंद्र कुमार के मुताबिक, पथरा के पास रेलवे लाइन बदली थी। 40 किलोमीटर पहले जब उन्होंने बरहेट कंट्रोल रूम से संपर्क किया तो उन्हें बताया गया कि मेन लाइन चालू रहेगी। इसके बाद 34 किलोमीटर बाद दोबारा पूछने पर भी यही जानकारी दी गई। लेकिन जब ट्रेन दुर्घटनास्थल पर पहुंची, तो पता चला कि मेन लाइन बंद थी और लूप लाइन चालू थी, जिसमें पहले से ही एक मालगाड़ी खड़ी थी। इससे टक्कर हो गई और बड़ा हादसा हो गया। अब सवाल उठ रहा है कि क्या रेलवे कंट्रोल रूम की लापरवाही इस दुर्घटना की वजह बनी? यह हादसा झारखंड के गोड्डा जिले के लालमटिया से पश्चिम बंगाल के फरक्का एनटीपीसी जा रही कोयला लदी मालगाड़ी के साथ हुआ। जिस एमजीआर लाइन पर यह घटना हुई, वहां लालमटिया से फरक्का तक मालगाड़ियों का आवागमन होता है और यह लाइन मुख्य रूप से कोयला परिवहन के लिए ही प्रयोग होती है। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। ट्रैक पर बिखरे डिब्बों को हटाने और रेल यातायात को बहाल करने का काम जारी है। रेलवे विभाग इस हादसे की गंभीरता को देखते हुए जांच में जुट गया है और यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि यह दुर्घटना मानवीय गलती के कारण हुई या किसी तकनीकी खामी की वजह से। इस हादसे के बाद रेलवे प्रशासन पर भी कई सवाल उठ रहे हैं।

सरहुल पर्व में डीसी और एसपी समेत कई अधिकारियों ने किया पारंपरिक नृत्य

निज संवाददाता | धनबाद

धनबाद में प्रकृति पर्व सरहुल की धूम मची हुई है। पूरे जिले में यह पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर पुलिस लाइन में केंद्रीय सरना समिति द्वारा विशेष आयोजन किया गया, जिसमें जिले के कई बड़े अधिकारी शामिल हुए। मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद की डीसी माधवी मिश्रा कार्यक्रम में पहुंचीं। उनके साथ सिटी एसपी अजीत कुमार, ट्रैफिक डीएसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारी और जवान भी अपने परिवार के साथ कार्यक्रम में शरीक हुए। इस भव्य आयोजन की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुई। जब डीसी और अन्य अधिकारी पहुंचे तो मांदर और ढोल की गूंज से माहौल में उत्साह भर गया। पारंपरिक नृत्य के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया। इस दौरान लोग सरहुल पर्व की खुशियों में पूरी तरह डूबे नजर आए। महिलाओं और पुरुषों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर ढोल, मांदर और नगाड़े की थाप पर नृत्य करते हुए सरना स्थल तक पहुंचे। पूरा माहौल उल्लास और सांस्कृतिक समृद्धि से सराबोर था। कार्यक्रम स्थल को विशेष रूप से सजाया गया था। यहां पहुंचने पर सभी अधिकारियों का स्वागत पारंपरिक गमछा और पौधा भेंट कर किया गया, जो प्रकृति संरक्षण और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। हर साल केंद्रीय सरना समिति इस पावन अवसर पर ऐसे ही कार्यक्रमों का आयोजन करती है, जिससे समाज में एकजुटता बनी रहे और लोग अपनी संस्कृति के करीब रह सकें। सरहुल पर्व आदिवासी समुदाय के लिए विशेष महत्व रखता है। यह पर्व प्रकृति के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का माध्यम है। सरहुल का अर्थ केवल एक उत्सव नहीं बल्कि जंगल, नदी, जल और प्रकृति के संरक्षण की परंपरा से जुड़ा है। कई समुदायों के लिए यह नए साल की शुरुआत का भी प्रतीक है, जिसे पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस पर्व के जरिए प्रकृति के प्रति प्रेम और उसका संरक्षण करने की सीख मिलती है, जो आज के समय में बेहद जरूरी है। पुलिस लाइन में आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सरहुल के महत्व को समझा और इसे धूमधाम से मनाया। नृत्य, गीत-संगीत और पारंपरिक परिधानों से सजी यह अनोखी शाम, जिलेवासियों के लिए एक यादगार पल बन गई। अधिकारियों ने भी सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दीं और समाज में प्रेम, भाईचारे और शांति का संदेश दिया। पूरे जिले में इस पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला, जहां विभिन्न जगहों पर लोग मिल-जुलकर नाच-गान के साथ इसे मना रहे हैं।

पानी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कर्मियों को बनाया बंधक

धनबाद(नि.सं.)। बाघमारा में पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा इस कदर भड़क उठा कि उन्होंने तेतुलमारी कोलियरी के कर्मियों को बंधक बना लिया। मामला तब शुरू हुआ जब कोलियरी प्रबंधन ने पुराने और वर्षों से बंद पड़े पानी के पाइपों को हटाने का फैसला किया। पाण्डेडीह दुर्गा मंदिर के पास लगे ये पाइप कई साल पहले तक इलाके में पानी की आपूर्ति करते थे, लेकिन बीते कुछ समय से इनसे पानी आना पूरी तरह बंद हो गया था। बावजूद इसके, ग्रामीणों को उम्मीद थी कि एक न एक दिन इन्हीं पाइपों से फिर पानी मिलेगा। परंतु जब कोलियरी प्रबंधन ने इन पाइपों को हटाने के लिए अपने कर्मचारियों को भेजा, तो ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया और उन्होंने काम रोकते हुए कर्मचारियों को बंधक बना लिया। ग्रामीणों का कहना था कि इलाके में पानी की समस्या लगातार बनी हुई है, और प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा। लोगों का यह भी आरोप था कि कोलियरी क्षेत्र से पानी की अच्छी व्यवस्था हो सकती थी, लेकिन इसे लेकर कोई गंभीर कदम नहीं उठाया जा रहा। उनका कहना था कि अगर पाइपलाइन को फिर से चालू किया जाता, तो पानी की समस्या काफी हद तक हल हो सकती थी। परंतु प्रबंधन ने बिना किसी पूर्व सूचना के इसे पूरी तरह हटाने का निर्णय ले लिया, जिससे इलाके के लोगों में आक्रोश फैल गया। घटना के दौरान, ग्रामीणों ने कोलियरी कर्मियों को तीन घंटे तक बंधक बनाए रखा और उनके चारों ओर घेरा डालकर जमकर नारेबाजी की। इस बीच कोलियरी प्रबंधन को सूचना दी गई, जिसके बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को शांत करने की कोशिश की। हालांकि, ग्रामीणों का कहना था कि जब तक उन्हें पानी की आपूर्ति का कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलता, वे पीछे नहीं हटेंगे। कोलियरी प्रबंधन ने हालात को बिगड़ते देख ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जल्द ही इलाके में पानी की सप्लाई बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अधिकारियों ने यह भी कहा कि पाइप हटाने का फैसला किसी अन्य योजना के तहत लिया गया था, लेकिन अब उनकी मांगों को ध्यान में रखते हुए पुनर्विचार किया जाएगा। प्रबंधन के इस आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत हुए और तीन घंटे बाद कर्मियों को मुक्त कर दिया।

दो पक्षों के बीच पथराव होने के कारण इलाके में तनाव का माहौल, भारी पुलिस बल तैनात

निज संवाददाता | गिरिडीह

जिले के धरियाडीह इलाके में दो पक्षों के बीच पथराव की घटना सामने आई है, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। सोमवार की रात हुए इस विवाद के बाद प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी है। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच सुबह भी विवाद हुआ था, जिसे पुलिस ने समझाकर शांत करा दिया था, लेकिन रात होते ही फिर से झड़प हो गई। कुछ लोगों ने माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की, जिससे हालात और तनावपूर्ण हो गए। जैसे ही घटना की जानकारी मिली, प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया। नगर थाना और मुफ्फसिल थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के कड़े रुख के बाद उपद्रवी भाग खड़े हुए और माहौल शांत हुआ। घटना की गंभीरता को देखते हुए डीसी नमन प्रियेश लकड़ा और एसपी डॉ. बिमल कुमार ने सभी प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया। इसके बाद एसडीएम श्रीकांत विस्पुते, डीएसपी नीरज कुमार सिंह, सदर एसडीपीओ जीतवाहन उरांव, नगर थाना प्रभारी शैलेश प्रसाद, मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो, पचंबा इंस्पेक्टर मंटू कुमार और पचंबा थाना प्रभारी राजीव कुमार समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है और उपद्रवियों की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि हिंसा भड़काने वालों की पहचान की जा सके। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी है। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना केवल दो व्यक्तियों के बीच के विवाद से शुरू हुई थी, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों ने इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की। हालांकि, स्थानीय लोगों ने पुलिस का समर्थन किया और आश्वासन दिया कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं नहीं होंगी। डीएसपी नीरज कुमार सिंह के नेतृत्व में दोनों समुदायों के लोगों के साथ बैठक की गई, जिसमें सभी ने आपसी भाईचारा बनाए रखने पर सहमति जताई। घटना के बाद से ही पुलिस प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। इलाके में जवानों की लगातार गश्त जारी है और संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है।

24 प्रहर हरिनाम संकीर्तन का किया गया आयोजन

जामताड़ा (नि.सं.)। प्रखंड क्षेत्रन्तर्गत देवलबाड़ी गांव में तीन दिवसीय 24 प्रहर हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें पश्चिम बंगाल बीरभूम जिला की कीर्तन मंडली की ओर से संगीतमय भगवान श्रीकृष्ण के कथाओं की प्रस्तुति दी गई। जहां मूल गायन पूजा विश्वास के बांग्ला पाला कीर्तन की प्रस्तुति से श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। वहीं कथा के जरिए भक्त एवं भगवान के संबंधों के बीच के संबंध का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भक्त ही भगवान को बस कर सकता है। हमारे सनातन धर्म के भक्ति मार्ग ऐसे हैं, जो बिना जाति एवं भेदभाव के श्रीकृष्ण को अपना सकता है। भगवान श्री कृष्ण को पाने के लिए भक्ति एवं प्रेम का मार्ग अपनाना होगा। बताया कि सुदामा एक गरीब ब्राह्मण होने के बाद भी भगवान श्री कृष्ण को पाने में वे सफल रहे। उनके भक्ति एवं सत्य मार्ग से भगवान उसके प्रेम में बस हो गया। भगवान श्री कृष्ण के दरबार में जात-पात का भाव विचार नहीं रहता है। अगर भगवान को पाना हो तो आत्मा मन एवं तन को परमात्मा से मिलाना होगा। हमारे धरती के कण-कण में भगवान का वास हैं। कलयुग के भगवान को पाने के लिए प्रेम लगाना होगा। प्रेम के बिना कुछ भी पाना संभव नहीं है।

दुकान में आग लगने से डेढ़ लाख का हुआ नुकसान

निज संवाददाता | चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम)

पश्चिमी सिंहभूम जिले के आनंदपुर प्रखंड के समीज गांव में मंगलवार सुबह एक बड़ी दुर्घटना हो गई, जब एक दुकान में अचानक आग लग गई। यह घटना उस समय घटी जब एक ग्राहक अपनी बाइक में पेट्रोल भरवाने के बाद वहीं खड़े होकर सिगरेट जलाने लगा। आग पेट्रोल की वजह से तेजी से फैली और दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। घटना होते ही इलाके में हड़कंप मच गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। दुकान की मालकिन दयमंती राउत उस समय अंदर ही थीं और आग की लपटों में घिर गईं। आग लगते ही आस-पास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास करने लगे। लोग बाल्टी में पानी भरकर लाने लगे और आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे। लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में दुकान के अंदर रखा सामान जलने लगा। इस दौरान दुकान के अंदर फंसी दयमंती राउत बुरी तरह से घबरा गईं और उन्हें बाहर निकालने का कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था। जब ग्रामीणों ने देखा कि आग लगातार बढ़ रही है और उनकी जान को खतरा हो सकता है, तो उन्होंने तुरंत दुकान का दूसरा दरवाजा तोड़ दिया। दरवाजा तोड़ने के बाद किसी तरह से उन्हें बाहर सुरक्षित निकाला गया। बाहर आते ही वह काफी डरी हुई थीं और आसपास के लोगों ने उन्हें संभाला। आग के कारण दुकान में रखा काफी सामान जलकर राख हो गया। दयमंती राउत ने बताया कि आग से लगभग डेढ़ लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

दुकान में पेट्रोल के अलावा अन्य जरूरी सामान भी रखा हुआ था, जो आग की चपेट में आकर पूरी तरह नष्ट हो गया। अगर ग्रामीण समय पर नहीं आते तो दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो जाती और बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही आनंदपुर पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने वहां पहुंचकर पूरे मामले की जांच शुरू की और घटना के संबंध में आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने बताया कि ग्राहक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। पेट्रोल पंप या दुकान के आसपास आग जलाना बेहद खतरनाक हो सकता है, लेकिन लोग अक्सर इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं। इस घटना ने इलाके के लोगों को एक बड़ा सबक दिया है कि ऐसी लापरवाहियों से कितनी बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। ग्रामीणों की तत्परता और सूझबूझ के कारण बड़ी दुर्घटना टल गई और दुकान की मालकिन की जान बच गई। लेकिन इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में काफी रोष है। गांव के लोग अब इस बात को लेकर चर्चा कर रहे हैं कि दुकान के आसपास इस तरह की लापरवाही करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि दोबारा ऐसी घटना न हो। वहीं, पुलिस ने कहा है कि इस मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और लोगों को इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा।

फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

साहिबगंज (नि.सं.)। ईद पर्व के शुभ अवसर पर जूनियर स्पोर्टिंग क्लब के तत्वावधान में बोरियो मदरसा नुरुल होदा के मैदान में एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता मुमताज अंसारी, झामुमो के पूर्व संगठन सचिव मो. एजाज़ अंसारी, झामुमो नेता वकील समीरी, मौलाना खुर्शीद आलम, मो. जहांगीर अंसारी और अब्दुल गनी समेत कई गणमान्य व्यक्तियों ने संयुक्त रूप से किया। इस प्रतियोगिता में साहिबगंज और आसपास के इलाकों की कई टीमें भाग ले रही हैं, जिससे खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। मैदान में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी और चारों ओर खेल को लेकर रोमांच का माहौल बना रहा।

वाहन ने मारी टक्कर, चालक-उपचालक घायल

निज संवाददाता | हजारीबाग

हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ, जहां एनएच-19 पर हथिया बाबा के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर से ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया और कुछ ही देर में उसमें आग लग गई। ट्रक चालक और उपचालक दोनों इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और तुरंत राहत कार्य शुरू करवाया। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चौपारण में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाईवे पर एक अज्ञात वाहन तेज रफ्तार में आ रहा था, जिसने अचानक ट्रक को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक चालक का संतुलन पूरी तरह बिगड़ गया और वाहन सड़क किनारे जाकर पलट गया। पलटते ही ट्रक में आग लग गई, जिसने कुछ ही मिनटों में पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिसके बाद दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस अब अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी वाहन चालक को पकड़ा जा सके।

डायन के शक में पोते ने की दादी की हत्या, दोस्त संग मिल वारदात को दिया अंजाम, पुलिस ने दो को किया गिरफतार

निज संवाददाता | जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)

सरायकेला में एक दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां अंधविश्वास में एक पोते ने अपनी दादी की हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गम्हरिया थाना क्षेत्र के यशपुर रेलवे फाटक के पास 30 मार्च को एक महिला का क्षत-विक्षत शव मिला था। पुलिस ने जांच में पाया कि यह शव नारायणपुर की रहने वाली 60 वर्षीय भवानी कैवर्त का है। एसडीपीओ समीर सवैया के अनुसार, एसपी के निर्देश पर विशेष जांच दल का गठन किया गया। जांच में भौतिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मृतका के पोते लक्ष्मण कैवर्त और उसके दोस्त चंदन कैवर्त को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि लक्ष्मण अपनी दादी को डायन मानता था। इसी कारण उसने अपने दोस्त चंदन के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। दोनों ने धारदार हथियार से हमला कर महिला की जान ली। हत्या को दुर्घटना का रूप देने के लिए शव को बाइक से रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार और बाइक जब्त कर लिया है।

हनुमान चालीस पाठ में गायत्री परिवार का होगा सहयोग

साहिबगंज (नि.सं.)। अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ में जारी चैत्र नवरात्र अनुष्ठान की पूर्णाहुति 6 अप्रैल रविवार को होगी। इस मौके पर शहर के चौक बाजार स्थित महाकाल मंदिर में 5 अप्रैल शनिवार को संध्या 03बजे से 05 बजे तक हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड का अखंड पाठ सामूहिक रूप से किया जा रहा है। इसमें गायत्री परिवार के भाई बहनों को भी सादर आमंत्रित किया गया है। वहीं आगामी 8 अप्रैल मंगलवार को शांतिकुंज हरिद्वार से दो प्रतिनिधियों का आगमन गायत्री शक्तिपीठ साहिबगंज में हो रहा है। इनके द्वारा उसी दिन 10 बजे पूर्वाह्न एक जिला स्तरीय कार्यकर्ता बैठक आहूत की गई है।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, युवक-युवती गिरफ्तार

निज संवाददाता | जमशेदपुर

शहर के कदमा इलाके में एक हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट का खुलासा हुआ है। पुलिस ने एक अपार्टमेंट में छापेमारी कर इस रैकेट का पर्दाफाश किया, जहां से कई युवक-युवतियों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया। पुलिस को इस गोरखधंधे की सूचना गुप्त सूत्रों से मिली थी, जिसके आधार पर टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की। छापेमारी के दौरान अपार्टमेंट के एक कमरे में कुछ युवक-युवतियां संदिग्ध स्थिति में मिले। पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया और पूछताछ शुरू कर दी। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह सेक्स रैकेट लंबे समय से चल रहा था और इसमें कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस अपार्टमेंट में अक्सर संदिग्ध गतिविधियां देखी जाती थीं, लेकिन किसी ने खुलकर इसकी शिकायत नहीं की थी। पुलिस अब इस गिरोह के पीछे किसका हाथ है, इसकी जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस धंधे में और कौन-कौन शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि शहर में इस तरह की अनैतिक गतिविधियों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे की कार्रवाई के लिए पकड़े गए लोगों से गहन पूछताछ की जा रही है और पूरे मामले की जांच जारी है।

महिलाओं पर पत्थरबाजी, पुलिस कर रही ड्रोन से निगरानी

निज संवाददाता | कोडरमा

जिले के छतरबर गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब यज्ञ के लिए भिक्षा मांगने निकलीं महिलाओं पर असामाजिक तत्वों ने अचानक पत्थरबाजी कर दी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। हालांकि, प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए त्वरित कार्रवाई की और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया। घटना की जांच और निगरानी के लिए पुलिस ने ड्रोन का सहारा लिया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किसी घर की छत पर पत्थर या अन्य कोई संदिग्ध सामग्री तो नहीं रखी गई है। जानकारी के अनुसार, चेचाई गांव की 50-60 महिलाएं 9 से 17 अप्रैल तक आयोजित होने वाले महायज्ञ के लिए भिक्षा (मंगत) मांगने के लिए सात गांवों का दौरा कर रही थीं। इसी क्रम में जब ये महिलाएं छतरबर गांव पहुंचीं, तो अचानक कुछ असामाजिक तत्वों ने उन पर छत से पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। इस पत्थरबाजी में महिलाओं के सिर पर रखे कलश टूट गए। इस घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई और महिलाओं ने तुरंत मोबाइल के जरिए अपने गांव के लोगों को इसकी सूचना दी। महिलाओं पर हुए इस हमले की खबर मिलते ही चेचाई गांव के कई ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। सूचना मिलते ही कोडरमा पुलिस भी दल-बल के साथ वहां पहुंची और तुरंत राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकालकर भीड़ को नियंत्रित किया। घटना के बाद दोनों गांवों के लोग छतरबर के मुख्य चौक पर इकट्ठा हो गए। माहौल को शांत करने के लिए एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह, मुख्यालय डीएसपी रतिभान सिंह और जिले के सभी थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने समझाइश देकर भीड़ को तितर-बितर किया और पूरे गांव में तलाशी अभियान शुरू कर दिया। पुलिस प्रशासन ने छतरबर गांव में ड्रोन से निगरानी शुरू कर दी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी के छत पर पत्थर या अन्य कोई आपत्तिजनक वस्तु तो नहीं रखी हुई है। साथ ही, पुलिस हर संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी नजर रख रही है। एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए गहन जांच की जा रही है और जो भी इस घटना में शामिल पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

काशी और मथुरा के लिए आंदोलन में शामिल हो सकते हैं स्वयंसेवक!

नईदिल्ली, एजेंसी। आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने काशी और मथुरा को लेकर नई घोषणा की है। खबर है कि सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कार्यकर्ताओं को दोनों मामलों में सक्रिय भूमिका निभाने की अनुमति दे दी है। कन्नड़ पत्रिका से बातचीत में उन्होंने तीन भाषा नीति का भी समर्थन किया है। उनका कहना है कि यह नीति 95 फीसदी भाषा विवाद का समाधान कर सकती है। एक प्रतिष्ठित अखबार के अनुसार, कन्नड़ पत्रिका विक्रम से बातचीत में होसबाले ने कहा, उस समय (1984) में विश्व हिंदू परिषद, संतों और साधुओं ने तीन मंदिरों की बात की थी। अगर स्वयंसेवकों का एक वर्ग इन तीन मंदिरों (अयोध्या में राम जन्मभूमि मिलाकर) के मामले में जुटना चाहता है, तो हम उन्हें नहीं रोकेंगे। हालांकि, उन्होंने बड़े स्तर पर मस्जिदों पर सवाल उठाने के खिलाफ चेताया और सामाजिक मतभेद से बचने की बात कही है। होसबाले ने भारतीय भाषाओं के संरक्षण की भी बात कही है। उन्होंने कहा, हमारी सभी भाषाओं में बड़े स्तर पर साहित्यिक काम हुआ है। उन्होंने कहा, अगर भविष्य की पीढ़ियां इन भाषाओं को नहीं पढ़ेंगी और लिखेंगी, तो वे कैसे आगे बढ़ेंगी? अंग्रेजी के प्रति लगाव मुख्य रूप से व्यवहारिक कारणों से है...। एक और अहम पहलू ऐसा आर्थिक मॉडल बनाना है, जहां भारतीय भाषाओं में पढ़े लोगों को रोजगार मिल सके। उन्होंने कहा, वरिष्ठ बुद्धिजीवियों, न्यायाधीशों, शिक्षकों, लेखकों और राजनीतिक और धार्मिक नेताओं को इस मामले में प्रगतिशील रवैया अपनाना चाहिए। अखबार के अनुसार, उन्होंने कहा, इतने बड़े देश में अच्छा होगा कि सभी संस्कृत सीख लें। डॉक्टर आंबेडकर ने भी इसकी वकालत की थी। कई लोगों की बोली जाने वाली भाषा सीखने में कोई परेशानी नहीं है। जिन लोगों को रोजगार चाहिए, उन्हें उस राज्य की भाषा सीखनी चाहिए। परेशानी तब होती है, जब राजनीति और विपक्ष के नाम पर इसे थोपे जाने का मुद्दा बना दिया जाता है। क्या भाषा विविधता के बाद भी भारत एकजुट हजारों सालों से एकजुट नहीं है? ऐसा लग रहा है कि हमने भाषा को आज परेशानी बना दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा दिवस पर दी बधाई, कहा- उत्कल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मंगलवार को ओडिशा स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को बधाई दी और कहा कि भारत को अपने इतिहास, साहित्य और संगीत पर गर्व है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले एक साल में, केंद्र और ओडिशा सरकार राज्य की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। लगभग 2000 साल पुरानी ऐतिहासिक और भव्य सांस्कृतिक विरासत अपने हृदय में समेटे ओडिशा, भारत में इतिहास से लेकर वर्तमान तक एक अहम स्थान रखता है। मानवता को प्रेम और शांति का शाश्वत संदेश देने वाली इस भूमि की अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य, वास्तुकला, हस्त कला तथा नृत्य कला पर देश को गर्व है। ओडिशा अपने दयालु एवं परिश्रमी लोगों के लिए भी जाना जाता है। 1 अप्रैल 1936 को भाषाई आधार पर 'उड़ीसा'का गठन किया गया था और 2011 में इसका नाम 'ओडिशा' कर दिया गया। भगवान जगन्नाथ, लिंगराज, कोणार्क और अन्य समृद्ध धरोहरों की भूमि ओडिशा ने दुनिया को शांति, प्रेम और हिंसा से दूर रहने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, उत्कल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। यह दिन ओडिशा की गौरवशाली संस्कृति के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि है। भारत को ओडिशा के इतिहास, साहित्य और संगीत पर गर्व है। ओडिशा के लोग मेहनती हैं और उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। पिछले एक साल में, केंद्र और ओडिशा सरकार राज्य की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। उत्कल दिवस, जिसे ओडिशा स्थापना दिवस के रूप में भी जाना जाता है, हर साल 1 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन राज्य के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भाषाई महत्व का सम्मान करता है। यह राज्य की समृद्ध विरासत, कला, साहित्य और आध्यात्मिकता में इसके योगदान का भी जश्न मनाता है।

नोएडा में प्रॉपर्टी खरीदना महंगा

नोएडा एजेंसी। नोएडा में सेक्टर-14ए, 15ए, 44 (ब्लॉक ए व बी) और ग्रेटर नोएडा में संपत्ति (फ्लैट और प्लॉट) सबसे महंगी होने जा रही है। इन तीनों सेक्टरों में नए सर्किल रेट की प्रस्तावित दर 1.75 लाख से बढ़ाकर 1.92 लाख रुपये करने की तैयारी है।

जिले के तीनों प्राधिकरण ने अपने-अपने क्षेत्र में संपत्तियों की आवंटन दरों में वृद्धि कर दी है। जिला प्रशासन भी अप्रैल में गौतमबुद्ध नगर के सर्किल रेट बढ़ाने की तैयारी में है, जिसका ड्राफ्ट भी तैयार हो चुका और आम लोगों से आपत्ति और सुझाव मांगे जा रहे हैं। इसके लिए 5 अप्रैल की तिथि निर्धारित है। संपत्तियों की नई रेट लिस्ट भी सार्वजनिक कर दी गई है। सर्किल रेट बढ़ने से नोएडा और ग्रेनो समेत जिले में रजिस्ट्री कराना महंगा हो जाएगा।

नई रेट लिस्ट के मुताबिक जिला प्रशासन ने नोएडा के सेक्टर-14ए, 15ए और 44 ब्लॉक ए, बी को ए प्लस श्रेणी में रखा है, जबकि सेक्टर-14, 17, 19, 30, 35, 36, 39, 44 (ब्लॉक ए व बी) को छोड़कर, सेक्टर-47, 50, 52, 93, 93ए, 93बी को श्रेणी ए में रखा है। यहां पर 1.38 लाख रुपये नई दर प्रस्तावित है। इसके अलावा श्रेणी बी में सेक्टर-11,

12, 15, 20, 21, 22, 23, 25 से 29, 31, 33, 34, 37, 40, 41, 46, 48, 49, 53, 55, 56, 62, 70 से 78, 82, 92, 96 से 100, 105, 108 एवं 122 में नई आवंटन दर 96 हजार तय की है। इसी हिसाब से श्रेणी सी के सेक्टर-42, 43, 45, 63ए, 104, 107, 110, 118, 119, 120, 121, 128, 129, 130, 131, 133, 134, 135, 137, 143, 143बी, 144, 151 और 168 में नई आवंटन दर 70 हजार तय की है। श्रेणी डी के सेक्टर-86, 112, 113, 116, 117 में 58 हजार और श्रेणी ई के सेक्टर-102, 115, 158, 162 और व्यावसायिक को छोड़कर शेष अन्य सेक्टरों में आवासीय दर 53,000 रुपये के हिसाब से तय की गई है। ग्रेटर नोएडा सेक्टर-27 गोदरेज गोल्फ लिंक की नई दर 80 हजार, सेक्टर चाई-1, 2, 3, 4, 5, चाई फाई एक्सटेंशन और पी-1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, पाई-1 और 2, फाई-1, 2, 3, 4, जीटा 1, 2, सिग्मा-1, सेक्टर-36 व 37 (आरएचओ-1 व 2), ओमेगा-2 एनआईआर सिटी में नई दरें 54,000 तय की गई है। वहीं, ईटा-1, ओमीक्रॉन 1ए, 2, 3, सिग्मा-2,3,4 व ईटा-2, ओमेगा 1 और 3 में 51,000 रेट तय किए गए हैं। इसके अलावा टेकजोन, एडजायनिंग, टेकजॉन-4, सेक्टर-27 के आर-4 और 6 के 39 हजार रेट तय हुए हैं। नोएडा, ग्रेनो और यमुना सिटी में व्यावसायिक और औद्योगिक भूखंड की आवंटन दरें बढ़ गई हैं। इसके अलावा यहां सर्किल रेट में भी न्यूनतम 10 प्रतिशत तक का इजाफा प्रस्तावित है। इसके अलावा संस्थागत और अन्य श्रेणी के भूखंड की रजिस्ट्री के लिए भी लोगों को ज्यादा रकम चुकानी होगी। जिन सेक्टरों में प्राधिकरण और प्रशासन के रेट में अंतर है, वहां जिसकी दर अधिक होगी, उस हिसाब से रजिस्ट्री की जाएगी।

नोएडा के बरौला और भंगेल में सर्किल रेट की नई प्रस्तावित दर 28 हजार कर दी गई है। इसके अलावा पर्थला खंजरपुर में 17 हजार, मामूरा में 25,000 हरौला में 27 हजार तक नई दरें प्रस्तावित हैं। इसके अलावा अन्य गांवों में भी न्यूनतम दस प्रतिशत तक सर्किल रेट बढ़ेंगे। वहीं, ग्रेनो के गांवों में सूरजपुर दादरी मुख्य मार्ग के सर्किल रेट 24 हजार, साकीपुर, हबीबपुर, हल्दौना के 15 हजार, सुथियाना, साकीपुर, रामपुर जागीर, मुबारिकपुर, बिरौड़ा, बिरौंडी, ब्रह्मनपुर गजरौला, तुगलपुर, डाढ़ा, कुलेसरा, कासना, एच्छर के 14 हजार तक प्रस्तावित हैं। ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन में भी रजिस्ट्री महंगी हो जाएगी। जिला प्रशासन ने यहां पर नई दरें एक लाख रुपये प्रति वर्गमीटर प्रस्तावित की है, जो वर्ष 2019 तक 45 हजार रुपये थी।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने अनाथ नाबालिग से शादी करने वाले के खिलाफ पॉक्सो केस खारिज किया

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है, जिस पर एक नाबालिग अनाथ से शादी करने के लिए यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और अन्य आपराधिक कानूनों के तहत आरोप लगाए गए थे. अदालत ने अपना फैसला पत्नी द्वारा प्रस्तुत एक प्रमाण पत्र के आधार पर दिया. इसमें पुष्टि की गई थी कि वह मामले को खारिज करने का समर्थन करती है. कोलार जिले के मलूर तालुक के एक व्यक्ति ने मस्ती पुलिस स्टेशन में दर्ज एक एफआईआर और कोलार फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वारा लिए गए संज्ञान को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने मामले की सुनवाई की और याचिकाकर्ता के पक्ष में फैसला सुनाया. अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता की पत्नी के माता-पिता नहीं हैं. वह अपने परिवार के लिए अकेला कमाने वाला है. अदालत ने कहा कि मामले को जारी रखने से याचिकाकर्ता और उसके परिवार दोनों को अनावश्यक परेशानी होगी. अदालत ने आगे स्पष्ट किया कि मामले को केवल पत्नी के हलफनामे के आधार पर खारिज किया जा रहा है. हालांकि, उसने चेतावनी दी कि अगर याचिकाकर्ता ने अपनी पत्नी को बिना किसी कारण के छोड़ दिया या उसे असुरक्षित स्थिति में छोड़ दिया, तो मामला फिर से खोला जा सकता है. आरोपी ने 14 मई 2023 को एक अनाथ लड़की से शादी की थी. बाद में जब वह गर्भवती हुई तो दंपति नियमित जांच के लिए एक स्थानीय अस्पताल गए. सत्यापन प्रक्रिया के दौरान डॉक्टरों ने पाया कि वह केवल 17 साल और 8 महीने की थी. उन्होंने मामले की सूचना मलूर बाल विकास परियोजना अधिकारी को दी, जिन्होंने बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. इस शिकायत के आधार पर आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी गई. इसी बीच उसकी पत्नी ने एक बच्ची को जन्म दिया. कोलार फास्ट ट्रैक कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्यवाही शुरू कर दी. कानूनी लड़ाई के दौरान आरोपी की पत्नी ने एक हलफनामा पेश किया.

मुकेश अंबानी के बेटे की भक्ति यात्रा

द्वारका, एजेंसी। देश के सबसे बड़े कारोबारी और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मालिक मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी एक बार सुर्खियों में हैं। अपने भक्ति भाव और आस्था के लिए पहचाने जाने वाले अनंत अंबानी इन दिनों गुजरात के जामनगर से द्वारकाधीश मंदिर तक पदयात्रा कर रहे हैं। इस पदयात्रा का आज 5वां दिन है। उनके साथ उनके बॉडीगार्ड और सैकड़ों की संख्या में समर्थक और श्रद्धालु भी पदयात्रा कर रहे हैं। इस दौरान वह और उनके साथ पदयात्रा में शामिल लोग हनुमान चालीसा का पाठ करते नजर आए। बताया जा रहा है कि अनंत अंबानी 10 अप्रैल को द्वारका में अपना जन्मदिन मनाएंगे।

अनंत अंबानी ने कहा, पदयात्रा हमारे घर जामनगर से द्वारका तक है। यह पिछले 5 दिनों से चल रही है और हम अगले 2-4 दिनों में पहुंच जाएंगे। मेरी पदयात्रा जारी है। भगवान द्वारकाधीश हमें आशीर्वाद दें। मैं युवाओं से कहना चाहूंगा कि भगवान द्वारकाधीश पर विश्वास रखें, सनातन धर्म पर विश्वास रखें और कोई भी काम करने से पहले भगवान द्वारकाधीश को याद करें। वह काम बिना किसी बाधा के अवश्य पूरा होगा और जब भगवान मौजूद हैं, तो चिंता करने की कोई बात नहीं है। वनतारा के वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, अनंत अंबानी की भगवान श्री द्वारकाधीश में गहरी आस्था है। उन्होंने जय द्वारकाधीश के जयकारों के साथ 28 मार्च 2025 को जामनगर के रिलायंस इंडस्ट्रीज टाउनशिप से भगवान कृष्ण की नगरी द्वारका तक 141 किलोमीटर लंबी पदयात्रा शुरू की है। वह अपना जन्मदिन 10 अप्रैल 2025 को द्वारका में मनाने की योजना बना रहे हैं। अनंत अंबानी के साथ उनकी सुरक्षा टीम और सहयोगियों का एक बड़ा काफिला भी साथ चल रहा है। उनकी पदयात्रा से यातायात बाधित न हो, इसलिए वह देर रात यात्रा कर रहे हैं। हर दिन वह करीब 10 से 12 किलोमीटर की दूरी तय कर रहे हैं। 10 अप्रैल को वह द्वारका पहुंचेंगे और भगवान द्वारकाधीश के दर्शन के साथ अपना जन्मदिन मनाएंगे। अनंत अंबानी के दोस्तों के अलावा सैकड़ों ब्राह्मण और श्रद्धालु भी इस पदयात्रा में शामिल हुए हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालु जय द्वारकाधीश का नारा लगाते हुए भजन-कीर्तन कर रहे हैं।

हर अच्छे काम का विरोध होता है

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तरफ जब केंद्र सरकार वक्फ संशोधन बिल को संसद के पटल पर रखने की तैयारी में है तभी सीएम योगी आदित्यनाथ ने पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में इस विषय पर खुलकर अपनी राय रखी है। इस बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हर अच्छे काम का विरोध होता है। इसी तरह वक्फ संशोधन विधेयक पर भी हंगामा हो रहा है। जो लोग इस मुद्दे पर हंगामा कर रहे हैं, मैं उनसे पूछना चाहता हूं...क्या वक्फ बोर्ड ने कोई कल्याण किया है सब कुछ छोड़िए, क्या वक्फ ने मुसलमानों का भी कोई कल्याण किया है? सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वक्फ निजी स्वार्थ का केंद्र बन गया है। यह किसी भी सरकारी संपत्ति पर जबरन कब्जा करने का माध्यम बन गया है और सुधार समय की मांग है और हर सुधार का विरोध किया जाता है। सीएम योगी ने कहा कि मैं एक नागरिक के रूम में काम करता हूं। खुद को विशेष नहीं मानता हूं। अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को पूरा करता हूं। मेरे लिए राष्ट्र सबसे ऊपर है।

अन्नामलाई छोड़ेंगे तमिलनाडु में पद? क्या भाजपा के पुराने यार ने बढ़ा दी दरार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में एक साल का समय बाकी है। इससे पहले ही राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव के आसार हैं। खबर है कि भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा प्रदेश प्रमुख के अन्नामलाई अध्यक्ष पद छोड़ सकते हैं। हालांकि, कहा जा रहा है कि उन्हें पद से हटाए जाने का फैसला जातिगत समीकरणों के चलते लिया जा सकता है। ये संभावनाएं ऐसे समय पर सामने आ रही हैं, जब हाल ही में भाजपा के पुराने साथी एआईएडीएमकेके नेताओं और अन्नामलाई दोनों ने ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की थी।

रिपोर्ट के अनुसार, अन्नामलाई तमिलनाडु

भाजपा अध्यक्ष पद छोड़ सकते हैं। कभी तमिलनाडु में साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली भाजपा और एआईएडीएमके साल 2023 में अलग हो गए थे। तब अन्नामलाई को इसकी बड़ी वजह माना जा रहा था। अखबार से बातचीत में भाजपा सूत्रों का कहना है कि यह फैसला अन्नामलाई के लिए सजा नहीं, बल्कि जातिगत समीकरणों के चलते लिया जा सकता है।

दिल्ली में शाह संग हुई एआईएडीएमके नेताओं की बैठक के बाद से ही आगामी विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन की अटकलें तेज हो गई थीं। अब रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भाजपा के इस फैसले को लेकर अन्नामलाई को शाह के साथ हुई बैठक के दौरान सूचित कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि दक्षिण भारतीय राज्य में भाजपा को चर्चा में लाने वाले अन्नामलाई से कहा गया है, दिल्ली को उनके लिए उज्जवल भविष्य नजर आ रहा है।

आप के मंत्रियों और विधायकों के खिलाफ किसानों का हल्लाबोल

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के किसानों ने पुलिस की ओर से प्रदर्शनकारी किसानों को शंभू और खनौरी बॉर्डर से हटाए जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी के विधायकों के आवासों के बाहर सोमवार को प्रदर्शन किया। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। किसानों ने पंजाब पुलिस की ओर से 19 मार्च को की गई कार्रवाई की आलोचना की। पुलिस ने 19 मार्च को किसान नेताओं को उस समय हिरासत में ले लिया था, जब वे चंडीगढ़ में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक करने के बाद वापस आ रहे थे। प्रदर्शनकारी किसानों की मांग, खासकर न्यूनतम समर्थन मूल्यकी गारंटी पर चर्चा करने के वास्ते उक्त बैठक का आयोजन किया गया था। जैसे ही किसान मोहाली में दाखिल हुए तो उन्हें भारी अवरोधकों का सामना करना पड़ा और उनके कुछ नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने शंभू और खनौरी बॉर्डर से प्रदर्शनकारी किसानों और उनके अस्थायी ढांचों को भी हटा दिया। इसके बाद शंभू-अंबाला और संगरूर-जींद राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन फिर से शुरू हो गया है। किसान मजदूर संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष सतनाम सिंह पन्नू ने सोमवार को

कहा कि 17 जिलों में सात मंत्रियों और 21 विधायकों के घरों के बाहर प्रदर्शन किया गया। किसान नेताओं ने भगवंत मान सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि उसने भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार के साथ मिलीभगत करके शंभू और खनौरी बॉर्डर से किसानों को हटाने का काम किया। केएमएम के नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि वे पुलिस की ओर से अस्थायी ढांचों को हटाए जाने के बाद विरोध स्थलों से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य सामान की चोरी के लिए भी मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान चाहते हैं कि विरोध स्थल से उनका सामान चुराने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर प्रदर्शन करने वाले कई किसानों ने दावा किया कि ट्रॉलियों सहित उनका सामान गायब है और हो सकता है कि वह चोरी हो गया हो।

साध्वी प्राची ने उठाई राष्ट्रीय पुरुष आयोग बनाने की मांग, कहा-पुरुषों का हो रहा अब महिलाओं से ज्यादा उत्पीड़न

हरिद्वार , एजेंसी। जहां एक ओर देश में पत्नियों से प्रताड़ित पतियों की संख्या बढ़ती जा रही है. वहीं दूसरी ओर कुछ से राष्ट्रीय पुरुष आयोग के गठन की मांग की जा रही है.अक्सर अपने बयानों से चर्चा में रहने वाली विश्व हिंदू परिषद की फायर ब्रांड नेता साध्वी प्राची ने इस बार पुरुषों को लेकर एक बड़ा बयान दिया है. जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से पुरुषों के लिए महिलाओं के जैसा पुरुष आयोग बनाने की मांग उठाई है. उनका कहना है कि पिछले सालों में पुरुषों का उत्पीड़न महिलाओं से ज्यादा देखा जा रहा है. ऐसे में देश को जरूरत है कि महिलाओं के जैसा ही एक पुरुष आयोग भी बने.

हिंदूवादी नेत्री साध्वी प्राची ने पुरुष आयोग बनाने की मांग की है. लगातार सामने आ रहे पुरुषों के उत्पीड़न के मामलों के बाद साध्वी प्राची ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पुरुष आयोग बनाने की मांग की. हरिद्वार स्थित अपने आश्रम में मीडिया से बात करते हुए साध्वी प्राची ने कहा कि पहले महिलाओं का उत्पीड़न होता था, जिसके लिए महिला आयोग बनाया गया और उससे महिलाओं को संरक्षण भी मिला. लेकिन अब जिस तरह देश भर के अलग-अलग हिस्सों से कई ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिसमें पुरुषों का उत्पीड़न और हत्याएं हो रही हैं. अब समय आ गया है कि पुरुषों को उत्पीड़न से बचाने के लिए पुरुष आयोग भी बनाया जाए. बता दें कि देश में राष्ट्रीय पुरुष आयोग बनाने की मांग तेज होती जा रही है.

दिल्ली-मेरठ और पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर सफर महंगा

गाजियाबाद में बकाया हाउस टैक्स पर लगेगा 12 प्रतिशत ब्याज

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद जिले में एक अप्रैल से कई बदलाव होने जा रहे हैं। लोगों को अब ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ेगी। दिल्ली-मेरठ और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के साथ एनएच-9 पर 31 मार्च रात 12 बजे के बाद टोल महंगा हो गया। वहीं, गृहकर न देने वालों पर 12 फीसदी ब्याज लगेगा। कुछ कागजी स्टाम्प भी चलन से बाहर हो गए। जीडीए से नक्शा पास कराना महंगा हो गया।

दिल्ली-मेरठ और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के साथ एनएच-9 पर 31 मार्च रात 12 बजे से टोल महंगा हो गया है। दिल्ली से मेरठ तक एक्सप्रेसवे पर कार-जीप का टोल 5 और बस-ट्रक का टोल 20 रुपये ज्यादा वसूला गया। अन्य श्रेणी के वाहनों की टोल दरें भी बढ़ गई हैं। एनएच-9 के छिजारसी टोल प्लाजा पर नई दर से वसूली की गई। मेरठ

एक्सप्रेसवे पर सराय काले खां से मेरठ तक कार और जीप का एक तरफ का टोल 170 रुपये हो गया। अभी 165 रुपये वसूला जा रहा था। हल्के व्यावसायिक वाहन का एक तरफ का मेरठ तक टोल 275 रुपये हो गया। इन वाहनों पर दस रुपये बढ़ाए गए हैं। बस-ट्रक की नई टोल दर 580 रुपये की गई है। इन वाहनों से अभी 560 रुपये वसूला जा रहा था। इन वाहनों पर 20 रुपये बढ़े हैं। इसके अलावा इंदिरापुरम से मेरठ तक कार और जीप का एक तरफ का टोल 115 रुपये हो गया। आने-जाने का टोल 175 रुपये देना होगा। वहीं, हल्के व्यावसायिक वाहन का एक तरफ का टोल 185 और आने-जाने का 280 रुपये टोल हो गया। उधर, 135 किलोमीटर लंबे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर भी टोल दर बढ़ाई हैं। दुहाई से कार और जीप के जाखौली तक का टोल 100 रुपये, मवीकला के 60 रुपये, बड़ागांव के 45 रुपये हो गए हैं। नगर निगम वित्त वर्ष खत्म होते हाउस टैक्स जमा नहीं करने वाले करदाताओं से 12 फीसदी ब्याज वसूलेगा।साढ़े चार लाख करदाताओं में से करीब एक लाख ने हाउस टैक्स जमा नहीं किया।मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा ने बताया कि हाउस टैक्स वसूली के लिए पांचों जोन में टीम ने सालभर अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि 300 करोड़ से अधिक की टैक्स वसूली हुई है। हाउस टैक्स जमा नहीं करने वाले करदाताओं से अब 12 फीसदी ब्याज लगाकर वसूली की जाएगी। मेरठ में स्टाम्प पेपर को लेकर हुए घोटाले के मामले के बाद 10 से लेकर 25 हजार रुपये के कागजी स्टाम्प एक अप्रैल से चलन से बाहर हो गए। जिनके पास यह थे, उन्हें 31 मार्च तक वापसी का मौका दिया गया था। 31 मार्च तक केवल पांच लोगों ने 15,32,700 रुपये के स्टाम्प वापसी का आवेदन किया। निबंधन विभाग के मुताबिक, मेरठ में स्टाम्प पेपर का घोटाला हुआ था। इसमें 10 हजार, 15 हजार और 25 हजार रुपये वाले फर्जी स्टाम्प लगाकर रजिस्ट्री कराई गई थी। इससे बड़ा नुकसान हुआ था। जीडीए से इस वित्तीय वर्ष नक्शा पास कराना महंगा होगा। शासन के निर्देशानुसार इसमें करीब पांच फीसदी तक बढ़ोतरी होगी, जिससे प्राधिकरण क्षेत्र में भूखंड पर मकान बनाना महंगा हो जाएगा। इसका आमजन पर सीधे असर पड़ेगा। जीडीए की स्वीकृत योजना में भूखंड पर मकान बनाने के लिए प्राधिकरण से ही मानचित्र स्वीकृत कराया जाता है।

नूंह-अलवर हाईवे का 47 किलोमीटर हिस्सा होगा 4 लेन, केंद्र ने मेवातियों को दी खुशियों वाली ईदी

नूंह, एजेंसी। हरियाणा के नूंह से अलवर नौगांव बॉर्डर तक नेशनल हाईवे-248ए के 47 किलोमीटर लंबे हिस्से को चार लेन बनाया जाएगा। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इसके लिए 400 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। केंद्र सरकार ने इस तोहफे से मेवातियों की ईद की खुशी को चार गुना बढ़ा दिया है।

क्षेत्रवासी इस परियोजना को ईद का तोहफा मान रहे हैं। वन विभाग की एनओसी के बाद जल्द ही टेंडर और निर्माण कार्य किया जाएगा। केंद्र सरकार से बजट मंजूरी के बाद लोगों ने एक दशक लंबे संघर्ष के लिए प्रख्यात स्वयंसेवक राजूद्दीन को बधाइयां दी है। शिक्षाविद् मास्टर अब्दुल वहाब ने कहा कि इस हाईवे फोरलेन के लिए मेवात आरटीआई मंच ने वर्ष 2018 में बड़कली चौक पर छह दिन का धरना दिया था। धरने में सामाजिक कार्यकर्ता राजूद्दीन ने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने मेवात क्षेत्र के सिंगल हाईवे को फोरलेन बनाने की मुहिम सड़क से लेकर संसद तक चलाई। खास बात यह रही थी उनकी पत्नी सबीला जंग भी इसमें शामिल रहीं। डेढ़ दशक लंबे संघर्ष के दौरान मेवात आरटीआई मंच एवं मौजी फाउंडेशन ने भूख-हड़ताल, ज्ञापन पत्र, हस्ताक्षर अभियान, धरना-प्रदर्शन, स्लोगन पेंटिंग आदि बनाकर विरोध प्रदर्शन किए थे। नूंह-अलवर सिंगल हाईवे पर पिछले 10 साल में करीब 2500 मौत हुई हैं। मंच की तरफ से 2019 में 100 फुट लंबे कपड़े पर 20 हजार लोगों के हस्ताक्षर कराकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा गया था।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

अश्विनी आईपीएल डेब्यू में चमके, पहली ही गेंद पर विकेट

नमन का डाइविंग कैच, बोल्ट की यॉर्कर पर नरेन बोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 में पहली जीत दर्ज करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स को 8 विकेट से हरा दिया। सोमवार को डेब्यूटेंट अश्विनी कुमार के 4 विकेट की बदौलत केकेआर की पारी 116 रन पर सिमट गई।

जवाब में रायन रिकेल्टन की शानदार फिफ्टी से एमआई ने 2 विकेट खोकर 121 रन बनाए और 43 बॉल रहते जीत हासिल कर ली। वानखेड़े स्टेडियम में कई मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले। अश्विनी एमआई डेब्यू मैच में 4 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने। ट्रेंट बोल्ट की यॉर्कर पर सुनील नरेन बोल्ड हो गए। वेंकटेश को 2 ओवर में दो जीवनदान मिला। नमन धीर ने हर्षित राणा का डाइविंग कैच पकड़ा। कोलकाता ने पहले ही ओवर में विकेट गंवाया। ट्रेंट बोल्ट ने सुनील नरेन को ओवर की चौथी बॉल पर बोल्ड कर दिया। उन्होंने यॉर्कर बॉल फेंकी लेकिन समय से नरेन का बैट नीचे नहीं आ सका और वे बोल्ड हो गए। डेब्यू मैच खेल रहे अश्विनी कुमार ने अपनी पहली बॉल पर विकेट लिया। उन्होंने तीसरे ओवर की पहली बॉल पर कप्तान अजिंक्य रहाणे (11 रन) को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। तिलक ने दूसरे प्रयास में डाइव लगाकर कैच पकड़ा।

भारत के लिए सबसे मैच खेलने वाली हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली महिला हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने मंगलवार को अपने शानदार 15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया।

उन्होंने कहा कि अपने चरम पर लिया गया यह फैसला उनके लिए कड़वा-मीठा और सशक्त बनाने वाला दोनों था। 32 वर्षीय अनुभवी स्ट्राइकर ने 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 158 गोल किए। वह 2020 टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं। वंदना ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, आज भारी लेकिन आभारी दिल के साथ मैं अंतरराष्ट्रीय हॉकी से अपने संन्यास की घोषणा करती हूं। यह एक ऐसा फैसला है जो मेरे लिए कड़वा-मीठा और सशक्त बनाने वाला है।

मैं इसलिए पीछे नहीं हट रही हूं क्योंकि मेरे अंदर की आग फीकी पड़ गई है या मेरी हॉकी की ताकत खत्म हो गई है, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं अपने चरम पर पहुंचकर खेल से विदा लेना चाहती हूं, जबकि मैं अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हूं। वंदना ने लिखा, मैं थकान की वजह से हॉकी को अलविदा नहीं कह रही हूं, बल्कि मेरे पास अंतरराष्ट्रीय मंच को अपनी शर्तों पर छोड़ने का विकल्प था। मेरा सिर गर्व से ऊंचा है और मेरी स्टिक की आग अभी भी धधक रही है। भीड़ का उत्साह बढ़ाना, हर गोल का रोमांच और भारत की जर्सी पहनने का गर्व हमेशा मेरी आत्मा में गूंजता रहेगा।

रोहित का सपना वनडे विश्व कप जीतना, वह इंग्लैंड जाकर भी खेले

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा के लिए आगामी टेस्ट दौरा खेलना मुश्किल लग रहा है। माना जा रहा है कि वह इंग्लैंड दौरे पर खुद ही नहीं जाएंगे। इंग्लैंड दौरे पर भारत ने 20 जून से 4 अगस्त तक 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने है। इसी बीच रोहित के बचपन के कोच दिनेश लाड का कहना है कि रोहित को पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्हें इंग्लैंड जाकर कप्तानी करनी चाहिए। उन्होंने पिछले दौरे पर वहां शतक बनाया था। वहां की परिस्थितियां उन्हें रास आएंगी। दिनेश लाड ने इसी दौरान रोहित के सफर और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

कोच ने कहा कि रोहित 12 साल की उम्र में उनके पास एक गेंदबाज के रूप में आए थे, लेकिन उन्हें बल्लेबाज बनाना और अब भारत को टी20 विश्व क प और चैंपियंस ट्रॉफी जिताते देखना बेहद सुखद अनुभव रहा है। कोच ने रोहित के सबसे बड़े सपने का जिक्र करते हुए कहा कि उनका अंतिम सपना वनडे विश्व कप उठाना है, जो 2023 में हम चूक गए। मेरा मानना है कि उन्हें अगले वनडे विश्व कप तक खेलना चाहिए और इसे जीतकर अपना और देश का सपना पूरा करना चाहिए।

रोहित की तकनीक और अनुभव की तारीफ करते हुए कोच ने कहा कि रोहित एक अलग तरह का खिलाड़ी है। वह तकनीकी रूप से मजबूत है और उसके पास अनुभव का खजाना है। पिछली इंग्लैंड यात्रा में उन्होंने शतक जड़ा था। मेरी राय में, उसे इंग्लैंड जाना चाहिए, अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिए और टीम का नेतृत्व अच्छे से करना चाहिए। बता दें कि 2024 में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी की थी। भारत ने 5 मैचों की सीरीज 4-1 से जीती थी।

3 क्रिकेटरों को किया गया बाहर

आईपीएल 2025 के बीच नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के ज्यादातर क्रिकेटर इन दिनों आईपीएल 2025 में खेल रहे हैं. लेकिन उधर उनके देश की क्रिकेट बोर्ड ने नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का ऐलान कर दिया है. नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में 23 खिलाड़ियों को जगह मिली है. खास बात ये है कि इस बार 3 नए खिलाड़ियों को भी सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट दिया गया है. वहीं, 3 खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं, जिनमें से दो तो चैंपियंस ट्रॉफी खेलने वाली टीम का भी हिस्सा थे, उन्हें नए करार से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. जिन 3 खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट पहली बार मिला है, उनमें सैम कॉन्स्टस, मैट कुन्हेमन और ब्यू वेब्स्टर का नाम है. वहीं 23 खिलाड़ियों की नई लिस्ट से जो 3 खिलाड़ी बाहर हैं, उनमें टॉड मर्फी, शॉन एबट और आरोन हार्डी का नाम है. इनमें से आरोन हार्डी और शॉन एबट चैंपियंस ट्रॉफी खेलने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा थे. हालांकि, उन्हें वहां एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था. जबकि टॉड मर्फी की बात करें तो वो श्रीलंका के पिछले दौरे पर खेली टेस्ट सीरीज में तीसरे स्पिनर की हैसियत से ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे. मगर 2025-26 में ऑस्ट्रेलिया को एशिया का दौरा नहीं करना है. सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट पाने वाले 3 नए खिलाड़ियों में सैम कॉन्स्टस की बात करें तो वो फिलहाल टेस्ट फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया का हिस्सा हैं. उन्होंने भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मेलबर्न और सिडनी में 2 टेस्ट खेले थे. वहीं मैट कुन्हेमन को

श्रीलंका दौरे पर मिली सफलता का फायदा मिला है.

इन खिलाड़ियों का सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट बरकरार

इंजरी से जूझते रहने के बावजूद लांस मॉरिस और झाई रिचर्ड्सन का सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट बरकरार रहा है. रिचर्ड्सन का फिलहाल रिहैब चल रहा है. उनके कंधे की तीसरी सर्जरी हुई है. जेवियर बार्टलेट को चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में जगह नहीं मिली थी. मगर वो सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं.

2025-26 सीजन में ऑस्ट्रेलिया का प्लान: 2025-26 सीजन में ऑस्ट्रेलिया 19 बाइलेटरल टी20 मुकाबले खेलने वाला है. इसके अलावा उसे अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में शिरकत करना है. टी20 सीरीज के अलावा 2025-26 सीजन में वो 9 वनडे मुकाबले और 7 टेस्ट मैच खेलेगा. ये मुकाबला ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास अपने कॉन्ट्रेक्ट को अपग्रेड करने का सुनहरा अवसर होगा.

ऑस्ट्रेलिया के वो खिलाड़ी, जिन्हें मिला सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट

स्कॉट बोलैंड, जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, पैट कमिस, नाथन एलिस , कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड. ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, जोश इंग्लिस, सैम कॉन्स्टस, मैट कुन्हेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, झाई रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेब्स्टर, एडम जैम्पा.

बिना संन्यास लिए

सिडनी सिक्सर्स का हिस्सा बने विराट कोहली?

नई दिल्ली, एजेंसी। बिग बैश लीग की टीम सिडनी सिक्सर्स ने मंगलवार सुबह को एक पोस्ट किया जिससे सोशल मीडिया तहलका मच गया। सिडनी सिक्सर्स ने इंस्टाग्राम पर भारत के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली की तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने जो दावा किया उसने सभी को हैरान कर दिया। बाद में इस दावे का सच भी सामने आया।

सिडनी सिक्सर्स ने शेयर किया पोस्ट

सिडनी सिक्सर्स ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें कोहली भारतीय जर्सी में नजर आ रह हैं। उन्होंने तस्वीर पर लिखा, 'स्वागत विराट कोहली।'उन्होंने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, 'किंग कोहली, विराट कोहली अगले दो सालों के लिए आधिकारिक तौर पर सिक्सर हैं।' महज दो घंटे में यह पोस्ट वायरल हो गया। जिसपर कई कमेंट आए।

बीसीसीआई का नियम नहीं देता इजाजत

लोग हैरान थे कि ऐसा कैसे संभव है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी तब तक किसी विदेशी लीग में नहीं खेल सकता जब तक वह संन्यास न ले लें। उन्हें संन्यास लेने के बाद बीसीसीआई से एनओसी लेना होता है। हालांकि विराट कोहली ने ऐसा कुछ नहीं किया है। उन्होंने टी20 फॉर्मेट से संन्यास तो लिया है लेकिन वह अब भी टेस्ट और वनडे टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में नियमों के अनुसार उनका किसी विदेशी लीग में खेलना संभव नहीं है। एक्स पर उनके इस पोस्ट पर यूजर ने लिखा, 'सिडनी सिक्सर्स' कोहली कब जॉइन करने वाले हैं। इसका जवाब देते हुए सिडनी सिक्सर्स ने लिखा, 'एक अप्रैल 2025।' इसके बाद फैंस को पता लग गया कि यह एक अप्रैल फूल प्रैंक है। लोगों ने सिडनी सिक्सर्स की तारीफ की और कहा कि अप्रैल फूल का सही इस्तेमाल किया।

फीडे महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप:

जू वेनजुन को टक्कर देंगी तान झोंगयी

शंघाई , चीन, एजेंसी। शतरंज की दुनिया में महिलाओं के सबसे प्रतिष्ठित खिताब महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2025 का आयोजन इस बार चीन के दो प्रमुख शहरों - शंघाई और चोंगकिंग - में किया जाएगा। मौजूदा विश्व चैम्पियन जू वेनजुन और चीन की ही चैलेंजर तान झोंगयी के बीच यह बहुप्रतीक्षित मुक़ाबला 1 से 23 अप्रैल 2025 के बीच खेला जाएगा।

यह चैंपियनशिप 12 मुकाबलों की एक क्लासिकल सीरीज के रूप में होगी। जो खिलाड़ी पहले 6.5 अंक प्राप्त करेगा, उसे विजेता घोषित किया जाएगा। यदि स्कोर 6-6 पर बराबर रहता है, तो रैपिड और आवश्यकता पड़ने पर ब्लिट्ज टाईब्रेक के माध्यम से विजेता तय किया जाएगा। जू वेनजुन मौजूदा महिला विश्व शतरंज चैंपियन हैं। उन्होंने 2018 में पहली बार तान झोंगयी को हराकर विश्व खिताब जीता था।

इसके बाद उन्होंने 2018 में नॉकआउट टूर्नामेंट, 2020 में गोऱ्याचकिना, और 2023 में लेई टिंगजी के खिलाफ अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाया। जू की ताकत केवल क्लासिकल में ही नहीं है - उन्होंने 2017 और 2018 में वुमेन्स वर्ल्ड रैपिड और 2024 में वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप भी जीती है।

वे चीन की स्वर्ण पदक विजेता ओलंपियाड टीम (2016, 2018) और विश्व टीम चैंपियनशिप (2009, 2011) का हिस्सा रही हैं। तान झोंगयी ने 2017 में अन्ना मुजिचुक को हराकर विश्व खिताब जीता था और उसके बाद से वह विश्व स्तर पर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। हालांकि 2018 में वे जू वेनजुन से खिताब हार गईं, लेकिन उन्होंने 2022 में वर्ल्ड रैपिड और 2024 में केर्न्स कप जैसे प्रतिष्ठित खिताब जीते। 2024 महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें इस बार की चैलेंजर बनाया।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बड़े बदलाव की ओर, टेस्ट कप्तानी से हटे ब्रेथवेट, शाई होप को टी20 की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स से नदारद रहने के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट अब बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। इसी कड़ी में क्रेग ब्रेथवेट ने चार साल बाद वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने सोमवार को बताया कि शाइ होप को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया है। 32 वर्ष के ब्रेथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह कप्तान बनाया गया था। वहीं वनडे टीम के कप्तान होप को रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम की कप्तानी दी गई है। रोवमन पॉवेल मई 2023 से टी20 कप्तान थे।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, ब्रेथवेट चाहते थे कि उनके खेल को अलविदा कहने से पहले टीम बदलाव के दौर से गुजर जाए। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले उन्होंने कप्तानी छोड़ दी ताकि नये कप्तान को खुद को स्थापित करने का समय मिल जाये। नए टेस्ट कप्तान का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा। इस रेस में फिलहाल एलिक एथनाजे, मिकाइल लुईस, केसी कार्टी और जस्टिन ग्रीव्स जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा गुडाकेश मोती को भी हाल फिलहाल में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिल सकता है।

राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप में हिमाचल उपविजेता

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सधी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई। लखनऊ में हुई 47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप के फाइनल में हिमाचल प्रदेश की टीम यूपी से कड़े मुकाबले में 19-17 से हार गई।

उत्तर प्रदेश फाइनल जीत कर पहली बार चैंपियन बनी। पहले हाफ में दोनों ही टीमों ने तेज आक्रमण किए। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सधी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई।

इस दौरान हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ियों ने कई महत्वपूर्ण मौके भी गंवाए। उत्तर प्रदेश की गोलकीपर निहारिका ने दमदार खेल दिखाते हुए कई अटैक को विफल कर दिया। यूपी की ओर से

नैना ने सबसे अधिक 6 गोल दागे। रेशमा, सुमन, प्रीति और अनन्या ने इसमें बखूबी साथ दिया। 3-3 गोल करते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। वहीं, दीया को एक गोल करने में सफलता मिली।

हिमाचल प्रदेश की ओर से जस्सी ने 6, काजल ने 5, कृतिका ने 4 और नितिका और मुस्कान ने 1-1 गोल किए। उत्तर प्रदेश की टीम ने पिछले सीजन में कांस्य पदक जीता था। समारोह में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक रहे। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

बिजली कंपनी को रिकॉर्ड 17 हजार करोड़ की आमदनी : बिजेन्द्र

पटना (एसवीवी. सं.)। बिजली कंपनी ने रिकॉर्ड आमदनी की है। 31 मार्च को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में कंपनी ने 17 हजार 114 करोड़ की आमदनी की है जो यह अब तक की सबसे अधिक राशि है। इसमें एनबीपीडीसीएल ने 7,937 करोड़ तो एसबीपीडीसीएल ने 9,177 करोड़ की आमदनी की है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में हुई आमदनी 15 हजार 109 करोड़ की तुलना में कंपनी ने 2,006 करोड़ की अधिक आमदनी की है। यह 13.27 प्रतिशत अधिक है। ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा कि लोगों द्वारा बिल करने और विद्युतकर्मियों की मेहनत के कारण ही यह संभव हो सका है। जनता और ऊर्जा विभाग के बीच परस्पर सामंजस्य, कंपनियों द्वारा प्रदत्त बेहतर सेवाओं तथा गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति का ही परिणाम है कि उपभोक्ताओं ने अपने बिजली बिल का नियमित भुगतान किया है। इन सब वजह से वितरण कंपनियों ने रिकॉर्ड राजस्व संग्रहण किया। बेहतर उपभोक्ता सेवा, उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण एवं लोगों के साथ सीधा संवाद ने भी राजस्व संग्रहण महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऊर्जा सचिव पंकज कुमार पाल ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के बेहतर राजस्व संग्रहण के कारण ही वित्तीय वर्ष 2024-25 में सभी उपभोक्ताओं को 15 पैसे प्रति यूनिट सस्ती बिजली दी गई थी। इस बार भी और बेहतर राजस्व संग्रहण के कारण ग्रामीण क्षेत्र में 50 यूनिट से अधिक खपत करने वाले उपभोक्ताओं को 54 पैसे प्रति यूनिट, ग्रामीण स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को 79 पैसे एवं शहरी क्षेत्रों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को 25 पैसे प्रति यूनिट कम दर पर बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। रिकॉर्ड राजस्व संग्रहण में स्मार्ट प्रीपेड मीटर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बिजली करंट लगने से दंपती की मौत

- ग्रामीणों ने तुरंत बिजली का कनेक्शन काटकर दंपती को छुड़ाया।
- दोनों को औरंगाबाद सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

निज संवाददाता | अंबा (औरंगाबाद)

जिले के अंबा थाना क्षेत्र के नरहर अंबा गांव में एक दर्दनाक हादसे में पति-पत्नी की जान चली गई। अर्जुन पाठक (32) और उनकी पत्नी सुनीता देवी करंट की चपेट में आ गए, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। जानकारी के अनुसार, सुनीता देवी रोज की तरह घर के कामों में लगी थीं। उन्होंने कपड़े धोने के बाद उन्हें सुखाने के लिए आंगन में लगी रस्सी पर डालने की कोशिश की। यह रस्सी एक बिजली के खंभे से बंधी थी और उसी से घर का बिजली कनेक्शन भी जोड़ा गया था। किसी तकनीकी खराबी के चलते तार में करंट दौड़ गया और जैसे ही सुनीता ने कपड़े डाले, वह झटके से गिर पड़ीं। पत्नी को तड़पते देख अर्जुन पाठक घबरा गए और बचाने दौड़े। उन्होंने सुनीता को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन बिजली के तेज झटके ने उन्हें भी अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते दोनों अचेत हो गए और घर के आंगन में पड़े रहे। इस दौरान उनका पांच वर्षीय बेटा कार्तिक खेलकर घर लौटा। उसने जब अपने माता-पिता को अचेत देखा तो घबराकर बाहर भागा और ग्रामीणों को सूचना दी। तुरंत ही लोग दौड़े और किसी तरह बिजली का कनेक्शन काटकर दोनों को अलग किया।

गंभीर स्थिति में ग्रामीणों ने दोनों को औरंगाबाद सदर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस खबर के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया। अर्जुन पाठक का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर था। उन्होंने इस साल कर्ज लेकर स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू की थी, जिससे परिवार की स्थिति बेहतर हो रही थी। लेकिन अचानक आई इस विपत्ति ने परिवार को फिर से गहरे अंधकार में धकेल दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। बिजली करंट कैसे लगा, यह भी जांच का विषय बना हुआ है। वहीं, गांव के लोग बिजली विभाग की लापरवाही पर भी सवाल उठा रहे हैं। यह हादसा पूरे इलाके के लिए एक बड़ी सीख है कि बिजली से जुड़े किसी भी असुरक्षित कनेक्शन को हल्के में न लिया जाए।

बाइक से गिरकर 21 साल के लड़के की हुई मौत

निज संवाददाता | ओबरा (औरंगाबाद)

ओबरा प्रखंड में बाइक से गिरे एक युवक की मौत हो गई। घटना जम्होर थाना क्षेत्र के मेहंदा गांव के पास है। बताया जा रहा है कि युवक तेज रफ्तार बेकाबू बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुआ था। मृतक की पहचान 21 साल के अर्जुन कुमार के रूप में हुई है, जो जम्होर थाना क्षेत्र के गुलजार बिगहा गांव के रहने वाले शिवपति राम का बेटा था। घटना सोमवार की रात की बताई जा रही है। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान परिजनों ने बताया कि अर्जुन अपने घर से बाइक पर सवार होकर किसी काम से ओबरा थाना क्षेत्र के कारा मोड तरफ गया हुआ था। वापस लौटने के दौरान मेहंदा गांव के समीप तेज रफ्तार बाइक से गिरकर घायल हो गया। घटना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और अर्जुन को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओबरा पहुंचाया और घटना की सूचना परिजनों को दी। सूचना पर परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओबरा पहुंचे और घायल युवक का हाल जाना। इसके बाद डॉक्टरों ने अर्जुन की स्थिति गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इधर, सदर अस्पताल के भी डॉक्टरों ने अर्जुन स्थिति के गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन अर्जुन को बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल गया लेकर जा रहे थे, लेकिन बीच रास्ते में उसकी मौत हो गई। अर्जुन की मौत के बाद परिजन उसके शव को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। जानकारी मिली कि परिजन अर्जुन के शव का पोस्टमार्टम कराए बिना ही घर लेकर चले गए और दाह संस्कार करा दिया। जम्होर थानाध्यक्ष राजकिशोर प्रसाद ने बताया कि दुर्घटना में युवक की मौत की जानकारी नहीं है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

देव चैती छठ मेले की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग

- सभी दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को ड्यूटी पर मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मंगलवार को जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री एवं पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल द्वारा औरंगाबाद जिले के देव प्रखंड के सूर्य कुंड परिसर में चैती छठ मेला के दौरान सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को ड्यूटी के दौरान छठव्रतियों की भावनाओं एवं श्रद्धा का ख्याल रखने एवं 01 से 04 अप्रैल के बीच पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि चूंकि सूर्यकुंड छठ घाट पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं इसलिए यह आवश्यक है कि सभी प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट एवं पुलिस कर्मी अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थल की पुरी जानकारी प्राप्त कर लें। इस दौरान सदर अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह द्वारा सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को उनके कार्यों एवं दायित्वों की पूर्ण जानकारी दी गई एवं उन्हें आज से ही ड्यूटी पर तैनात रहने का निर्देश दिया गया। एसडीएम द्वारा सूर्य मंदिर, सूर्य कुंड, रुद्र कुंड एवं मेला क्षेत्र के सभी मार्गों पर प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारियों को आज ही अपने स्थल का भ्रमण कर सुनिश्चित होने का निर्देश दिया गया एवं बताया गया कि किसी भी परिस्थिति में श्रद्धालुओं की भीड़ के मूवमेंट को रुकने ना दें एवं लोगों के आवागमन को बाधित न होने दें। बताया गया कि देव चैती छठ मेला के दौरान सूर्य कुंड एवं रुद्र कुंड घाट के चारों तरफ वरीय पदाधिकारी की निगरानी में दंडाधिकारी एवं पुलिस कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी लोग अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर जाकर देख लें ताकि आपस में इफेक्टिव कम्युनिकेशन स्थापित किया जा सके। इस बैठक में अपर समाहर्ता, एडीएम पीजीआरओ, एडीएम आपदा, सदर एसडीएम, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, डीएसपी मुख्यालय, डीएसपी मदनपुर सभी वरीय उप समाहर्ता, डीसीएलआर स्वेतांक लाल, एवं जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

घर में घुसकर हमला, तीन लोग अस्पताल में भर्ती

निज सं. | दाउदनगर (औरंगाबाद)

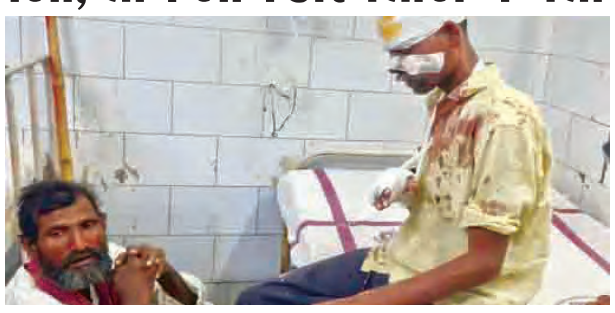

जिले के दाउदनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंदुआर गांव में रास्ते के विवाद को लेकर सोमवार रात दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस घटना में एक ही परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान विजेंद्र राठौर, उनके बेटे फिरोज राठौर और बेटी विरंज देवी के रूप में हुई है। मंगलवार को सदर अस्पताल में इलाज के दौरान फिरोज राठौर ने बताया कि पड़ोसी उन्हें गली के रास्ते से आने-जाने नहीं देते और कई बार मारपीट की घटनाएं हो चुकी हैं। मामला पहले भी दाउदनगर थाना तक पहुंचा था, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकला। आरोप है कि पड़ोसी जानबूझकर रास्ते में मवेशी बांध देते हैं, जिससे आवागमन बाधित होता है। यहां तक कि जब बच्चे सड़क पर खेलते हैं तो उन्हें भी पीटा जाता है। सोमवार रात रास्ते को लेकर फिर से विवाद हुआ, जिसे कुछ स्थानीय लोगों ने समझा-बुझाकर सुलझा दिया। इसके बाद जब पूरा परिवार घर में बैठा था, तभी पड़ोसी लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर घर में घुस आए और तीनों पर हमला कर दिया। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। बताया जा रहा है कि दूसरे पक्ष के भी कुछ लोग घायल हुए हैं। परिजनों ने घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल, दाउदनगर पहुंचाया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर देखते हुए उन्हें औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। तीनों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही दाउदनगर थाना पुलिस सक्रिय हो गई। नगर थाना पुलिस ने तीनों घायलों का फर्द बयान दर्ज कर लिया है। इस संबंध में दाउदनगर थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि मारपीट की सूचना मिली है और घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है। फर्द बयान और आवेदन मिलने के बाद एफआईआर दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

चैती छठ मेला का भव्य उद्घाटन, लाखों श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

औरंगाबाद। चैती छठ महापर्व के अवसर पर मंगलवार को देव स्थित सूर्य नगरी में छठ मेला 2025 का भव्य उद्घाटन किया गया। बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री एवं औरंगाबाद के प्रभारी मंत्री संतोष कुमार सुमन ने दीप प्रज्वलित कर मेले की विधिवत शुरुआत की। इस दौरान सदर विधायक आनंद शंकर सिंह, जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, नगर पंचायत अध्यक्ष और अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत बिहार गीत के साथ हुई, जिसके बाद अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर मेले का उद्घाटन किया। जिला प्रशासन की ओर से प्रभारी मंत्री और अन्य गणमान्य अतिथियों को पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। जिला पदाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए प्रशासन ने ठहरने, बिजली, पानी, पार्किंग और मेडिकल कैंप जैसी समुचित व्यवस्थाएं की हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। सदर विधायक आनंद शंकर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि छठ मेला के राजकीय मेला घोषित होने के बाद से ही इस मंच ने देव के विकास में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं और देव क्षेत्र के विकास को लेकर हर साल चर्चाएं होती हैं और कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाते हैं। विधायक ने मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान देव में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु 400 करोड़ की स्वीकृति मिलने की घोषणा को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं को कैबिनेट से मंजूरी दिला दी गई है और उन्हें शीघ्र लागू किया जाएगा। साथ ही, देव क्षेत्र के समग्र विकास के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

इस अवसर पर अपर समाहर्ता ललित भूषण रंजन, सदर एसडीओ संतन कुमार सिंह, बंदोबस्त पदाधिकारी शैलेश कुमार दास, एसडीपीओ मदनपुर, सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सच्चिदानंद सुमन, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, मंदिर न्याय समिति के सदस्य एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

छठ महापर्व की विशेषता पर जोर

प्रभारी मंत्री संतोष कुमार सुमन ने मंदिर की ऐतिहासिकता और छठ पर्व की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल सनातन हिंदू धर्म का पर्व नहीं, बल्कि सभी धर्मों और समाजों का पर्व है, जो आस्था और श्रद्धा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन के बेहतर प्रबंधन से लाखों श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के मेले का आनंद ले पा रहे हैं।

सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं पर जोर

सदर विधायक आनंद शंकर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि छठ मेला के राजकीय मेला घोषित होने के बाद से ही इस मंच ने देव के विकास में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं और देव क्षेत्र के विकास को लेकर हर साल चर्चाएं होती हैं और कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाते हैं। विधायक ने मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान देव में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु 400 करोड़ की स्वीकृति मिलने की घोषणा को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

पांच हजार रुपए के लिए युवक पर जानलेवा हमला, हालत गंभीर

निज संवाददात | अंबा(औरंगाबाद)

अंबा बाजार में मंगलवार की शाम को एक लेनदेन विवाद में युवक पर नुकीले हथियार से हमला कर दिया गया। घायल युवक आकाश कुमार उर्फ रंजन को पहले कुटुंबा रेफरल अस्पताल और फिर गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल रेफर किया गया। घटना की जानकारी देते हुए आकाश ने बताया कि उसने अपने भाई राहुल की शादी के लिए ज्वैलर्स के मालिक अक्षय सोनी से 2.5 लाख रुपए के गहने उधार लिए थे। उसने 2 लाख रुपए चुका दिए थे। शेष 50 हजार रुपए के लिए दुकानदार लगातार दबाव बना रहा था। इस विवाद में पहले भी दो बार मारपीट हो चुकी थी। अंबा थाने में पुलिस ने एक महीने में पैसे चुकाने का बांड बनवाया था। आकाश ने 45 हजार रुपए और चुका दिए। मात्र 4-5 हजार रुपए बाकी थे। मंगलवार शाम को दुकानदार का कर्मचारी चंदन सोनी पैसे मांगने आया। आकाश ने धंधा मंदा होने की बात कही। इस बात पर वह चंदन के फोन पर गालियां दीं। आकाश जब दुकान पर बात करने गया, तो दुकानदार और उसके साथियों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। नुकीले हथियार से वार किए गए, जिससे कई जगह से खून निकलने लगा। थानाध्यक्ष राहुल राज ने कहा कि मारपीट की सूचना मिली है। आवेदन मिलते ही एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

हरीराज देवी की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के पंचदेव मंदिर परिसर में वीरेंद्र सिंह की धर्मपत्नी स्व. हरीराज देवी की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर औरंगाबाद के गणमान्य लोगों ने उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सभा में उपस्थित लोगों ने उनके व्यक्तित्व और समाजसेवा के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा कि वे धर्मपरायण और कर्मठ महिला थीं, जो सदैव जरूरतमंदों की मदद करने के लिए तत्पर रहती थीं। शिक्षा के प्रति उनकी विशेष रुचि थी और वे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासरत रहती थीं। श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लोग उपस्थित थे, जिन्होंने हरीराज देवी के योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। उपस्थित जनों ने कहा कि उनका जीवन सादगी, सेवा और समर्पण का उदाहरण था, जिससे समाज को प्रेरणा मिलती रहेगी। इस अवसर पर डॉ. रामाधार सिंह, रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष, चर्चित समाजसेवी सतीश कुमार सिंह, उदय उज्जवल, सिद्धनाथ सिंह, विभूति भूषण, आनंद भूषण, अद्वित भूषण सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सरकारी विद्यालयों में लगेंगे स्वास्थ्य शिविर

पटना (नि.सं.)। राज्य सरकार ने अब स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य के मामलों में सुधार करने के लिए एक नई मुहिम शुरू की है। इस पहल के तहत, राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि बच्चों के स्वास्थ्य का नियमित रूप से परीक्षण किया जा सके और उनकी सेहत के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। स्वास्थ्य शिविरों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों की मदद से चलाया जाएगा, ताकि बच्चों की स्वास्थ्य जांच करने के साथ-साथ उन्हें स्वच्छता और स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी दी जा सके। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने इस महत्वपूर्ण कदम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे इस योजना को लागू करने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। मंत्री ने कहा कि इन स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से बच्चों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी, जैसे कि उनका वजन, लंबाई, आंखों की जांच, दांतों की देखभाल आदि, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चों में कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या न हो। इसके अलावा, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि बच्चों को स्वच्छता की आदतें सिखाई जाएं ताकि वे स्वच्छता के प्रति जागरूक हो सकें। स्वच्छता की आदतों को बच्चों में विकसित करने के साथ-साथ, शिक्षा मंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी स्कूलों में शुद्ध और साफ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने कहा कि दूषित पानी से कई प्रकार की बीमारियां फैलती हैं और बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए यह बेहद जरूरी है कि उन्हें केवल शुद्ध पानी मिले। इसके साथ ही, विद्यालय परिसर को हमेशा साफ-सुथरा रखने के लिए प्रधानाध्यापकों को जिम्मेदारी दी जाएगी। स्वच्छता के अलावा, विभाग द्वारा यह भी निर्देशित किया गया है कि विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना की नियमित निगरानी की जाए। मंत्री ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि प्रारंभिक विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन मिले, जो स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त हो।

शब्दवीणा के प्रथम स्थापना दिवस पर औरंगाबाद में काव्य गोष्ठी का आयोजन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'शब्दवीणा' के प्रथम स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य शब्दवीणा काव्य गोष्ठी सह सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राम प्रवेश सिंह ने की, जबकि संचालन शब्दवीणा के जिलाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी द्वारा किया गया। समारोह की शुरुआत महाराज पृथ्वीराज चौहान और चंदरबरदाई की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद माता सरस्वती की वंदना की गई और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ. ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह, सिन्हा कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. संजीव रंजन, प्रोफेसर विजय कुमार सिंह, संयोजक जगदीश सिंह, सरपंच संघ के प्रांतीय पदाधिकारी रविंद्र कुमार सिंह, सिन्हा कॉलेज के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ. रामाधार सिंह, माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता रामभजन सिंह और वरीय सदस्य चंद्र प्रकाश विकास ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

संस्था के सचिव सतीश पांडेय ने शब्दवीणा की स्थापना के एक वर्ष पूरे होने पर संस्था की उपलब्धियों को सबके सामने रखा। वहीं, जिलाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने संस्था की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी द्वारा प्रेषित शुभकामनाओं को सभी के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि शब्दवीणा का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाना है और इस दिशा में संस्था निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रही है।

इस अवसर पर आयोजित काव्य गोष्ठी में कई प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी रचनाओं से समां बांधा। सुरेश विद्यार्थी ने शब्दवीणा हई साहित्य संस्था के जान बबुआ' कविता प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी। वहीं, शिवप्रसाद ने झंडा लहर लहर लहराये हिंदुस्तान के कविता के माध्यम से राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत की। संस्था के उपाध्यक्ष कुंवर विजय कृष्णा ब्रजराज ने फूल और कांटा शीर्षक से कविता प्रस्तुत की। इसके अलावा भक्त हैं कम, देवी-देवता हैं ज्यादा कविता के माध्यम से अंधविश्वास के खिलाफ संदेश दिया गया।

कारा की दिव्या ने लाया 95% अंक किया जाएगा सम्मानित

निज संवाददाता | ओबरा (औरंगाबाद)

ओबरा प्रखंड की दिव्या कुमारी ने मैट्रिक परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर 476 अंक (95%) प्राप्त किए हैं। इस उपलब्धि से उसने अपने कोचिंग संस्थान आदर्श कोचिंग सेंटर, कारा और पूरे जिले का नाम रोशन किया है। दिव्या की सफलता पर कोचिंग संस्थान के निदेशक धनंजय कुमार, प्राचार्य रोहित कुमार और प्रबंध निदेशक अखिलेश कुमार ने खुशी जताते हुए कहा कि उसे विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। आदर्श कोचिंग सेंटर के सभी शिक्षकों ने दिव्या के घर जाकर उसकी माता सविता देवी और पिता उगान प्रसाद गुप्ता से मुलाकात की और बधाई दी। संस्थान के निदेशक और प्राचार्य ने दिव्या को पढ़ाई से संबंधित सामग्री और मिठाई भेंट कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। आदर्श कोचिंग सेंटर लगातार बेहतर परिणाम दे रहा है। बताया गया कि पिछले साल कोचिंग से 400+ अंक लाने वाले 13 छात्र थे, जबकि इस बार यह संख्या बढ़कर 18 हो गई है। इस उपलब्धि से संस्थान क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। संस्थान की इस सफलता पर वहां पढ़ने वाले सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने शिक्षकों को बधाई दी और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में यह संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में और भी नए आयाम स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री पहुंचे जदयू दफ्तर, कार्यकर्ताओं से मिले

पटना (नि.सं.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंगलवार को शाम को अचानक पार्टी दफ्तर पहुंचे। बिना पूर्व सूचना के मुख्यमंत्री को कार्यालय में देख मौजूद नेता-कार्यकर्ता अचंभित थे। मुख्यमंत्री कार्यालय परिसर के भवनों का मुआयना किया और पार्टी पदाधिकारियों के जानकारी ली। मुख्यमंत्री पार्टी कार्यालय में उपस्थित कार्यकर्ताओं से भी मिले और उनका कुशलक्षेम पूछा। साथ ही कार्यकर्ताओं की बातें भी उन्होंने सुनीं। वह कुछ देर अपने कक्ष में भी बैठे। मुख्यमंत्री करीब 20 मिनट तक पार्टी प्रदेश कार्यालय में रुके। उनके साथ ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी भी गये थे। वहीं, जदयू के विधान पार्षद संजय सिंह उर्फ गांधी जी, ललन सर्राफ और रवींद्र प्रसा सिंह कार्यालय में पहले से मौजूद थे।

जम्होर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ईद

निज संवाददाता | जम्होर (औरंगाबाद)

सदर प्रखंड के ग्राम जम्होर में ईद-उल-फितर का पर्व हर्ष और भाईचारे के माहौल में धूमधाम से मनाया गया। सुबह होते ही मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईदगाह में एकत्रित होकर विशेष ईद की नमाज अदा की। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और विश्व शांति की कामना की।

इस पावन अवसर पर जम्होर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह भी पहुंचे और उन्होंने मुस्लिम समुदाय के लोगों को पुष्प हार पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने इस पर्व को आपसी सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक बताते हुए अमन-चैन की कामना की। कार्यक्रम में जम्होर थाना प्रभारी की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनी रही। इस अवसर पर सद्दाम हुसैन, शमशाद आलम, मुर्शीद आलम, वार्ड सदस्य सुहैल अहमद, खुर्शीद आलम, डॉ. नेहाल अहमद, नेयाज अहमद और राणा सुनील सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ईद के इस मौके पर पूरे गांव में खुशी और उल्लास का माहौल देखा गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने एक-दूसरे को बधाई दी और मिठाइयां बांटी।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर ऑटो और ई-रिक्शा से बच्चों को स्कूल ले जाने पर बैन

निज संवाददाता | पटना

एक अप्रैल यानी मंगलवार से ऑटो और ई-रिक्शा से स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसे लागू करने के लिए यातायात पुलिस ने तैयारी पूरी कर ली है। मंगलवार से जो भी ऑटो और ई-रिक्शा स्कूली बच्चों को ढोते पाए जाएंगे, उनपर यातायात पुलिस कार्रवाई करेगी। इसके लिए ट्रैफिक एसपी ने कर्मियों को निर्देश जारी किया है। ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने बताया कि मंगलवार सुबह से ही प्रमुख चौक-चौराहे सहित स्कूलों के समीप यातायात पुलिस की टीम तैनात रहेगी। निर्देश के बावजूद परिचालन करते पाए जाने पर ऑटो और ई-रिक्शा मालिकों पर जुर्माना लगाया जाएगा। राजधानी में नियमों के विपरीत ऑटो और ई-रिक्शा से स्कूली बच्चों को ढोया जा रहा है। उन वाहनों में बच्चों की सुरक्षा के उपाय तो दूर तीन यात्री की सीट पर आठ से 10 बच्चों को ठूंस कर बिठाया जा रहा है। स्कूली बच्चों को ढोने वाले वाहनों के लिए नियम तय हैं। वाहन का रंग पीला और चालक प्रशिक्षित होने के साथ ही बच्चों की सुरक्षा के लिए खिड़की पर ग्रिल लगा होना चाहिए।

प्रेम प्रसंग में गला दबाकर युवक की हत्या

निज संवाददाता | पटना

पटना जिले के मसौढ़ी में अपराधियों ने गला दबाकर एक युवक की हत्या कर दी। वारदात के बाद शव को खेत में फेंक दिया। प्रेम-प्रसंग में हत्या की आशंका है। घटना उस्मानचक गांव की है। पिता अजीत कुमार ने बताया कि रजनीश कुमार(21) सोमवार रात 9 बजे घर से निकला था। उसके बाद लौटकर नहीं आया। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद लहसुना थाने को इसकी सूचना दी। मंगलवार को सुबह गांव के बाहर खेत में शव मिला।